सलजार अमरीका में

Salazar America Mein Akram Allahabadi

डिटेक्टिव सर्कल सीरीज

1

सालाज़ार अमरिका में

Akram Allamabadi

अकरम अलाहाबादी

फरहत प्रकाशन मुंबई - भारत

सभी अधिकार प्रकाशक द्वारा सुरक्षित हैं।

इस उपन्यास में वर्णित सभी घटनाएँ, स्थान और पात्र काल्पनिक हैं। इनसे किसी भी प्रकार की समानता पूर्णतः संयोगवश है। प्रकाशक, प्रकाशक और मुद्रक ऐसी किसी भी समानता के लिए उत्तरदायी नहीं हैं।

इस उपन्यास के पुनरुत्पादन, अनुवाद या उपयोग के लिए प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है, अन्यथा लिखित अनुमति के बिना कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

मुद्रक---- मुंबई भारत

सालाज़ार अमेरिका में

जहाज पर उथल-पुथल

केबिन नंबर 17 में बैठा यात्री या तो बीमार था या बेहद एकांतप्रिय। वह शायद ही कभी अपने केबिन से बाहर निकलता था। जहाज को कलकत्ता तट से रवाना हुए तीन दिन हो चुके थे, और इस दौरान उसे बहुत कम लोगों ने ठीक से देखा था। वह या तो रात में संयोग से डेक के किसी कोने में खड़ा दिखाई देता था या फिर रेफर शो के किनारे वाली सीट पर। वह कम और संक्षिप्त बोलता था, लेकिन उसके अलगाववादी रवैये ने जहाज पर किसी को प्रभावित नहीं किया, क्योंकि वह एक अधेड़ उम्र के लैटिन अमेरिकी किसान जैसा दिखता था जो शायद ज़्यादा प्रगतिशील अंतरराष्ट्रीय नागरिकों की मौजूदगी में खुद को हीन महसूस कर रहा हो, या फिर वह स्वाभाविक रूप से गंभीर और संकोची हो सकता था।

रेफर शो में, जब जहाज के चालक दल द्वारा यात्रियों के मनोरंजन के लिए रखी गई कई नर्तकियाँ अँधेरे के बाद अपने जंगली, अर्ध-नग्न अंदाज़ में कोई आयरिश या ऐसा ही कोई नृत्य प्रस्तुत करतीं, और सात आदमियों का एक साधारण ऑर्केस्ट्रा किसी अमेरिकी उपनगरीय फिल्म के गाने की धुन बजाता, तो रेफर शो में बैठे लोग इसे एक दावत समझकर नाचने लगते।

आज, अपनी सामान्य दिनचर्या के विपरीत, वह रात में डेक पर नहीं दिखे, और रीफर शो में भी उनकी सीट खाली थी। यात्रियों की देखभाल करने वाले कल्याण दल के कप्तान ने डेक पर इस एकांतप्रिय व्यक्ति की अनुपस्थिति देखी थी, और अगर वह बीमार पड़ गए होते, तो उनका

कर्तव्य था कि उनकी स्थिति के बारे में पूछताछ करें और केबिन डॉक्टर को सूचित करें। रीफर शो में भी उसकी सीट खाली पाकर वह हैरान रह गए।

"क्या यह यात्री बीमार है?" उसने अपने बगल में बैठे व्यक्ति से पूछा।

4

उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता, उनके केबिन में जाकर देखो।" उन्होंने पूरी उदासीनता व्यक्त की।

"अगर इस सवाल से आपको बुरा लगा हो तो मुझे माफ़ करना," कप्तान ने जवाब दिया। और फिर वह चारों ओर एक नज़र डालते हुए बाहर चला गया।

केबिन नंबर ए का दरवाज़ा अंदर से बंद था। खटखटाने से पहले वह कुछ पल झिझका। खुदा जाने, शायद मुसाफ़िर की तबियत ठीक नहीं होगी और वह आराम कर रहा होगा। शायद यह बिस्तर खराब हो और वह आराम कर रहा हो। यही सोचते हुए वह केबिन के पीछे उस संकरे रास्ते पर गया जिसकी खिड़कियाँ समुद्र की ओर खुलती थीं, ताकि खिड़की या रोशनदान से देख सके कि मुसाफ़िर अंदर है या नहीं। और अगर है भी, तो किस हालत में।

जब उसने कमरे के रोशनदान की ओर देखा तो पाया कि अंदर रोशनी थी।

केबिन को देखते हुए उसकी नज़र दीवार पर लगे एक आदमी (दर्पण) के चित्र पर पड़ी, और वह चौंक गया। उसे कुछ समझ नहीं आया। आईने के सामने खड़ा आदमी उसकी ओर पीठ करके खड़ा था। उसने काले रंग का कपड़ा पहना हुआ था, लेकिन आईने में उसका रूप कुछ अजीब सा लग रहा था।

अचानक, शीशे के सामने खड़ा आदमी पलटा, शायद किसी दस्तक की आवाज़ सुनकर। जैसे ही वह मुड़ा, कैप्टन के मुँह से चीख निकली। उसकी आँखें आश्चर्य से चौड़ी हो गईं।

हे भगवान, क्या यह किसी की आत्मा है? वह बहुत धीरे से बुदबुदाया। उस आदमी का चेहरा बस एक खोपड़ी था, हड्डियों का एक ढाँचा, लेकिन उसकी आँखों के गड्ढों में दो बहुत ही चमकदार पीली रोशनियाँ थीं। उसने एक ढीला-ढाला काला सूट पहना हुआ था और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह आईने के सामने क्या कर रहा है या क्या करने वाला है। कप्तान ने एक बार फिर हिम्मत जुटाई और उसे ध्यान से देखा और नींद में डूबकर वहीं रोशनदान के पास गिर पड़ा। उस रहस्यमयी प्राणी की नज़र भी उस पर घूम गई।

5

जैसे ही कैप्टन का हाथ रोशनदान से ऊपर पहुंचा, उसका एक हाथ ऊपर उठ गया और फिर केबिन में अचानक अंधेरा छा गया।

बेहोश कैप्टन को चारों तरफ से पुलिस के पहरेदारों ने घेर लिया था। जैसे ही उसे होश आया, वह चौड़ी आँखों से इधर-उधर देखने लगा।

"क्या बात है, कैप्टन?" एक गार्ड अधिकारी ने उससे पूछा।

"कौन...?" वह कहाँ गया? "वह?" कैप्टन ने भयभीत स्वर में इधर-उधर देखते हुए बुदबुदाया।

कौन? तुम किससे बात कर रहे हो? हमने तुम्हें केबिन नंबर 17 के ठीक पीछे, केबिन नंबर 7 में बेहोश पड़ा पाया था। गार्ड ऑफिसर ने कहा।

केबिन नंबर 17, हाँ, वही। हे भगवान, वो किसी की आत्मा थी। ज़रूर वही आत्मा रही होगी।" कैप्टन बुदबुदाता रहा।

"ऐसा लगता है कि किसी चीज़ ने उसके दिमाग पर असर डाला है," एक गार्ड ने दूसरे से धीरे से कहा, लेकिन कप्तान ने सुन लिया।

अगर आप उसे देखते, तो आप भी वही कहते जो मैं कह रहा हूँ। उसने काला सूट पहना हुआ था, लेकिन वह मर चुका था। उसके चेहरे पर सिर्फ़ हड्डियाँ थीं।-- कप्तान ने उन्हें जवाब देना शुरू किया।

गार्ड ने टिप्पणी की, "यह संभव है कि वह बीमार हो या बहुत अधिक निर्जलित हो।"

"नहीं, " कप्तान लगभग चीख पड़ा। गर्दन के ऊपर उसका शरीर पूरी तरह से मृत था।

वह खोपड़ी जैसा ही था, बस आँखों के गड्ढों में दो पीली रोशनियाँ जल रही थीं। वह अपने तरीके से इसकी पुष्टि करने लगा। वह खड़ा था।

अजीब बात है। गार्ड ऑफिसर ने दोनों के कंधे हिलाकर कहा। अब कैप्टन भी उठ खड़ा हुआ।

6

चलो, अभी तुम्हारे सामने इसकी पुष्टि कर देते हैं। यह कहकर वह आगे बढ़ गया। दो और पहरेदार उसके साथ हो लिए और कप्तान भी अजीब सी हिचकिचाहट के साथ उनके पीछे चलने लगा। वह अभी भी हैरान था।

केबिन नंबर एक का दरवाज़ा अंदर से बंद था। गार्ड ऑफिसर ने फिर खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। तीसरी बार ज़ोर से खटखटाने पर अंदर से एक धीमी सी आवाज़ सुनाई दी। किसी अनजान व्यक्ति के डर से सब पीछे हट गए।

दरवाजा खुला और जैसे ही किसी का सिर बाहर निकलने लगा, कप्तान फिर चिल्लाया।

"क्या बात है, श्रीमान?" केबिन में रहने वाले बूढ़े अमेरिकी किसान ने सिर बाहर निकालते हुए पूछा।

उसने उसे बाहर निकाला और उनसे पूछा।

"कैप्टन ने ज़रूर कोई भयानक सपना देखा होगा या उसे कोई भ्रम हो गया होगा," गार्ड अधिकारी ने कैप्टन से बिना कुछ कहे कहा। और कैप्टन भी गार्ड अधिकारी को उस बूढ़े आदमी को देखते देखकर हैरान रह गया। वह निश्चित रूप से न तो कोई आत्मा थी और न ही कोई रहस्यमयी प्राणी, रहस्यमय और जो भी, उसने जुए के अड्डे के पीछे रोशनदान से इस कमरे में देखा था।

क्या इस केबिन में तुम्हारे साथ कोई है? कप्तान ने उसकी ओर इशारा किया।

उसने उठाया और पूछा.

"बिल्कुल नहीं, मैं बिल्कुल अकेला हूँ," उसने सादगी से जवाब दिया।

"कोई नहीं?" कप्तान ने पागलों की तरह दोनों हाथ नीचे करके, चौड़ी आँखों से उसे देखते हुए कहा।

"एक बच्चा चिड़िया का भी नहीं।"

लेकिन मामला क्या है?" उसने खुद से पूछा। गार्ड ऑफिसर चौंक गया।

कुछ भी नहीं है। असल में, तुम बाहर कहीं दिखाई नहीं दे रहे थे,।

7

इसलिए मैंने सोचा कि मैं आपको देखता चलूँ ," गार्ड-अफसर ने कहा।

ओह, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, मैंने वास्तव में एक रेचक लिया था - इसलिए केबिन- में ही था ।"--

बूढ़े आदमी ने जवाब दिया,

"तो फिर वह कौन था?" कप्तान बुदबुदाया।

"वह कौन है? यहाँ कोई नहीं आया है।"

"उसने भी आपके जैसे ही कपड़े पहने हुए थे, लेकिन वह, हे भगवान, इतना डरावना था कि कप्तान भी उसकी कल्पना मात्र से ही कांप उठता था।

"सर, आप ज़रूर किसी सपने से डर गए होंगे, वरना मैंने अपने केबिन के आसपास किसी को नहीं देखा," बूढ़े अमेरिकी ने विनम्र और गंभीर स्वर में कहा। और आखिरकार, उस गार्ड ने माफ़ी मांगी और कप्तान को साथ लेकर डेक की ओर चल पड़ा।

इस जहाज़ पर कल्याण दस्ते का कप्तान एक साल से काम कर रहा था और उसकी आँखों ने कभी इस तरह धोखा नहीं खाया था। फिर ऐसा क्या था कि आज वह इतने गंभीर भ्रम का शिकार हो गया? उसे यकीन ही नहीं हो रहा था कि उसकी आँखों ने जो देखा वह भ्रम था। इसीलिए जहाज़ के मुख्य डॉक्टर द्वारा जाँच के दौरान भी वह सौ प्रतिशत यकीन के साथ यही बात दोहराता रहा। और डॉक्टर को भी कम से कम एक बार गंभीरता से सोचना पड़ा कि मिलर के भ्रम का कोई न कोई आधार ज़रूर होगा। वह मनोवैज्ञानिक पूछताछ के ज़रिए उससे पूछताछ करता रहा, लेकिन नतीजे संतोषजनक नहीं रहे। मिलर की बस यही शिकायत थी कि उसे अपनी आँखों पर भरोसा था, कि वे समुद्र की तलहटी में मछलियाँ गिन सकती हैं। आख़िरकार, डॉक्टर को मजबूर होकर उसे अपने शयन कक्ष में भेजना पड़ा और कम से कम एक घंटा आराम करने का निर्देश दिया।

शाम का कोहरा छा गया , लेकिन वह अभी भी सो रहा था। अपने कमरे में बंद, उसकी बेहोशी की खबर धीरे-धीरे पूरे जहाज में फैल गई।

8

ज़्यादातर लोग तो बस उसकी बातों का मज़ाक उड़ा रहे थे। वैसे, कई गंभीर यात्री तो उसके लिए अफ़सोस भी जताते थे, इसे एक गंभीर भ्रम मानते हुए।

जहाज समुद्र की शक्तिशाली लहरों में तैर रहा था, एक छोटे से द्वीप की तरह बढ़ता हुआ। उसकी रोशनियाँ समुद्र के पानी में डूब रही थीं। दूर से, उनमें से प्रत्येक का प्रतिबिंब दूर तक दिखाई दे रहा था, मानो किरणों की एक पंक्ति किसी चोंच को खा रही हो। जो समुद्री पक्षी पहले एक जहाज के मस्तूल से दूसरे जहाज के मस्तूल पर उड़ते थे, वे अब शाम के धुंधलके में अपने पंख सिकोड़ रहे थे और इस तरह रात गहराती जा रही थी। समुद्र की सतह पर सन्नाटा छा गया था और दूर एक बंदरगाह के पास एक लाइटहाउस की बहुत ही मंद झिलमिलाहट तूफ़ानी लहरों के पार जीवन की गवाही दे रही थी।

आखिरी सायरन ग्यारह बजे बजा, जब सभी यात्री अपने-अपने क्वार्टरों में जा चुके थे और डेक पर चालक दल और गार्ड पुलिस के अलावा कोई नहीं बचा था। नेप्च्यून समुद्र की गोद में लड़खड़ाता रहा और समय अपनी धीमी गति से बीतता रहा।

कमांडेंट कार्यालय के ऊपर लगी घड़ी ने घंटा बजाना शुरू कर दिया और गार्डों ने अपनी ड्यूटी बदलनी शुरू कर दी।

लगता है तूफ़ान आने वाला है। --जा रहे दो पहरेदारों में से एक ने दूसरे से कहा। वे उस समय केबिनों की ओर जा रहे थे। जहाज़ दो मंजिला था, इसलिए निचले डेक पर बैठे साथी भी शायद उनकी आवाज़ें सुन सकते थे क्योंकि जहाज़ों पर काम करते-करते उन्हें काफ़ी ऊँची आवाज़ में बात करने की आदत हो गई थी। यहाँ तक कि रीफ़र शो में बैठे हुए भी वे इतनी ऊँची आवाज़ में बात करते थे कि नए यात्री ऊबकर दूर चले जाते थे।

हवा बोझल भी है और सर्द भी । दूसरे ने कहा।

यदि हम 150 वर्ष पहले किसी नाव पर यात्रा कर रहे होते तो ? पहले ने पूछा।

तो अब तक तो खतरे की घंटी बज चुकी होगी। दूसरे ने जवाब दिया।

लेकिन उसी वक़्त किसी की चीख़ सुनकर वे चौंक गए। आवाज़ शायद किसी औरत की रही होगी।

पतली लेकिन भरपूर। वे दोनों बैठ गए और इधर-उधर देखने लगे।

किधर से आई थी?

एक ने कहा, "आवाज़ केबिन के दूसरी तरफ से आई थी।"

इस ओर से नहीं।

हुष्त, वहां पहले से ही गार्ड मौजूद हैं।

तो फिर?

"फिर से सुनो और तुम समझ जाओगे।"

वे अभी बात कर ही रहे थे कि उन्होंने फिर वही चीख सुनी, और इस बार यह काफी लंबी थी।

वह यहाँ है, रीफर शो के दूसरे छोर पर। यह कहते हुए पहला गार्ड दौड़ा और दूसरा उसके पीछे-पीछे चला गया। रीफर शो की लकड़ी की इमारत के पीछे पहुँचने में उन्हें मुश्किल से तीन-चार मिनट लगे, लेकिन दौड़ते-दौड़ते वे रुक गए।

यह क्या है? उनमें से एक ने कहा। कहा। और फिर वे उसके ऊपर झुक गए।

अरे, ये तो मिसेज़ फराने है । पहले अपनी टॉर्च इनके चेहरे पर डालो।

उसने टॉर्च डालते हुए आश्चर्य से कहा।

"मिसेज़ फराने?" दूसरे ने प्रश्नवाचक निगाहों से उसके चेहरे की ओर देखते हुए पूछा।

हां, यह संभवतः इस यात्रा की सबसे खूबसूरत महिला है।

10

हमारे साथ यात्रा कर रही हैं। यह पुर्तगाली राजदूत की अमेरिकी पत्नी हैं, जो अपनी छुट्टियाँ खत्म करके न्यूयॉर्क में अपने राजनयिक पद पर लौट रही हैं। पहला गार्ड ऐसे बात करने लगा मानो वह उनके बारे में बहुत कुछ जानता हो।

"तुम्हें यह सब कैसे पता चला?"

"मुझे उसकी खूबसूरती में दिलचस्पी थी, इसलिए मैंने सब कुछ पता कर लिया।

"अरे, लेकिन उसकी नब्ज़!" अमर फराने की कलाई छूते ही दूसरा उछल पड़ा।

"क्या वह मर गई?" पहले वाले ने चेतावनी भरे लहजे में ज़ोर से पूछा। और फिर उसका सारा शरीर काँपने लगा।

"हे भगवान, ये सचमुच मर गई।" दूसरा उछल पड़ा। " कोई और आदमी बुलाता हूँ ।" यह कहकर उसने सीटी बजानी शुरू की, और उसी समय चारों तरफ से दौड़ते हुए कदमों की आहट सुनाई देने लगी।

"और उसके हाथ में यह क्या है? " एक पहरेदार ने टॉर्च की रोशनी में उसके हाथ से कुछ निकालते हुए कहा।

"हे भगवान, यह क्या है?" उसने आश्चर्य से कहा।

यह एक रबर का चेहरा था, जिसके माथे पर नकली बाल थे। इतनी कम देर में, चारों तरफ़ से पहरेदार, पुलिसवाले और जहाज़ के कुछ क्रू मेंबर्स आ गए थे।

क्या हुआ? क्या हुआ? गार्ड पुलिस का गश्ती अधिकारी अपनी टॉर्च जलाते हुए आगे बढ़ा।

महोदय, श्रीमती फरने का शव यहां पड़ा मिला था, उनका एक हाथ कटा हुआ था।

11

और यह रबर फेस --पहले गार्ड ने बताया।

"रबर का चेहरा? लाश?" कई लोग आश्चर्यचकित स्वर में एक साथ उछल पड़े।

"आप खुद ही देख लीजिए।" उसने रबर वाला चेहरा गश्ती अधिकारी को थमा दिया। और वह उसे रोशनी में ध्यान से देखने लगा।

यह... यह चेहरा, उसने लड़खड़ाते हुए कहा। "यह उस बूढ़े अमेरिकी का चेहरा है जो 17 नंबर का है।" और यह कहते हुए उसकी आवाज़ गले में अटक गई। उसे वेलफेयर स्क्वॉड के कैप्टन वाली घटना याद आ गई।

तो... क्या कैप्टन ने जो कहा था वह सच था? वह बुदबुदाया और मिसेज़ फ़ार्ने की नब्ज़ टटोलने लगा।

क्या इस जगह पर कोई ड्यूटी पर नहीं था? उसने खड़े अपने आदमियों से पूछा।

कार्लो यहाँ ड्यूटी पर था, सर, एक गार्ड ने तुरंत जवाब दिया। तो उसकी मौत कहाँ हुई? गश्ती अधिकारी ज़रूर गुस्से में होगा। उसे ढूँढ़ो। उसने आदेश दिया। तो गार्ड तुरंत इधर-उधर भाग गए और कार्लो को ढूँढ़ने लगे, और गश्ती अधिकारी शव के पास खड़ा रहा।

सर, ये कार्लो है, रीफर शो की लकड़ी की इमारत के दूसरे छोर से किसी ने पुकारा - कार्लो अपनी लकड़ी की दीवार के मोड़ पर अंधेरे में बेहोश पड़ा था,

पेट्रोल अधिकारी ने पूछा, "क्या यह भी मर गया?"

एक आवाज ने कहा, "वह अभी भी जीवित लग रहा है, वह सांस ले रहा है, इसलिए वह सिर्फ बेहोश है।"

इसे होश में लाओ। उसने कहा। लेकिन तब तक एक गार्ड जग में पानी ले आया था। कार्लो के चेहरे पर कुछ देर पानी छिड़कने के बाद, उसे होश आया। उसने आँखें खोलीं और चारों ओर देखा।

और... वह कहाँ गया? वो मुर्दा -- । उसे सुरक्षाकर्मियों ने घेर रखा है और वह डरी हुई आवाज़ में कह रहा है।

वह पूछने लगा.

"आप किसके बारे में बात कर रहे हैं?" पैरोल अधिकारी ने पूछा।

साहब, वो या तो किसी की आत्मा है या फिर कोई भूत। जैसे ही मैंने किसी चीख की आवाज़ सुनी, मैं पीछे भागा, वो इधर से दौड़ती हुई आई और मुझसे टकरा गई, लेकिन--

क्या ?

उसका रूप देखते ही मुझे चक्कर आ गया। पता नहीं आगे क्या हुआ। वह बहुत भयानक था, साहब। उसने काले कपड़े पहने थे, पर वह सिर्फ़ एक कंकाल था, सिर्फ़ दो चमकीली पीली आँखें थीं, जिन्हें गौर से देखने पर पता चल जाता है कि वह आदमी कौन है। गार्ड की आवाज़ से कुछ पता चलने लगा।

तो... तो... लेकिन ये कैसे हो सकता है? हम बीसवीं सदी में जी रहे हैं। पेट्रोल अधिकारी ने उस को डाँटा।

"ओह, लेकिन वो अमेरिकी किसान?" वह फिर बुदबुदाया। और ये... ये...? उसने फिर उस रबर जैसे चेहरे को देखा। हे भगवान, ये तो वही है, क्या वो किसान कोई ज़िंदा इंसान नहीं था? पेट्रोल

अधिकारी बुदबुदाता रहा और सब लोग हैरानी और विस्मय में चुपचाप उसकी बातें सुनते रहे। कुछ तो उसकी बात समझ ही नहीं पाए, और जो समझ गए, वे खुद इस बात से हैरान थे।

"यह सब इसी तरह सार्जेंट के पास ले जाओ," उसने पहरेदारों को आदेश दिया। और तुरंत, बिना सिर वाले शरीर और रबर के चेहरे और लाश को उठाकर, पहरेदारों ने उन्हें रेफरी के शो के पीछे से निकालकर

13

डेक के आखिर में, पुलिस कार्यालय के पास रुके। अंदर एक कमरे में रोशनी थी। गश्ती अधिकारी ने दरवाज़ा खटखटाया और रुक गया। दरवाज़ा तुरंत खुला और हवलदार बाहर आया। सभी पहरेदारों ने ध्यान से देखा। जब गश्ती अधिकारी ने हवलदार को पूरी कहानी सुनाई, तो वह भी हैरान रह गया।

"और हमें सबसे पहले केबिन नंबर 17 की तलाशी लेनी चाहिए," उसने सीधे होते हुए कहा।

और कुछ मिनट बाद, वे केबिन नंबर 17 पर दस्तक दे रहे थे। लेकिन दरवाजा नहीं खुला, इसलिए पास के केबिन में मौजूद लोग जाग गए।

एक गार्ड ने कहा, "ज़रूर दाल में कुछ काला है?"

"तुम में से कोई एक, पीछे वाले रोशनदान से अंदर घुसने की कोशिश करो," सार्जेंट ने उनसे कहा। लेकिन मानो सबको साँप सूंघ गया हो। रात के अँधेरे में रोशनदान से उस केबिन में घुसने की किसी की हिम्मत नहीं हुई, जहाँ किसी को नहीं पता था कि किसकी आत्मा रहती है।

तुम... सब डरे हुए हो। हवलदार गुस्से से भर गया। "मैं खुद अंदर जाऊँगा।" यह कहते हुए उसने एक हाथ में अपनी पिस्तौल निकाली और दूसरे हाथ में टॉर्च लिए, केबिन के पिछले हिस्से में आ गया। उसके पीछे तीन-चार पहरेदार खड़े थे। रिवॉल्वर और टॉर्च बाले ्ट में बाँधकर, वह उछल पड़ा और दोनों हाथों से रोशनदान पकड़कर ऊपर उठने लगा। फिर वह सिर के बल रोशनदान में घुस गया और अंदर लुढ़क गया। बाहर खड़े पहरेदार चौंक गए। केबिन अंदर से पूरी तरह अँधेरा था।

और फिर, सिर्फ़ एक दर्दनाक चीख़ सुनाई दी , लोग भाग गए। वो शायद सार्जेंट की आवाज़ रही होगी। भगवान जाने उस अँधेरे कमरे में उसके साथ क्या हुआ होगा। लोग उससे डरते थे।

14

इस घटना से वे इतने भयभीत हो गए कि कोई भी केबिन के पास भी नहीं रुका। और इसी अफरा-तफरी में, दूसरे केबिनों के यात्री भी अपने कमरों से बाहर निकल आए, शायद यह सोचकर कि कोई तूफ़ान आया है, और यह जानने के लिए उनके पीछे दौड़ने लगे कि क्या हो रहा है। फ़ौरन जहाज़ की सभी लाइटें और आपातकालीन लाइटें जला दी गईं और कल्याण दस्ते का कप्तान अपने साथियों के साथ बाहर आया। वे सभी विशेष क्वार्टरों में सो रहे थे। लोग आश्चर्य और असमंजस से एक-दूसरे का मुँह देख रहे थे, और थोड़ी ही देर में जहाज़ पर जागे लोगों के बीच यह सनसनीखेज खबर फैल गई कि जहाज़ पर किसी की भयानक आत्मा घूम रही है।

जहाज़ का कमांडेंट भी आ गया था, और लगभग दो सौ आदमियों का एक पूरा दल, हाथों में टॉर्च लिए, केबिन नंबर 17 के दरवाज़े पर आया, और दरवाज़ा खुला था। वे सब अंदर भागे, लेकिन अँधेरे में, टॉर्च की रोशनी में, उन्हें सिर्फ़ सार्जेंट की लाश मिली, और कोई नहीं।

"जहाज के हर कोने में फैल जाओ और किसी भी तरह से उस रहस्यमय व्यक्ति को ढूंढो और उसे जीवित या मृत पकड़ लो, अन्यथा कौन जाने क्या हो जाए," कमांडेंट ने गार्ड्स वेलफेयर स्क्वाड के कर्मचारियों और यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा।

वे दो-दो, चार-चार के समूहों में बँट गए और हर कोने की तलाशी ली, लेकिन सब बेकार। यह खोज दो घंटे तक चलती रही, और उस रहस्यमयी उपस्थिति का ज़रा-सा भी निशान नहीं मिल सका। सार्जेंट और कप्तान के पत्र जहाज़ के सर्जन तक पहुँचा दिए गए। और जहाज़ के हर कोने में पहरेदार तैनात कर दिए गए।

जहाज पर पोस्टमार्टम की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन श्रीमती फ़ार्ने के शरीर की गहन जांच के बाद डॉक्टर ने निष्कर्ष निकाला कि उनकी मृत्यु किसी अज्ञात कारण से हुई थी।

15

शायद कोई बेहद भयावह दृश्य देखकर दिल धड़कना बंद हो गया हो, या कोई सदमा लगा हो। लेकिन सदमा लगने की कोई बात ही नहीं थी क्योंकि वहाँ किसी रहस्यमयी जीव के आने के प्रमाण मौजूद थे। श्रीमती फराह एक लेखिका भी थीं, इसलिए उन्हें समुद्र की ताज़ी हवा और रात के रोमांटिक दृश्यों से ख़ास लगाव था। शायद इसीलिए वह केबिन से निकलकर रीफ़र शो

देखने चली गईं। पुर्तगाली राजदूत बहुत उदास लग रहे थे। शायद वह अपनी पत्नी से बहुत प्यार करते थे।

पोर्ट्समाउथ पहुँचने से पहले ही, बंदरगाह पुलिस को केबल द्वारा जहाज़ की स्थिति की सूचना दे दी गई थी। इसलिए, समुद्र तट पर पहले से ही पहरा लगा दिया गया था और पुलिस दूर-दूर से नावों में उस रहस्यमयी सत्ता की तलाश कर रही थी, जिसे नेप्च्यून के अधिकांश लोग एक भटकती, डरावनी दुष्ट आत्मा मान रहे थे, लेकिन कई लोग ऐसे भी थे जिन्होंने उसे देखा नहीं था, और कुछ ऐसे भी थे जो उसे भूत-प्रेत बताकर मानने को तैयार नहीं थे। इनमें जहाज़ का कमांडिंग ऑफ़िसर भी शामिल था। कैप्टन का पद अब व्यापारिक जहाजों से हटाकर केवल सैन्य और सरकारी जहाजों तक ही सीमित कर दिया गया था। इसीलिए यात्री और मालवाहक जहाजों के कैप्टन अब कमांडर कहलाने लगे थे। नेप्च्यून के कमांडिंग ऑफ़िसर ने तटीय पुलिस को सूचित कर दिया था और तब से वह तटीय समुद्र में गश्त लगा रही थी। जहाज़ के गोदी पर पहुँचते ही, पुलिस ने गोदी की दीवार को घेर लिया और लाउडस्पीकर के ज़रिए सभी यात्रियों को जहाज़ से उतरने का निर्देश दिया गया। यात्री एक-एक करके उतर रहे थे, और पुलिस अधिकारी उस क्रेन की भी निगरानी कर रहा था जो जहाज के निचले माल शेड से सामान उठाकर पोर्ट्समाउथ में उतार रही थी। अचानक, सैकड़ों चीखें एक साथ गूंज उठीं। क्रेन में एक बड़ा सा पैकेट था जो जहाज से उठाकर ले जाया जा रहा था। काले कपड़े पहने एक जीव जिसके सिर पर घास जैसे बाल थे। उसके चेहरे पर

16

दूर से सिर्फ़ हड्डियाँ ही दिखाई दे रही थीं। प्लेटफ़ॉर्म पर खड़े कुछ सैनिकों ने अपनी स्टन गन ऊपर की ओर तान दीं, लेकिन ड्यूटी ऑफिसर ने उन्हें अभी गोली चलाने से रोक दिया। जैसे ही

क्रेन घूमकर गोदी की दीवार के ऊपर आई, लोग चीखने-चिल्लाने लगे और इधर-उधर भागने लगे।

डरो मत। पुलिस उसे हिरासत में ले लेगी। लाउडस्पीकर पर बंदरगाह उद्घोषक की आवाज़ सुनाई दी। लेकिन कम से कम इससे जहाज़ के चालक दल का डर कम नहीं हुआ। क्रेन अभी झुक भी नहीं पाई थी कि वह ऊपर से कूद गया। यह जगह गोदाम के पास थी। उसके कूदते ही भगदड़ मच गई। और वह भी भारी भीड़ के पीछे भागने लगा। लेकिन जैसे ही वह एक खंभे के पास रुका, ड्यूटी ऑफिसर ने गोली चलाने का आदेश दे दिया। एक साथ कई खंभे गिर गए, गोलियां उसे लगने लगीं और धुएँ में ऐसा लग रहा था जैसे उसके पंख उड़ गए हों, लेकिन कुछ सेकंड बाद, जब लोगों ने फिर गौर से देखा, तो वे चौंक गए। उसके कपड़ों में छेद हो गए थे, लेकिन उसे कुछ भी नहीं हुआ था। अचानक उसके खुले गले से, जिसमें बड़े-बड़े दाँत और सूनापन के अलावा कुछ नहीं था, एक कर्कश हँसी निकली। और लोग इधर-उधर भागने लगे, गिरते-पड़ते। पुलिस ने बड़ी हिम्मत से उसे घेर लिया, लेकिन अब किसी की हिम्मत नहीं हुई आगे बढ़ने की। आखिरकार, ड्यूटी ऑफिसर ने हिम्मत दिखाई। वह उसकी ओर बढ़ने लगा।

वहाँ मत जाओ। मुझे नहीं पता वो कैसा जीव है। मरा हुआ है या ज़िंदा। उस पर गोलियों का भी कोई असर नहीं हो रहा। ड्यूटी ऑफिसर को उसके असिस्टेंट ने समझाया।

वो चाहे किसी भी दुनिया का हो, मैं उसे नहीं छोड़ूँगा। ड्यूटी ऑफिसर ने कहा।

और उसकी ओर बढ़ने लगा.

लेकिन वह रहस्यमयी आकृति वहीं खड़ी रही। उसकी आँखों की कोठरियों में चमकती पीली रोशनी ने एक बार तो ड्यूटी ऑफिसर की हिम्मत हिला दी। लेकिन इतने आदमियों के सामने पीछे हटने से बेहतर मरना समझकर, वह उसके पास गया और उस पर हमला कर दिया, लेकिन अगले ही पल वह खुद नीचे गिर पड़ा और वह अजीब-सा दिखने वाला आदमी उसकी पीठ पर अपनी टांग रखकर उसका गला घोंट रहा था। फिर एक बार उसने चारों तरफ से गोलियों की आवाज़ सुनी, लेकिन मानो उसे उनकी कोई परवाह ही न थी। थोड़ी देर बाद वह उठा। शायद ड्यूटी ऑफिसर की साँस फूल गई थी। यह देखकर लोग कटघरे की तरफ़ दौड़ने लगे। औरतों, बच्चों और कमज़ोर दिल वालों की चीख़ों से कोलाहल मच गया और कुछ ही देर में कटघरे पर कुछ पुलिसवालों के अलावा कोई नहीं बचा। यह देखकर वह उछलकर वेटर के शेड में कूद गया। वह शेड के दूसरी तरफ़ जा रहा था, लेकिन किसी में उसका पीछा करने की हिम्मत नहीं थी। वह आँखों से ओझल भी हो गया और उसके गायब होने के कुछ ही मिनट बाद शहर की पुलिस पहुँच गई। उन्हें फ़ोन पर सूचना दे दी गई थी। कटघरे की एक सिरे से दूसरे सिरे तक तलाशी ली गई। यहां तक कि बंदरगाह और शहर के पुलिस कर्मियों ने आपातकालीन घाट तक पानी में उसकी तलाश की थी, लेकिन भगवान ही जाने क्या बात थी कि वह अचानक भूत की तरह गायब हो गया और फिर कभी दिखाई नहीं दिया।

जहाज को यहां चार घंटे रुकना था, लेकिन पांच घंटे बीत गए और जब उसका कोई पता नहीं चला तो यात्रियों को फिर से जहाज पर चढ़ने की अनुमति दे दी गई।

इस रहस्यमयी अस्तित्व की रोमांचक खबर घाट से शहर तक फैल गई और उस शाम अखबारों में इसकी चर्चा हुई। किसी ने इसे रहस्यमयी समुद्री जीव बताया, किसी ने इसे भूत-प्रेत और किसी ने इसे रहस्यमयी आदमी तक कह डाला। शहर से कई उत्साही लोग सच्चाई जानने के लिए बंदरगाह पर आए, लेकिन किसी को भी असलियत का कुछ पता नहीं चल सका।
$$$$$$$$$$$$$$$$$

18

शाम चार बजे नेपच्यून ने पोर्ट्समाउथ में लंगर डाला। यात्रियों को बड़ी सावधानी और निगरानी के साथ जहाज पर चढ़ाया गया। पोर्ट्समाउथ से आए नए यात्रियों की संख्या 27 थी, जिनमें से 9 महिलाएँ थीं और बाकी पुरुष, या तो व्यापारी थे या मौज-मस्ती के शौकीन - पुलिस ने उनमें से हर एक की गहन जाँच की थी। उनके सामान आदि की भी जाँच की गई थी।

लेकिन जहाज़ के बंदरगाह से निकलने के बाद, किसी की नज़र जहाज़ के नीचे बंधी लाइफ़बोट के नीचे हाथ-पैरों से लटकी एक काली परछाई पर नहीं पड़ी, और जहाज़ ने अपनी रफ़्तार तेज़ कर दी। कौन जाने वो किसकी मौत थी? कोई बुरी आत्मा या कोई रहस्यमयी उपस्थिति, या फिर कोई भयानक और अजीबोगरीब देवता।

तीसरे दिन जहाज पनामा पहुँचा और अमेरिकी तट के नज़ारे ने यात्रियों में नई जान फूँक दी। पोर्ट्समाउथ के बाद से जहाज पर कोई नई, अजीब या दुर्घटना नहीं हुई थी, इसलिए चालक दल को यकीन हो गया कि जहाज पर सवार वो भयानक कहीं गायब हो गए हैं, और उन्हें इस बात से बड़ी राहत मिली कि कम से कम उनकी जान तो सुरक्षित है।

पोर्ट्समाउथ में केबल द्वारा प्राप्त नेपच्यून की रहस्यमयी घटनाओं की खबर, पोर्ट पुलिस के माध्यम से प्रेस तक और समाचार एजेंसियों के माध्यम से दुनिया भर में पहुँच गई थी, और पोर्ट्समाउथ के लोगों और नेपच्यून जहाज के लोगों को छोड़कर, लगभग सभी बाकी,

19

हर कोई इसे एक मनगढ़ंत कल्पना या एक दिलचस्प अफ़वाह मान रहा था। और अमेरिका के लोग, जो सर एच.जी. वेल्स के यूटोपिया और अमेरिकी फ़िल्मों की कल्पनाओं के दीवाने हो गए थे, नेप्च्यून के आगमन की ख़बर सुनते ही बंदरगाह की ओर दौड़ पड़े, यह जानने के लिए कि अख़बारों में छपी ख़बरों में कोई सच्चाई है या सिर्फ़ अफ़वाहें। इनमें वाशिंगटन पोस्ट और न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे अख़बारों के उपनगरीय पत्रकार भी शामिल थे। श्रीमती फ़ार्ने का शव बर्फ़ में दफ़न करके यहाँ लाया गया था, लेकिन जहाज़ के अफ़सरों ने शव को प्रदर्शित करने की इजाज़त नहीं दी, न ही पुर्तगाली राजदूत इसके लिए तैयार थे। एहतियात के तौर पर, बंदरगाह पुलिस यहाँ भी काफ़ी सतर्क दिखी, और जहाज़ से उतरने वाले यात्रियों और उनके सामान पर नज़र रखी जा रही थी। संदेह दूर करने के लिए, जहाज़ के चालक दल और सुरक्षा पुलिस ने यहाँ भी जहाज़ के सभी हिस्सों की सरसरी तलाशी ली। यहां के लोग भी चालक दल और जहाज से उतरने वाले यात्रियों द्वारा जहाज और पोर्ट्समाउथ में घटित आश्चर्यजनक घटनाओं की पुष्टि सुनकर आश्चर्य और भ्रम की स्थिति में थे।

तय कार्यक्रम के अनुसार, नेप्च्यून को तीसरे दिन सुबह न्यूयॉर्क बंदरगाह पहुँचना था। पनामा में यात्रियों की दोबारा जाँच के बाद, जहाज कुछ नए यात्रियों के साथ फिर से रवाना हुआ। पनामा से, नेप्च्यून, प्रिंस और नॉरफ़ॉक के किंग्स्टन बंदरगाह से होते हुए, अमेरिका के सबसे बड़े बंदरगाह, न्यूयॉर्क पहुँचा।

न्यूयॉर्क पोर्ट पुलिस और एफबीआई (फेडरल ब्यूरो ऑफ इंटेलिजेंस) के लोग पहले से ही बंदरगाह पर तैनात थे। जहाज के बंदरगाह पर पहुँचने पर पुर्तगाली दूतावास के कर्मचारी और कुछ अमेरिकी विदेश मामलों के अधिकारी भी पुर्तगाली राजदूत का स्वागत करने के लिए बंदरगाह पर पहुँच गए थे। रहस्यमय परिस्थितियों की अफवाहों को देखते हुए, यहाँ की पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

निजी आगंतुकों को गोदी में आने की अनुमति नहीं थी, लेकिन इतने महान बंदरगाह कर्मचारियों की क्या कमी थी? गोदी में खड़े अनगिनत जहाजों के बीच, नेपच्यून कोई विशेष महत्व नहीं रखता था। दूर से, जहाज के यात्री अमेरिका की स्वतंत्रता की प्रतिमा को देखकर खुशी से दौड़ने और हाथ हिलाने लगे। न्यूयॉर्क शहर की गगनचुंबी इमारतें आसमान से बातें कर रही थीं। दूर से, ये 25, 25-मंजिला इमारतें पृथ्वी के सिर से निकले हुए सींगों की तरह लग रही थीं, जो मानव जाति के विकास की महानता का प्रतीक थीं। दुनिया के महानतम बंदरगाहों में प्रमुख स्थान रखने वाले इस विश्व प्रसिद्ध बंदरगाह में पड़े हुए टिंगे अनगिनत और अलग-अलग जहाज छोटी नावों की तरह लग रहे थे। नेपच्यून को क्रूज जहाजों के सत्रहवें (17) गोदी में रखा गया था। सबसे पहले, यात्रियों की स्वास्थ्य रिपोर्ट बंदरगाह के स्वास्थ्य अधिकारियों को दी गई और डॉक्टरों के एक समूह ने आकर उनकी त्वरित जाँच की। उसके बाद, पासपोर्ट जाँच के साथ, यात्री गोदी की दीवार पर लगी सीढ़ियों से नीचे उतरने लगे। न्यूयॉर्क पोर्ट पुलिस शायद अलौकिक परंपराओं में ज़्यादा विश्वास नहीं करती थी, इसलिए उन्होंने न तो इन घटनाओं की जाँच की और न ही इस संबंध में यात्रियों के बयानों को कोई महत्व दिया, लेकिन जहाज़ के कमांडर ने यहाँ एक और बयान दिया। उन्होंने कहा कि केबिन नंबर 17 में ताला लगा था, लेकिन यहाँ पहुँचने पर उसका रोशनदान टूटा हुआ मिला और अंदर से एक सूटकेस भी गायब था, जो उस रहस्यमयी बूढ़े किसान का था और जिसे स्थानीय पुलिस के निरीक्षण के लिए कमरे के साथ बंद कर दिया गया था। इस बयान पर पोर्ट पुलिस ने केबिन नंबर 17 की फिर से तलाशी ली, लेकिन उन्हें अब भी इन अलौकिक परंपराओं में ज़्यादा दिलचस्पी नहीं थी, इसलिए सिर्फ़ एक सरसरी रिपोर्ट ही लिखी गई।

एक बंदरगाह पुलिस सार्जेंट ने जहाज पर एक केबिन की तलाशी ली

जब वह नीचे उतरे तो उन्होंने पासपोर्ट जांच अधिकारी को केबिन और उसकी स्थिति के बारे में मजाकिया अंदाज में बताया।

केबिन नंबर 17 से एक अन्य बुजुर्ग यात्री कुछ मिनट पहले ही उतरा है।

"क्या यह उतर गया है?" सार्जेंट आश्चर्यचकित था।

लेकिन कुछ लोग कहते हैं कि यह एक दुष्ट आत्मा थी।

"बकवास। उनमें से कोई ज़रूर बहक गया होगा।"

वह पोर्ट्समाउथ की घटना का भी ज़िक्र करते हैं। वहाँ उन पर गोली चलाई गई, लेकिन उनका एक बाल भी नहीं कटा। सार्जेंट ने भी इस विषय को गंभीरता से लिया।

पासपोर्ट जांच अधिकारी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "हम अमेरिकी ऐसी राक्षसी परंपराओं में विश्वास नहीं करते।"

"ठीक है, मैं खुद इस आदमी को देखकर इसकी पुष्टि करूँगा। वह कहाँ गया?"

सार्जेंट ने उससे पूछा.

गेट से बाहर जाने वाले के बारे में मैं तुम्हें क्या बताऊँ? मैं तुम्हें क्या बताऊँ? दो गेट?

वो तो नर्क में गया होगा। पासपोर्ट: सपोर्ट चेकिंग ऑफिसर ने गुस्से से कहा। मैं

"मैं उसे वहाँ नहीं छोड़ूँगा।" यह कहकर हवलदार प्लेटफार्म से बाहर आ गया। उसे ऐसे ही किसी की तलाश में इधर-उधर भटकता देख, दो पुलिसवाले उसके पास आए।

हम एक मध्यम आयु वर्ग के किसान जैसे दिखने वाले व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं जो अभी विमान से उतरा है।

22

ये न्यू यॉर्क हार्बर है, सार्जेंट - बिना नज़र रखे किसी आदमी को इतनी आसानी से ढूँढ़ा नहीं जा सकता। एक सफ़ेद वर्दीधारी अफ़सर ने पीछे से सार्जेंट को थपथपाया।

"हेलो एमरे, क्या तुम यहाँ हो?" सार्जेंट उसकी ओर मुड़ा।

" मैं ड्यूटी पर हूँ," एमरे ने कहा।

"क्या तुम्हारा रूप इस आदमी जैसा है?" उसने दूर से पूछा।

उन्होंने कहा, "जहाज के कप्तान ने कहा कि उसके बाल उलझे हुए और बिखरे हुए हैं। वह दुबला-पतला आदमी है और धीरे बोलता है।"

तुरंत उत्तरी गेट पर रिपोर्ट करो। इस समय, डॉक नंबर 71 का पता वही है। एमरे ने कहा।

लेकिन क्या होगा यदि वह संदिग्ध व्यक्ति कोई खास हो -?

सार्जेंट ने पूछा.

ज़्यादातर संदिग्ध लोग सीधा रास्ता अपनाते हैं ताकि किसी को उन पर शक न हो। एमरे ने उसे बताया। और सार्जेंट ट्रैफिक रूम की तरफ़ भागा।

सूचना मिलते ही नॉर्थगेट पुलिस ने वहाँ से गुज़रने वाले यात्रियों की जाँच शुरू कर दी। इनमें वे नागरिक भी थे जो अपने दोस्तों या प्रियजनों को लेने आए थे। इसी वजह से रहस्यमय संदिग्ध को भागने से रोकने के लिए इस निगरानी को गुप्त रखा गया था। लोग हैरान थे कि पुलिस हर व्यक्ति को इस तरह क्यों घूर रही थी, जो कि असामान्य था।

नई कतार में आने वाला पाँचवाँ आदमी दुबला-पतला था, हाथ में सूटकेस लिए हुए था, लेकिन उसका चेहरा साफ़ था और दाढ़ी-मूँछें थीं। वह दरवाज़े पर खड़ा था।

23

एफबीआई के एक आदमी ने उसके चेहरे को ध्यान से देखा और चौंक गया।

बुढ़ापे में चेहरे पर वो चमक नहीं रहती, मैगी। उसने अपने साथी को आकर्षित करते हुए कहा.

लेकिन हम जिसकी तलाश कर रहे हैं उसके चेहरे पर दाढ़ी-मूंछें हैं. हो सकता है कि वे नकली हों, जैसा कि रात को जहाज़ की दुर्घटना से समझ आ गया था।

तो आओ और इधर-उधर देखें। इतना कहकर वह आगे बढ़ गया। वह आदमी अब दरवाज़े से निकलकर सड़क की चौड़ी पगडंडी पर आ गया था, तभी उन दोनों ने उसे दाएँ-बाएँ चारों ओर से घेर लिया और उसको अजीब, ख़तरनाक नज़रों से घूरने लगे। वह डर गया।

सर, आपका पासपोर्ट. उनमें से एक ने पूछा.

पासपोर्ट?" उसने एक हाथ से अपनी जेब पकड़ते हुए कहा। उसने पश्चिमी अंग्रेजी लहजे में कहा और उनमें से एक ने उसका सूटकेस पकड़ लिया। अब उसने अपने दोनों हाथ अपनी जेब में डाल दिए।

वहाँ, यहाँ यह है, यहाँ यह है," उसने अपनी जेब से पासपोर्ट बुक निकालकर उसे खोलते हुए कहा।

उसने अपनी उंगलियां सीधी की , उसकी उंगलियों से मिट्टी के रंग का धुआं निकला और उन दो एफबीआई पुरुषों के पास गया। पहले तो उन्होंने एक साथ छींका, और फिर वे वहीं लड़खड़ाकर गिर पड़े, लेकिन जैसे ही वे गिरे, उनमें से एक ने चेन से अपनी सीटी पकड़ ली और उसे अपने मुंह में डाल लिया और सीटी बजाई, जो तब तक धीमी रही जब तक वह बेहोश नहीं हो गया।

फुटपाथ के उस पार पुलिसवाले और नाव! गश्ती पुलिस ने सुना। वे दौड़े। रहस्यमय आदमी ने बेहोश आदमी के हाथ से अपना सूटकेस लिया और बस की तरफ भागा, जो कुछ कदम आगे सड़क के नीचे बने भूमिगत क्रॉसिंग में घुस रही थी। यह देखकर दूसरी तरफ़ के पुलिसवाले पुल के दूसरी तरफ़ भागे और गेट से आ रहे पुलिस कांस्टेबलों ने उस पर पिस्तौल से गोलियाँ चलानी शुरू कर दीं। लेकिन उन्हें हैरानी हुई कि निशाना अचूक न होने पर भी एक भी गोली उसे नहीं लगी और अगर लगी भी, तो उसका कोई असर नहीं हुआ।

"क्या यह सचमुच भूत है?" उनमें से एक ने भागते हुए कहा।

"हम अब भी हार नहीं मानेंगे।" दूसरे ने अपनी गति तेज़ करते हुए कहा।

लेकिन तब तक वह मिट्टी की प्राचीर के अंदर घुस चुका था। और अंदर बहुत शोर हो रहा था। एक पुलिसकर्मी ने समझदारी से काम लेते हुए पुल के प्रवेश द्वार के पास वाली चौकी पर फ़ोन उठाया और दूसरी तरफ़ की पुलिस को सूचना दी कि पुल के दरवाज़े बंद कर दिए जाएँ और उस आदमी की तलाश की जाए।

इस प्रकार, भूमिगत मीनार के द्वार दोनों ओर से बंद कर दिए गए, और राहगीर इस अचानक आई आपदा से भयभीत हो गए। बाद में, एक-एक करके लोगों को दूसरी ओर से बाहर निकलने का निर्देश दिया गया।

अंत में वह अकेला रह गया।

"तुम कौन हो?" एक पुलिस अधिकारी ने उसे डांटते हुए पूछा।

वह जोर से हंसा और उसी समय उसने अपने दोनों कान छू लिए और अपना चेहरा दूसरी ओर घुमा लिया।

उसे देखते ही एक साथ कई चीखें निकल पड़ीं। यह वही रहस्यमयी जीव था जिसके बारे में

25

नेपच्यून के कोलाहल से सूचना मिली। वही भयानक प्राणी जो केवल हड्डियों से बना था। वह यहीं नहीं रुका, उसने अपनी छाती के बटन भी खोल दिए और केवल हड्डियों से बने इस हिलते-डुलते मानव पिंजरे को देखकर कुछ पुलिसवाले भाग गए और कुछ ने दहशत में उस पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुल का अंदरूनी हिस्सा बारूद के धुएँ से भर गया, लेकिन वह हँसता रहा। उसके कपड़े उड़ रहे थे और वह ज़मीन पर गिर पड़ा, लेकिन उसके सिर पर एक जीवित कंकाल देखकर बाकी पुलिसवाले बेहोश हो गए, दो कमज़ोर दिल वाले पुलिसवाले तो बेहोश भी हो गए, बाकी दरवाज़ों की तरफ़ भागने लगे।

मेरे अमेरिकी दोस्तों, तुम कहाँ जा रहे हो! उसने अपनी धमकी भरी आवाज़ में कहा और साथ ही अपनी जैकेट की जेब से एक स्टील का डिब्बा निकाला और कबूतर के अंडे के आकार की दो गोलियाँ निकालकर टावर में दोनों तरफ़ दाग दीं। गोलियाँ ज़मीन पर गिरते ही धमाकों के साथ फट गईं और इतना धुआँ निकला कि पूरे टावर में फैल गया। टावर में मौजूद सभी पुलिसवाले बेहोश होकर ज़मीन पर लोटने लगे और बाहर खड़े लोगों को कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।

लगभग दो मिनट बाद, एक काली वर्दी वाला कांस्टेबल लड़खड़ाते हुए सामने वाले दरवाजे से बाहर आया।

अंदर... सब बेहोश हैं, उनका ध्यान रखना। वह उठ खड़ा हुआ।

उसने धीमे स्वर में कहा।

तो यहाँ मौजूद पुलिसवाले उसे छोड़कर दरवाज़े के अंदर चले गए। अंदर अभी भी धुआँ घना था, इसलिए वो ज़्यादा आगे नहीं जा सका। अंदर से निकला सिपाही, उसी हालत में, फुटपाथ पार करके किनारे वाली एक इमारत में घुस गया।

26

वह अंदर घुस गया और राहगीरों ने उस पर ध्यान तक नहीं दिया।

नज़दीकी दमकल केंद्र को सूचित किया गया और गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं। धुएँ को बड़े-बड़े पाइपों से अंदर खींचा गया और जब तक वे गैस मास्क पहने हुए अंदर पहुँचे, तब तक तीन बेहोश पुलिसकर्मियों का दम घुट चुका था। उन्हें तुरंत स्ट्रेचर पर बाहर निकाला गया और पुल को दोनों तरफ से अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया, लेकिन हैरानी की बात यह थी कि उनमें से एक, एक कांस्टेबल, नंगा था। उसके कपड़े और वर्दी गायब थी।

उसका नंबर क्या था? वह बाहर आया और बेहोश सैनिकों के बीच होश में आया।

एक सार्जेंट ने एक कांस्टेबल से पूछा।

नंबर 67 --वह हकलाती हुई भाषा में बोला।

"नंबर 67," सार्जेंट ने आश्चर्य से दोहराया। --फिर वह निकल गया।

कौन? उसके बगल में खड़े एक और पुलिस अधिकारी ने पूछा।

"वह रहस्यमय प्राणी जिसने यह अंधकार पैदा किया है," सार्जेंट ने चारों ओर देखते हुए कहा।

"मैंने दो को देखा, उसने एक ही नंबर की वर्दी पहन रखी थी।"

ओह, तो अब?

सार्जेंट ने चिंतित होकर कहा, "तुरंत ही सभी को सतर्क कर देना चाहिए, अन्यथा मुझे नहीं पता कि और क्या गलत हो सकता है।"

"इन लोगों को अस्पताल ले जाओ।" उन्होंने एक हेड कांस्टेबल को आदेश दिया और खुद कुछ दूरी पर सड़क के किनारे बने एक सार्वजनिक टेलीफोन बूथ में घुस गए।

$$$$$$$$$$$$$

27

न्यूयॉर्क सिटी पोर्ट एरिया पुलिस मुख्यालय को सूचना मिलते ही, सभी पुलिस थानों को वायरलेस पर अलर्ट कर दिया गया और कुछ ही देर में, पूरे शहर में काली वर्दीधारी पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मचारियों का जाल फैल गया। वे इमारत-दर-इमारत, गली-गली इस अनजान और रहस्यमय व्यक्ति की तलाश कर रहे थे, और पुलिस की गाड़ियाँ, अपने विशिष्ट हॉर्न बजाते हुए, शहर के अलग-अलग इलाकों में घूम रही थीं, राहगीरों के बीच एक अनजान और डरावने मेहमान की तलाश में। मोटरसाइकिलों पर सवार पुलिस ने दूर-दूर तक गश्त शुरू कर दी थी, और इससे पता चलता था कि न्यूयॉर्क पुलिस विभाग कितना सतर्क और संगठित था।

$$$$$$$$$$$$

"ये अमेरिकी भी अद्भुत हैं," बाले ने टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित एक समाचार के चारों ओर पेंसिल से फ्रेम बनाते हुए कहा।

"क्यों? क्या कुछ ख़ास हुआ है?" सुपरिंटेंडेंट ख़ान ने एक हत्या के मामले के कागज़ात देखते हुए पूछा। उस समय वह अपने बंगले में बैठा था, सुबह का नाश्ता कर चुका था। दीवार पर लगी घड़ी साढ़े आठ (8:30) बजा रही थी और उसे घर से निकलने में अभी भी डेढ़ घंटा देर थी।

मैं नशे में हूँ, इसमें क्या बड़ी बात है, बस कोई नया पागलपन है। एच.जी. वेल्स असहायों पर किताबें लिखते हुए मर गए, वो भी नई! हर दिन नए चुटकुले निकलते रहते हैं। असर ये होता है कि "आखिरकार कुछ तो बिकेगा ही।"

मैं यहाँ, नेपच्यून नामक एक जहाज के बारे में कह रहा हूँ जो अमेरिका पहुँचा था

 कहा गया कि एक अजीब प्राणी न्यूयॉर्क में उतरा और हंगामा मच गया।

"चुप रहो, यह किसी न्यूज़ एजेंसी का बंडल होगा।" यह कहते हुए खान फिर से अपना आपा खो बैठा।

और लिखा था कि वह सिर्फ़ हड्डियों का कंकाल था, रहस्यमयी शक्तियों से युक्त, जिसने नकली चेहरा बना रखा था और दस्ताने, कपड़े और जूते पहने हुए था। बाले मजे से पढ़ने लगा।

उसने क्या कहा? बस हड्डियों का एक मानव कंकाल। खान एक पल के लिए चौंक गया।

"हाँ, तो क्या हुआ?" बाले ने लापरवाही से कहा। --न्यूयॉर्क पुलिस की गोलियों का भी उस पर कोई असर नहीं हुआ। उसने बंदरगाह पर दो लोगों को मार डाला, एक सज्जन को जहाज पर उसे देखकर दिल का दौरा पड़ गया, वगैरह-वगैरह।

बेटा, जानते हो वो कौन है?

कौन?

"और मुझे नहीं पता था कि तुम इतने बड़े मूर्ख हो कि तुम उस बुद्धिमान व्यक्ति को पहचान नहीं सके।"

"सालज़ार?" बाले सोफे से लुढ़क गया, उसकी आँखें बड़ी हो गईं।

"क्यों, क्या मौत आ गयी?"

लेकिन वह तो तिब्बत में लामा के अंधे कुएँ में मर गया था। लड़के ने सीट पर बैठते हुए पूछा।

"वह मरा नहीं है, हमारे पहुँचने से पहले ही वह चला गया होगा और हमने सोचा होगा कि उसका अंत हो गया। यह रहस्यमयी आकृति कोई और नहीं हो सकती। इस दुनिया में कोई दूसरा सालज़ार नहीं हो सकता," खान ने निश्चय के साथ कहा।

कैसे न होगा , मैं तो बना ही सकता हूँ। बाले अकड़ गया।

"क्या?" खान ने उसके चेहरे की ओर देखते हुए पूछा।

क्या घूर रहे हैं ? ये लो दूसरे सालाज़ार को। यह कहते हुए बाले ने मेज़ पर पड़े एक पैड पर पेंसिल से एक कंकाल का चित्र बनाया, उस पर सालाज़ार नंबर 2 लिखा और सुपरिंटेंडेंट ख़ान को दे दिया।

"हाँ, मैं आपके प्रयास के बदले में आपको एक हाथ से पुरस्कृत करना चाहता हूँ।"

"तो मेरे पास तीन होंगे।"

"यह सचमुच अजीब है। वह कमबख्त अभी भी जीवित है।"

खान ने फिर से सालाज़ार के बारे में सोचना शुरू कर दिया।

क़िबला, यह एक बाधा बन गया है।

तो इसका मतलब यह है कि हमारा काम अभी ख़त्म नहीं हुआ है।

"हाँ, क्या कहा तुमने?"

खान ने कहा, "इसलिए हमें फिर से उसका पीछा करना होगा।"

"लेकिन सीआईडी विभाग के महामहिम महोदय, अमेरिका हमारा देश नहीं है। कोई द्वीप नहीं है, जहां आपके हाथ पहुंच जाएं।

मैं एक विशेष परमिट प्राप्त करूँगा। अमेरिकी संघीय खुफिया ब्यूरो से --"जीनस में जांच की वैज्ञानिक पद्धति का अध्ययन करने के बहाने"

"लेकिन वहां भी आप यहां के समान ही कुछ ताकत का उपयोग नहीं कर सकेंगे।"

खान ने कहा, "हम इन लोगों की मदद करेंगे। वे निश्चित रूप से इस रहस्यमय अस्तित्व के बारे में कुछ नहीं जानते।"

30

तो, अल्लाह के नाम पर, खादिम वहाँ के पवित्र जंगल को देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं। मैंने सुना है कि अल्लाह की शक्ति को याद किया जाता है। वह उन तख्तों को देखने आते हैं।

"शायद आप हॉलीवुड की बात कर रहे हैं।" खान मुस्कुराये।

आपने बिलकुल सही अनुवाद किया है।

"उन्होंने इशारे से जवाब दिया, 'और मुझे अभी वहां नया पतन देखना है।'"

"वे लोग सोचेंगे कि कोई ग्रामीण भारत से आया है।"

"यह व्यक्ति की अपनी समझ है।"

"ठीक है, अब तुम इस खबर की कटिंग निकालो, मुझे दो और अपना काम करो।"

अपना काम, अपना काम, इस दुनिया में बस एक ही है। --बाले ने अखबार की खबर काटते हुए कहा।

प्यार करो और जूते खाओ। खान ने खुद ही वाक्य पूरा किया।

"नहीं , प्यार करो और जीवन का आनंद लो।"

खैर, इस कार्यक्रम के बारे में किसी को बताने की कोई आवश्यकता नहीं है।

क्या आप इन यतीम बच्चों को अपने साथ ले जाएंगे?

"अभी तक इस पर निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन यदि मुझे आधिकारिक अनुमति मिल गई तो मैं ऐसा करूंगा।"

यदि मैं अपने साथ कम से कम दो सहायक ले जाऊं तो एक का खर्च मैं उठाऊंगा।

"तो इसका मतलब है कि इसरार और इब्राहिम दोनों जाएंगे।"

ख्याल तो ऐसा ही है।"

"मुझे नहीं पता कि आप इस घामड़ को इतना श्रेय क्यों देते हैं।"

वह मेरे लिए तुमसे भी अधिक वफादार साथी है, और उसने तुम जैसे शरारती बच्चों को भी पढ़ाया है।"

खान ने कहा,

"लो, आपके शुभचिंतक भी आ गए हैं।"

उसने असरार को दरवाज़े से अंदर आते देखा तो कहा। असरार के पीछे इब्राहीम और रऊफ़ थे।

बाले साहब के लिए गिरफ़्तारी वारंट जारी हो गया है। रऊफ़ ख़ान को सलाम करता है।

उसने गंभीरता से कहा.

"ऐसा क्यों?" खान ने मुस्कुराते हुए पूछा।

रऊफ ने बताया कि एक लड़की ने उनसे गुजारा भत्ता मांगा है।

अरे मिस्टर मगर मूंछ, मैं मानहानि का मुकदमा करूंगा।

"मैंने आपको पूरी रिपोर्ट बता दी है, आपको पता होना चाहिए और अपना काम करना चाहिए।"

रऊफ ने गंभीरता बरकरार रखी.

"क्यों, मेरे प्यारे, ये हरकतें?" खान ने उसे घूर कर देखा।

मैं सभी युवा लड़कियों की सात पीठों की कसम खाता हूँ कि ये साला झूठ बोल रहा है। बाले भड़क गया।

मैं झूठ क्यों बोलूँ? अगर कोई तुम्हें फँसाने की कोशिश करे तो क्या होगा?

रऊफ ने अभी भी अपनी गंभीरता बनाए रखी।

मैंने भी यही सुना। असरार ने भी इसका समर्थन किया।

आपकी सहानुभूति के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। आप मुफ़्त में पतले क्यों हो रहे हैं? बाले ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

32

आप लोग तैयारी शुरू कर दीजिए, मैं आज सालाज़ार का मामला उठाऊँगा और सरकार से इजाज़त लूँगा। खान ने उन्हें निर्देश दिया। और फिर वे दूसरे मामलों पर चर्चा करने लगे।

33

कैदी

कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय में रासायनिक अनुसंधान विभाग के प्रभारी वैज्ञानिक, प्रोफ़ेसर कर्ण रुड, विश्वविद्यालय परिसर में एक शेड में खड़ी कार में अपनी फ़ाइल बगल में दबाए बैठे थे। वे

एक भारी-भरकम, कुछ हद तक गंभीर व्यक्ति थे। उनका चेहरा कठोर था, उनकी आँखें थोड़ी छोटी और चमकदार थीं, और उनकी मूँछें सुनहरी थीं। वे घुटनों से थोड़ा ऊँचा कोट पहनने के आदी थे।

रुको, प्रोफ़ेसर, मैं भी आ रहा हूँ। लॉन से एक आवाज़ आई। प्रोफ़ेसर ने ड्राइवर को गाड़ी रोकने का इशारा किया और खिड़की से बाहर देखा। डॉ. अल्बर्ट आ रहे थे। वे प्रोफ़ेसर के करीबी दोस्त और पुराने सहकर्मी थे। जैसे ही वे पास आए, प्रोफ़ेसर ने गाड़ी का दरवाज़ा खोला और वे धड़ाम से अंदर गिर पड़े।

आज मैंने बहुत मेहनत की है, मैं पूरी तरह थक गया हूँ। --उसने कहा और पसर गया

"क्यों, क्या आप हल चला रहे थे?" अधिकारी ने पूछा।

डॉक्टर ने जवाब दिया, "मैं रूपांतरण के सिद्धांत पर प्रयोग कर रहा था।"

"तुम अपने सिद्धांत जेब में रखो, अगर उसने हमें इस सूत्र का ज़रा सा भी संकेत दे दिया, तो हम पूरी दुनिया को चकित कर देंगे," प्रोफ़ेसर ने कहा। "वह क्या कहता है?"

बेचारा किसी भी तरह संतुष्ट नहीं है। न तो उसे कोई लालच देता है, न ही कोई धमकी। मैंने उसे ब्रेन कंट्रोल एक्सपेरिमेंट में भी लाने की कोशिश की है। इसका भी उस पर कोई असर नहीं हुआ है। उसे सम्मोहित करने की कोशिश भी नाकाम रही। प्रोफ़ेसर ने कहा।

डॉ. अल्बर्ट ने कहा, "एक और तरीका है।"

"वह क्या है?

"द्वितीय विश्व युद्ध के दिनों में, जब मैं वार्ड में भर्ती था, संदिग्ध जासूसों को पकड़ा गया और मेरे सामने उन पर थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया गया। डॉक्टर ने कहा। और उन्हें अपना अपराध स्वीकार करने के लिए मजबूर किया गया।"

"क्या यह तीसरी डिग्री का उबाल है?"

"चलो, मैं तुम्हें खुद दिखाता हूँ। उसका बाप भी बोलेगा ," डॉक्टर ने पुलिस इंस्पेक्टर की तरह भारी स्वर में कहा।

उनकी कार रॉब मिडलटन हाईवे 87 पर चल रही थी। वे उपनगरों की ओर जा रहे थे। चौड़ी सड़क, दोनों तरफ छोटी-छोटी पहाड़ियों के बीच साँप की तरह घुमावदार, हरी घास और बीच-बीच में उभरी चट्टानों से लदी, एक खड़ी चढ़ाई की ओर जा रही थी।

कार आगे बढ़ी और पहाड़ी मोड़ से बने तिराहे से उपनगरों में एक कच्ची सड़क पर मुड़ गई। इस तरफ कोई बस्ती नहीं थी, बस सड़क के दोनों ओर ऊँची गोल चट्टानें थीं, या धरती की छाती से ऊपर हान की तरह उभरे हुए टीले, जिन पर कंटीली झाड़ियाँ फैली हुई थीं। जगह-जगह छायादार पेड़ थे। उनकी कार उनके बीच से गुज़री। आखिरकार एक खुले मोड़ पर पहुँची, जहाँ दाईं ओर मुड़ने पर एक बड़ी चट्टान के पीछे एक पुराना, लेकिन साफ़-सुथरा और अच्छी तरह से बना हुआ बंगला दिखाई दिया। वह तीन तरफ़ से पेड़ों से घिरा था। उपनगरीय बिजली के खंभों के तार उसकी दीवार को छूते हुए गुज़र रहे थे।

उनकी कार बंगले के पास एक पेड़ की छाया में रुकी और वे दोनों कार से बाहर निकले और अंदर चले गए।

35

"वह आदमी कहाँ है?" डॉक्टर ने बड़े कमरे में प्रवेश करते हुए प्रोफेसर से पूछा।

"दो मिनट साँस लो, पहले चाय पी लो," प्रोफेसर ने अपना कोट उतारकर नौकर को देते हुए कहा।

इतने में, अगले कमरे से तीन और आदमी बाहर आए। उनमें से एक की आँखों पर चश्मा था, बाकी दो नाटे कद के थे और उनकी आँखें छोटी थीं।

"कहो, जैक्सन, कोई सफलता मिली?" प्रोफेसर ने चश्मा पहने आदमी से पूछा।

दुष्ट ज़िद्दी है। वह कहता है कि तुम बुरे लोग हो। मैं तुम्हें एक शब्द भी नहीं कहूँगा।

क्या उसने कहा

वह क्या है, उसका बाप भी बोलेगा। डॉक्टर फिर से शेर बन गया।

"ठीक है, ठीक है, पहले चाय पी लीजिए," प्रोफेसर ने अपने सामने रखी चाय की ट्रे से अपने लिए एक कप चाय डालते हुए कहा।

चाय पीने के पाँच मिनट बाद वह खड़ा हो गया।

चलो, जैक्सन। प्रोफ़ेसर ने अपने साथी को इशारा किया। और वे आगे-पीछे सीढ़ियाँ चढ़ने लगे। सीढ़ियाँ चढ़ने के बाद, ऊपरी मंज़िल पर एक बड़ा कमरा था,

अंदर दो दरवाज़े थे, जिनमें से एक बंद था। जैसे ही प्रोफ़ेसर अंदर आए,

ताला खोला गया, अंदर कहीं से एक हल्की घंटी बजने लगी और दरवाजा अंदर की बजाय बाहर से खुलने लगा।

वह अंदर की ओर खुलता था। वे एक-एक करके अंदर गए। वहाँ एक छोटी सी मेज़ के चारों ओर दो आदमी बैठे थे, जो सख़्त और मिलनसार स्वभाव के लग रहे थे। प्रोफ़ेसर और उनके साथियों को देखकर वे दोनों खड़े हो गए।

36

दरवाज़ा खोलो। प्रोफ़ेसर ने आदेश दिया। और उनमें से एक ने अपनी जेब से एक चमकदार चाबी निकाली और एक बंद दरवाज़े की ओर बढ़ा, जिस पर बाहर की तरफ़ एक मोटा भारतीय शैली का ताला लगा था। उसने ताला खोला। और दरवाज़ा खोलकर वह पीछे हट गया। वे सब अंदर चले गए।

यह एक साधारण सा साज-सज्जा वाला कमरा था, जिसमें एक पलंग, एक मेज़, कुछ कुर्सियाँ, एक अलमारी और एक सोफ़ा था। कमरे में एक कम पावर वाले बल्ब की हल्की रोशनी थी। और एक तुरही बज रही थी। सोफ़े पर एक आदमी बैठा था जिसका बिना बालों वाला सिर दूर

से चमक रहा था। कमरे का दरवाज़ा खुला देखकर उसने सिर उठाया, लोगों की तरफ़ देखा और फिर सिर झुका लिया।

"हेलो, मिस्टर लामा," प्रोफ़ेसर ने उनसे कहा। वे उनके पास आए और उनके चारों ओर खड़े हो गए।

"अगर तुम अब भी हमें बता दोगे, तो हम तुम्हें दुनिया भर की सारी सहूलियतें देंगे," प्रोफ़ेसर ने अलग-अलग अंग्रेज़ी शब्द बोलते हुए कहा। लेकिन लामा ने उनकी बातों का कोई जवाब नहीं दिया।

"ऐसा नहीं होगा," प्रोफ़ेसर ने डॉक्टर लामा के सिर के पास आकर कहा। "देखो, मैं इसका इलाज करता हूँ।" यह कहकर वह एक आदमी की ओर मुड़ा। "एक सफ़ेद रस्सी और एक लकड़ी का टुकड़ा लाओ।" उसने आदेश दिया।

और दो मिनट भी नहीं बीते थे वो वापस आया , उसके हाथ में रस्सी एक छोटा सा रोलर था।

डॉक्टर ने रस्सी से एक छोटा सा फंदा बनाया, उसे रोलर से बांध दिया, और फंदा लामा के सिर पर रख दिया तथा माथे से उसे कसना शुरू कर दिया।

ओह... वाह, लामा के मुंह से कराह निकली।

और ज़ोर से, जैक्सन ने कहा और डॉक्टर ने लकड़ी को फिर से बल देना शुरू कर दिया।

आह... लामा के गले से फटी हुई आवाज निकली।

"तुम्हारी हड्डियाँ लाल हो जाएँगी और खून बहेगा, लामा। अगर तुम भला चाहते हो, तो मुझे अभी बताओ।"

"नहीं, वे शैतान के बच्चे ," लामा ने कराहते हुए उत्तर दिया।

"प्रोफ़ेसर, अगर ये नहीं बताएँगे, तो एक बेकार गधे को अस्तबल में बाँधने का क्या मतलब है? इसे मार डालो और फेंक दो।" डॉक्टर ऊँची आवाज़ में प्रोफ़ेसर पर चिल्लाया।

"डॉक्टर, इसे एक और मौका दीजिए," जैक्सन ने सलाह दी।

"मौका ?," डॉक्टर ने दांत पीसते हुए कहा और फिर लकड़ी को और बल देना शुरू कर दिया।

कैदी को अपने सिर की हड्डियाँ टूटती हुई महसूस होने लगीं। अब यह दर्द उसकी बर्दाश्त से बाहर हो गया था।

 मैं तुमसे कहता हूँ, मैं तुमसे कहता हूँ। उसने कबूल किया। और डॉक्टर की पकड़ ढीली हो गई।

"वह, वह हिमालय की चोटियों पर पाया जाता है," लामा ने हांफते हुए कहा।

प्रोफेसर के एक सहकर्मी ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "यह हमें टाल रहा है।"

"बोलने दो इसे ," प्रोफेसर ने उसे घूरते हुए जवाब दिया।

"यह बर्फ़ के नीचे दबी चट्टानी जड़ों में पाया जाता है," लामा ने समझाना शुरू किया। "वे इसे प्राइम कहते हैं।"

प्रोफेसर ने आश्चर्य से कहा, "प्राइम"।

प्रोफेसर के एक अधिक समझदार सहयोगी ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "वास्तव में यह यूरेनियम से बेहतर विकल्प होगा।"

"तुम चुप रहो," अधिकारी ने डेविड पर चिल्लाते हुए कहा।

डॉक्टर ने पूछा, "क्या यह कहीं और नहीं होता?"

"होता होगा, मुझे नहीं मालूम।" लामा ने तिरस्कारपूर्ण स्वर में उत्तर दिया।

बरफ़ील्ड हिल्स हमारे उत्तर-पूर्व में भी हैं। डेनवर हिल्स या साल्ट लेक सिटी के आसपास भी ऐसी जगहें हैं। जैक्सन ने लेक सिटी के आसपास अपनी राय दी।

एंडीज़ की पहाड़ियों का भी अन्वेषण किया जा सकता है। डॉक्टर ने खुद ही कहा।

प्रोफेसर ने कहा, "तो फिर तुम्हें उसे अपने साथ ले जाना होगा।"

हाँ, लेकिन क्या उसके पास इस चीज़ का एक टुकड़ा, एक नमूना नहीं होगा? डॉक्टर ने लामा को घूरते हुए प्रोफ़ेसर की ओर इशारा किया।

"मुझे प्रलोभन देने की जरूरत नहीं है, मैंने जो कुछ कहा है वह सब सच है।"

"और मेरे पास तो यहाँ कुछ भी नहीं है। तुम लोगों ने अचानक मेरा अपहरण कर लिया है," लामा ने टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में जवाब दिया।

"तो प्रोफेसर?" डॉक्टर ने पूछा।

हमें कल ही तैयारी कर लेनी चाहिए और परसों हवाई जहाज़ से यहाँ से निकल जाना चाहिए। प्रोफ़ेसर ने अपनी राय दी। और सभी इस फ़ैसले पर सहमत हो गए।

39

"अरे मूर्ख, अगर तुमने मुझे पहले बताया होता, तो तुम मेरे साथ इतना क्रूर व्यवहार क्यों करते?" प्रोफेसर के एक सहकर्मी ने सहानुभूतिपूर्ण स्वर में कहा, जब उसने लामा के सिर से रस्सी हटाई।

मुझे नहीं पता था कि तुम लोग इतने क्रूर हो.

"अमेरिकी लोग नई खोजों के लिए दूसरों की तो बात ही छोड़िए, अपनी जान भी जोखिम में डालते हैं," उन्होंने उसे सोफे पर सीधा बिठाते हुए कहा।

"देखो, अब हमारे तिब्बती मेहमान को कोई कष्ट नहीं होना चाहिए," प्रोफेसर ने जाते हुए अपने आदमियों को आदेश दिया।

"बहुत अच्छा," एक गार्ड ने बहुत विनम्रता से लामा की ओर मुड़कर कहा।

"चलो, पहले नहा लो," उसने नम्र, विनम्र स्वर में कहा। कुछ ही देर पहले, वह लामा के सामने एक बहुत ही असभ्य, रूखा और निर्दयी आदमी साबित हुआ था।

लामा चुपचाप खड़ा हो गया, पर उसे चक्कर आ रहा था। दो कदम चलकर ही वह लड़खड़ाया था कि एक और आदमी ने उसे पकड़ लिया।

"यह दर्द थोड़ी देर में ठीक हो जाएगा," उसने धीरे से कहा। और फिर वे दोनों उसे सहारा देकर दूसरे कमरे में ले गए।

40

न्यूयॉर्क पुलिस मुख्यालय

न्यूयॉर्क सेंट्रल पुलिस मुख्यालय की दस मंजिला इमारत की पाँचवीं मंजिल पर एफबीआई के शीर्ष अधिकारियों के कार्यालय थे, और छठी मंजिल पर कैप्टन और पुलिस प्रमुख के कार्यालय थे, साथ ही वैज्ञानिक जाँच के लिए डार्करूम, मीटर रीडिंग और फोटो रिकॉर्ड कार्यालय आदि भी थे। सातवीं मंजिल पर एक छोटा सा गुप्त कमरा था, जहाँ बंद दरवाजों के पीछे अपराधों और रहस्यों से संबंधित संदर्भ और साक्ष्य आदि के लिए उपलब्ध कराई गई फ़िल्में देखी जाती थीं। उसी मंजिल पर फ़िंगरप्रिंट ब्यूरो और आचरण अभिलेख विभाग थे। शेष तीन मंजिलों पर विदेशी संबंधों और जाँच के प्रबंधन के लिए विशेष गुप्त विभाग थे।

पाँचवीं मंज़िल पर न्यूयॉर्क पुलिस प्रमुख के कार्यालय से सटे आगंतुक कक्ष में, दो भारतीय काफ़ी देर से पुलिस प्रमुख के बुलाने का इंतज़ार कर रहे थे। उनमें से एक ने ऐशट्रे में आधा

दर्जन सिगरेट के टुकड़े भी डाल दिए थे, और दूसरा चुपचाप दीवार पर टंगे विभिन्न चार्ट देख रहा था।

"अब आप अंदर आ सकते हैं। --गहरे रंग की गर्म वर्दी पहने एक हवलदार अंदर आया और नरम और सौम्य स्वर में बोला। और दोनों उठकर उसके पीछे चल दिए। कुछ ही कदम दूर पुलिस प्रमुख के कार्यालय का दरवाज़ा था, जहाँ बाहर एक संतरी खड़ा था। उसकी कमर में सिर्फ़ एक पिस्तौल बंधी थी। बाहरी कमरे में, पुलिस प्रमुख के स्टेनोग्राफर और निजी सहायक आमने-सामने दो डेस्क पर बैठे थे। उनके बीच से एक काला काँच का दरवाज़ा गुज़र रहा था जिससे बाहर से कुछ नहीं, बल्कि अंदर से दिखाई देता था।

41

और अंदर से बाहर का नज़ारा साफ़ दिखाई दे रहा था। दरवाज़े पर एक काली वर्दी वाला चपरासी खड़ा था जिसने सार्जेंट का ध्यान खींचा। वे दोनों सार्जेंट के पीछे अंदर गए। कमरा काफ़ी बड़ा था, ज़मीन पर मोटा कालीन बिछा था, और पुलिस प्रमुख एक बड़ी मेज़ के पीछे घूमने वाली कुर्सी पर बैठे थे। मेज़ काँच की थी और उसके दोनों तरफ़ टेलीफ़ोन लगे थे। कमरे के दूसरी तरफ़ एक लाल रंग के यू-आकार के बॉक्स में वायरलेस संचार सेट लगा था।

वह चौड़ी छाती वाला, राष्ट्रीय स्तर का अधेड़ उम्र का आदमी था। उसके सिर पर कुछ बाल सफेद हो गए थे। उसकी गर्म खाकी वर्दी के कॉलर के दोनों तरफ सितारे लगे थे और दोनों कंधों पर रिबन पर सितारे चमक रहे थे।

"नमस्ते, अफ़सर," उसने आगे बैठे व्यक्ति को संबोधित करते हुए कहा और सामने रखी कुर्सियाँ उसकी ओर बढ़ा दीं। वे दोनों अभिवादन में एड़ियाँ टकराते हुए बैठ गए।

मेरा नाम हज़ूर अहमद खान है। पहले अपना परिचय दीजिए।

आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई। पुलिस प्रमुख ने हाथ मिलाने के लिए हाथ बढ़ाया। मुझे आपके लिए आधिकारिक निर्देश मिल गए हैं और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इस काम में आपको हमारी पुलिस का पूरा सहयोग मिलेगा, बल्कि एक तरह से आप हमारे देश को ऐसी खतरनाक चीज़ से मुक्त करने में हमारी मदद करेंगे। पुलिस प्रमुख ने कहा।

बहुत-बहुत शुक्रिया। मैं इसी मकसद से आपसे मिलने आया था। मैंने आपके लिए कन्फ़र्मेशन लेटर और हमारे आधिकारिक पहचान पत्र तैयार कर लिए हैं। हमें आप लोगों से डाक से तस्वीरें मिली हैं। मेरा स्टंट।

42

मैं इसे अभी तुम्हें सौंप दूँगा। और हाँ... यह कहते हुए पुलिस प्रमुख ने इसे मेज पर रख दिया।

छोटे अंतर-विभागीय टेलीफोन बॉक्स को चालू कर दिया गया।

सार्जेंट मैसी, वह थोड़ा सा डिब्बे की तरफ़ झुके और बोले।

स्पीकर बॉक्स से एक पतली आवाज़ आई।

"इंस्पेक्टर रेमेंडा और सार्जेंट मूर को यहां भेजो," उन्होंने आदेश दिया।

चीफ के बॉक्स से एक आवाज आई, जिस पर पुलिस चीफ हेनरी डोंग्स ने जवाब दिया,

डोगर ने सुपरिंटेंडेंट खान से कहा, "मैं आपकी मदद के लिए दो चतुर एफबीआई अधिकारियों को नियुक्त कर रहा हूं। उनके साथ, आप असहज महसूस नहीं करेंगे।"

"क्या ये आपके असिस्टंट हैं?" उन्होंने बाले की ओर इशारा करते हुए पूछा।

ओह, मैं तो लगभग भूल ही गया था। हाँ, ये मेरे असिस्टंट सार्जेंट, बाले हैं। खान ने चौंककर मुस्कुराते हुए परिचय दिया। पुलिस प्रमुख ने बाले से हाथ मिलाया और मुस्कुराए।

थोड़ी देर बाद दरवाज़ा खुला और एक औसत कद-काठी का, लाल-गोरा, रंग का युवक अंदर आया। उसने

स्लेटी रंग का सूट पहना हुआ था।

"सर," उसने सलामी देते हुए सेना प्रमुख को संबोधित किया। उसके पीछे एक सार्जेंट भी था।

सूचना मैंने दे दी थी, आप ही भारतीय जासूस मिस्टर खान हैं और उनके असिस्टंट इसी सिलसिले में यहाँ आए हैं। आप लोग इस रहस्यमय व्यक्ति को गिरफ्तार करने में हर संभव मदद करेंगे ।

"बहुत अच्छा," इंस्पेक्टर ने जवाब दिया। फिर वह खान की ओर मुड़ा और हाथ मिलाने के लिए हाथ बढ़ाया।

मेरा नाम रेमंड है और ये मेरे स्टंट सार्जेंट मूर ख़ान हैं। उन्होंने दोनों से हाथ मिलाया और फिर बाले का उनसे परिचय कराया।

इस औपचारिक बैठक के बाद, वह और पुलिस प्रमुख दोनों कमरे से बाहर चले गए।

"आप कहाँ रहते हैं?"

खान ने कहा, "चेगन होटल की पहली मंजिल पर कमरा नंबर 9 है, जो हमें दूतावास की मदद से मिला।"

"यह बहुत अच्छी जगह है, मुझे वहाँ के कार्यक्रम ख़ास तौर पर पसंद हैं," इंस्पेक्टर रेमंड ने उससे खुलकर कहा। दोनों सार्जेंट आपस में बातें कर रहे थे।

मुझे पहले यह पता लगाना होगा कि तीन महीने पहले वैज्ञानिकों का कौन-सा दल तिब्बत गया था। खान ने रेमंड से पूछा।

"तिब्बत?" इंस्पेक्टर रेमंड ने आश्चर्य से पूछा।

आपको शायद पता न हो, लेकिन पासपोर्ट विभाग को पता होगा। अधीक्षक खान ने अपनी राय दी।

"मुझे वास्तव में नहीं पता था, लेकिन क्या इसका इस मिशन से कोई संबंध है?" इंस्पेक्टर ने पूछा।

ऐसा नहीं है, लेकिन यह निश्चित है कि वह इस मिशन पर काम कर रहा है या इसकी खोज कर रहा है।

44

"क्यों?" रेमंड ने पूछा.

मैं इसे बाद में विस्तार से समझाऊंगा।

ठीक है, मैं तुम्हें इस मिशन के बारे में कल बताऊँगा, रेमंड ने वादा किया।

बाहर पुलिस विभाग की सीक्रेट सर्विस की काली और नीली टैक्सी खड़ी थी। इंस्पेक्टर रेमंड ने दरवाज़ा खोला। पहले खान और फिर वह पीछे बैठे। सार्जेंट मोर गाड़ी चलाने लगे और बाले उनके बगल में बैठ गए।

"वैसे भी, आपको अमेरिका इतना दिलचस्प और मैत्रीपूर्ण स्थान लगेगा कि आप वापस नहीं जाना चाहेंगे," इंस्पेक्टर रेमंड ने बातचीत जारी रखते हुए कहा।

हम तो पहले से ही दोस्त हैं। खान मुस्कुराया और बोला, और फिर दोनों हँस पड़े।

☆☆

45

हवाई पीछा

उनका निजी डकोटा अब सैन फ़्रांसिस्को की ओर बढ़ रहा था। लॉस एंजिल्स के वैज्ञानिकों का यह रहस्यमयी मिशन चार घंटे पहले शुरू हुआ था। हालाँकि उनका तिब्बती कैदी विमान में आराम से बैठा था, लेकिन उसके चेहरे का भाव अभी तक नहीं गया था। चूँकि उन्हें साल्ट लेक सिटी पहुँचने के लिए सीधे 14,416 फ़ीट ऊँचे माउंट व्हिटनी को पार करना था, और डकोटा ऐसा करने में सक्षम नहीं लग रहा था, इसलिए उन्होंने जोखिम उठाने के बजाय सैन फ़्रांसिस्को होकर जाने का फैसला किया। कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय के पास महत्वपूर्ण शोध कार्यों के लिए निजी डकोटा थे, और यह उनमें से एक था, जिसमें एक बार में अधिकतम ग्यारह लोग (चालक दल सहित) यात्रा कर सकते थे।

सैन फ़्रांसिस्को से उनकी उड़ान सीधी साल्ट लेक के लिए होगी। यह तय करने के बाद, वे पर्याप्त ईंधन वगैरह इकट्ठा करने के लिए एक घंटे सैन फ़्रांसिस्को में रुके, और चूँकि उड़ान अब सीधी और लंबी थी, इसलिए मॉरिसन एयरवेज़ की निजी कार्यशालाओं में डकोटा के इंजन की भी जाँच करवाई गई।

उनका विमान दोपहर 2:00 बजे सैन फ़्रांसिस्को से साल्ट लेक सिटी के लिए रवाना हुआ। मौसम साफ़ था और मौसम अनुकूल था। डकोटा के रवाना होने के बमुश्किल तीन घंटे बाद, एक और निजी डकोटा विमान सैन फ़्रांसिस्को हवाई अड्डे पर उतरा। यह मोरेन एयरवेज़ का डकोटा था। इस प्रकार के डकोटा विमान छुट्टियों और आरामदेह यात्राओं के लिए किराए पर लिए जाते थे।

इस डकोटा में सिर्फ़ एक ही यात्री सफ़र कर रहा था। एक इकहरे बदन वाला, फुर्तीला

चतुर छोटा सा आदमी, जिसकी दो पैनी, चमकती आँखें थीं। वह साल्ट लेक सिटी जा रहा था। उसने इससे ज़्यादा किसी को नहीं बताया था। उसे विमान के चालक दल के तीन लोगों से बात नहीं करनी थी, सिवाय कुछ बेतरतीब सवालों के, ज़्यादातर मौसम और वातावरण के बारे में, लेकिन उसने उनके किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। उसने खुद को पुर्तगाली अमेरिकी बताया। उसने शिकागो से यह डकोटा किराए पर लिया था और कैलिफ़ोर्निया में एक दिन रुकने के बाद यहाँ पहुँचा था। दूसरे शब्दों में, उसने डकोटा के लिए सबसे ज़्यादा किराया चुकाया था।

"पता करें कि क्या हमसे पहले कोई और भी साल्ट लेक सिटी, डकोटा गया है।"

उन्होंने विमान चालक दल के एक सदस्य से कहा।

" बेहतर है। यह कहकर वह चला गया और लगभग पंद्रह मिनट बाद लौटा।

तीन घंटे पहले कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से केवल एक डकोटा विमान यहां से गुजरा था।

उन्होंने कहा, "साल्ट लेक गया है।"

"ओह, कोई और नहीं, कोई और व्यापारी ?" आदमी ने पूछा।

"नहीं, कोई और साल्ट लेक नहीं गया है। मैंने पहले ही पूछ लिया है।"

"ठीक है, अब चलें, हमें भी चलना चाहिए," उन्होंने बातचीत को बीच में ही रोकते हुए कहा।

यह विमान भी यहां करीब 2 मिनट तक रुका और फिर साल्ट लेक के लिए रवाना हो गया।

मौसम अब थोड़ा बादलदार होने लगा था और सैन फ्रांसिस्को की बर्फीली हवाएं चलने लगी थीं।

हवाएं पश्चिम की ओर बह रही थीं, लेकिन सॉल्ट लेक की ओर उड़ान के लिए परिस्थितियां अभी भी अनुकूल थीं, और विमान नीले आकाश के अंतहीन विस्तार में तेज गति से उड़ रहा था।

$$$$$$$$$$$$$

"अगर यह दुर्भाग्य नहीं है, तो और क्या है?" लॉस एंजिल्स में एक ख़ास
47

रेस्टोरेंट में बैठे इंस्पेक्टर रेमंड ने अपने भारतीय दोस्त से कहा। उस समय, सुपरिंटेंडेंट खान और बाले के अलावा, इसरार और इब्राहिम भी उनके साथ थे। इन भरोसेमंद लोगों के साथ, इस दूर-दराज़ के पराए देश में भी अकेलापन महसूस नहीं होता था। बाले , इसरार और इब्राहिम ने तो अमेरिका के बारे में सपने में भी नहीं सोचा था। इसलिए, इस महान देश की कुछ जगहें उन्हें धरती पर स्वर्ग जैसी लगती थीं। हालाँकि, खान ने विभिन्न पर्यटकों और लेखकों की किताबों में अमेरिका के बारे में इतना कुछ पढ़ा था कि अमेरिका उसे सचमुच एक स्वर्ग जैसा लगता था। उसने पर्यटकों को सुविधाएँ प्रदान करने वाले विभाग से विभिन्न यात्रा गाइडों के पर्चे भी लिए थे, जो उसे हर जगह को देखने और समझने में मदद कर रहे थे। वैसे, इंस्पेक्टर रेमंड और सार्जेंट मूर की मौजूदगी में उसे किसी भी तरह की परेशानी या असुविधा का सामना करने की संभावना नहीं थी। मूर और बाले एक-दूसरे के साथ काफ़ी खुलकर बात करते थे। हालाँकि, असरार और इब्राहिम ज़्यादातर एक-दूसरे से बात करते थे, क्योंकि अमेरिकी अधिकारियों की कमज़ोर अंग्रेज़ी शुरू में उनके लिए एक समस्या थी। वे ज़्यादातर भारतीय अधिकारियों के साथ रहे थे। बाले खान के साथ हर तरह की संगति का आनंद ले चुका था, इसलिए उसे किसी तरह का अलगाव महसूस नहीं हुआ। सार्जेंट मूर को मूर्ख कहते हुए वह ज़रा भी नहीं मुस्कुराया, वरना उसके नए दोस्त को शक हो जाता। एक बार मूर ने उससे उसके नाम में -H जोड़ने का कारण पूछा, तो उसने बड़ी गंभीरता से उसे आश्वस्त किया कि भारत में यह तुम्हारे नाम से मिलता-जुलता शब्द है जिसका अर्थ प्रिय मित्र होता है और मौर्य यह सुनकर और भी खुश हुआ।

खान बाले की अश्लीलता से अनभिज्ञ नहीं थे, लेकिन वे इसकी निंदा भी नहीं कर सकते थे, न ही उनके नए अमेरिकी दोस्त उन पर शक करते, और सार्जेंट मोर गुमनाम रहने के लिए स्वतंत्र थे। फिर भी

48

उसने अकेले में बाले को खूब डाँटा था। जो वैसे भी बेकार था, क्योंकि जब बाले ने खान को नाराज़ करने के डर से उसे मूर्ख कहना बंद कर दिया, तो सार्जेंट मोरे ने खुदा से पूछना शुरू कर दिया कि क्या उसके प्यारे दोस्त का प्यार अब हवा हो गया है। बाले को मजबूरन उसे फिर से उसी संबोधन से याद करना पड़ा।

"तुम्हें शराब का शौक होगा?" इंस्पेक्टर ने सुहावने मौसम और ठंडी तटीय हवा से प्रभावित होकर पूछा।

"अरे नहीं, हममें से कोई नहीं पीता। लेकिन तुम लोग, अगर तुम चाहो तो हम शर्बत ही ले लेंगे।" खान ने माफ़ी मांगते हुए जवाब दिया। इंस्पेक्टर रेमंड ने उसके लिए शर्बत मँगवाया और सार्जेंट मूर के साथ खुद उसे व्हिस्की पिलाने लगे। अमेरिका में शराब पीना नैतिक अपराध नहीं था, जब तक कि प्रतिबंध हटा नहीं लिया गया। अमेरिकी शायद इस लत के हमेशा के लिए आदी हो गए थे।

लेकिन अब क्या किया जाए? इंस्पेक्टर ने खुद खान से पूछा। "वे सैन फ़्रांसिस्को की ओर गए हैं, यह तो इस डकोटा की उड़ान रिपोर्ट से पता चलता है, लेकिन उनके साथ कोई ऐसा कैदी है जैसा आप बता रहे हैं, यह कोई नहीं कह सकता।"

क्या उनके सैन फ़्रांसिस्को जाने की कोई वजह है? खान ने पूछताछ की.

इंस्पेक्टर रेमंड ने जवाब दिया, "केवल इतना ही ज्ञात है कि वे किसी जांच मिशन पर गए हैं, लेकिन वह मिशन क्या है और वे कितनी दूर तक गए हैं, यह किसी को नहीं बताया गया है।"

"आप क्या सोचते हैं, मिस्टर मोर ?" पास की मेज़ पर बैठे सार्जेंट से पूछा। वह अभी भी ख़ान और रेमंड की बातचीत सुन रहा था।

49

"मुझे लगता है कि वे नरक में चले गए होंगे। क्या तुमने व्यर्थ ही यह मुसीबत मोल ली है?" मोर ने कुछ चिढ़कर कहा।

"उन्हें नरक तक खदेड़ना मुश्किल नहीं है, लेकिन क्या तुम मेरे साथ चलोगे और मुझे रास्ता दिखाओगे?" बाले ने उससे पूछा।

मैं हर रविवार को प्रायश्चित-गृह जाता हूँ और हफ़्ते भर के पापों का प्रायश्चित करता हूँ। पुजारी कहते हैं कि मुझे खुद स्वर्ग जाना है।

मिसाल के तौर पर, पुलिसवाले और जन्नत! जन्नत! ला हवाला वा लाक्का, उन्होंने कहा, आधी अंग्रेज़ी में और हमेशा की तरह, ला हवाला अरबी में।

"क्या आपने यह बात किसी अन्य भाषा में कही थी?" सार्जेंट मूर ने उससे पूछा।

यह हमारे देश की भाषा है, इसका मतलब है कि आपकी बुद्धि लाहौर शहर जितनी बड़ी है।

"ओह, लाहौर। हाँ, मैंने इसके बारे में किताबों में पढ़ा है," मोर ने हँसते हुए कहा।

"तुमने इसे ज़रूर पढ़ा होगा। तुम ही तो इसके काबिल हो," बाले ने ऐसा मुँह बनाते हुए कहा कि दूसरी सीटों पर बैठे असरार और इब्राहिम अपनी हँसी नहीं रोक पाए। बाले उन्हें घूरता रहा।

"बेटा, अपनी नज़र इधर ही रखना, वरना मैं पूरी चीज़ उड़ा दूँगा और कहूँगा कि तुम इस बेचारे हवलदार को कब से बेवकूफ़ बना रहे हो," असरार ने उसे धमकाया।

अगर तुम आत्महत्या करके भूत बनकर भी आ जाओ, तो भी बाले तुम्हारी धमकियों से नहीं डरेगा, मोटे। मैं उसे पहले ही बता दूँगा कि

"तुम शरीफों को आपस में लड़ाने की योजना बना रहे हो," बाले ने असरार की ओर मुड़कर जवाब दिया। लेकिन वह इतनी गंभीरता से बात कर रहा था कि मूर ने सोचा कि वे किसी और बात पर बात कर रहे हैं, इसलिए उसने अपना ध्यान कहीं और लगा लिया।

इंस्पेक्टर रेमंड ने उसे स्पष्ट रूप से पुकारा।

"बताओ?" उसने अपनी आँखें सिकोड़ लीं और उसकी ओर झुक गया।

आप सैन फ्रांसिस्को के लिए सबसे पहले उपलब्ध उड़ान में कुछ सीटें बुक कर सकते हैं।

" करो.- रेमंड ने कहा

"जितनी जल्दी हो सके, इसका मतलब है कि आप बिलिंग समय से चूक रहे हैं, है ना?"

"मुझे नहीं पता था कि तुम इतने मूर्ख हो.

"मैं आपका सहायक हूँ, है ना?" यह कहकर वह आखिरकार खड़ा हो गया। खान और रेमंड दोनों मुस्कुराए।

खान ने बाले की ओर इशारा करते हुए रेमंड से कहा, "मेरा सहायक भी इसी प्रकार का था।"

"लो, अब तुम्हारा भूगोल समझाया जा रहा है।" उसने बाले को कहा ।

"तुम ईर्ष्या क्यों कर रहे हो, जाड़िए ?" बाले ने उसकी ओर बिना देखे उत्तर दिए।

"दोस्त, कम ऑन , चलो हम सीटें बुक कर लेते हैं।" सार्जेंट मूर ने उसका कंधा थपथपाया।

"बूरे फंसे ," उसने उठते हुए बनावटी कराह के साथ हिंदी में कहा, और इसरार और इब्राहिम मुस्कुरा दिए। बाले और मूर बाहर चले गए। और खान और रेमंड तटीय क्षेत्र का नज़ारा देखने लगे।

"वह असहाय राजपूत वहाँ अकेला भटक रहा होगा। अमेरिका देखना उसकी नियति नहीं थी," असरार ने अब्राहम से कहा, उसे रऊफ की याद दिलाते हुए।

तो क्या हुआ? अगर खान को ज़रूरत पड़ी, तो वो मूंछों का पार्सल फिर से मंगवाएगा।

यार, मुझे इस अमेरिकी खाने से ज़्यादा ख़्वान अहमदी का खाना ज़्यादा पसंद है। ये सूप और मस्कटेल के टुकड़े मुझे पसंद नहीं। असरार होटल के खाने पर टिप्पणी करने लगा।

इब्राहिम ने बड़ी गंभीरता से कहा, "देखो, तुम कितने दुबले हो गए हो।"

"ओह, मेरे चाचा के बेटे, अब तुम भी मेरी परवाह करने लगे हो।"

अगर आपको यकीन न हो तो खान साहब से पूछ लीजिए," इब्राहिम ने गंभीरता बनाए रखते हुए कहा।

"चलो, मैं उनसे ऐसा ही कुछ पूछने जा रहा हूँ," असरार हँसा।

"क्या मैं यहाँ बैठ सकती हूँ?" एक मधुर और सुरीली आवाज़ उनके कानों में गूँजी, लेकिन वह शुद्ध अमेरिकी भाषा में थी, इसलिए वे दोनों बिना कोई उत्तर दिए, लाल और सफेद बालों और सुडौल शरीर वाली उस खूबसूरत लड़की को आश्चर्य से देखते रहे।

खान ने रेमंड की सलाह पर उन्हें दक्षिण-पश्चिम के ग्रामीणों की तरह श्रृंगार करने को कहा और जलसे के अलावा उन्हें अपने व्यवहार में अलग-थलग दिखने का निर्देश दिया ताकि कोई भी उनसे ज्यादा बात करना पसंद न करे और वे: ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि उनके भारतीय परिधान में, उनके लिए आमतौर पर ज्यादा बात न करना संभव है।

एक नागरिक होने के नाते, उसे हर जगह खुली जगह नहीं मिलती थी और कई नस्लवादी गोरे लोग उससे दूर भागते थे। चूँकि कोई और जगह खाली नहीं थी, इसलिए उसे मजबूरन बगल वाली खाली कुर्सी पर बैठना पड़ता था। असरार को तुरंत एहसास हो गया कि वह मैक्सिकन है।

"येस मैडम, प्लीज़," उसने सीखी हुई देहाती लहजे में कहा। और वह उस सीट पर बैठ गई, उसे अनदेखा करते हुए। शायद वह किसी का इंतज़ार कर रही थी, पर उसने भी कहीं बैठना ज़रूरी समझा।

"लो आई यहाँ विलायती मुसीबत ," असरार ने इब्राहीम की ओर मुड़कर धीरे से कहा। यह सुनकर वह चौंक गई और उसके चेहरे की ओर देखने लगी, लेकिन उसकी बातें उस तक पहुँची नहीं। असरार ने तुरंत विषय बदल दिया।

क्या आप किसी का इंतज़ार कर रहे हैं?" इंस्पेक्टर रेमंड को बीच में ही टोकना पड़ा।

हाँ। नहीं। हाँ। वही। - हाँ। वह चौंक गई, । दूसरी मेज़ से, यह अप्रत्याशित सवाल सुन कर।

"हाँ, नहीं, और हाँ। और हाँ, हाँ।" रेमंड ने उसे अर्थपूर्ण दृष्टि से देखा।

"मैं अपने एक दोस्त का इंतज़ार कर रही हूँ," लड़की ने अपनी घबराहट को नियंत्रित करने की कोशिश करते हुए उत्तर दिया।

दोस्त? इसी जगह?' रेमंड ने फिर पूछा।

हाँ इसी जगह।

"उसका नाम क्या है? शायद मैं आपकी कुछ मदद कर सकूँ।"

उसने मुझे यहाँ मिलने के लिए बुलाया। उसका नाम एंडरसन मूर है।

53

सार्जेंट मूर, रेमंड ने मुस्कुराते हुए कहा।

लड़की ने मासूमियत से अपना सिर हिलाया।

तो तुम इंतज़ार कर सकते हो, वह आएगा। इंस्पेक्टर ने अपने चेहरे से उदासी मिटाते हुए कहा

हम सब उसके दोस्त हैं, तुम्हें मुझसे डरने की ज़रूरत नहीं है।-- उसने आश्वस्त किया। उसकी घबराहट थोड़ी कम हुई।

"भारत के स्वर्ग प्रेमी इस अर्धनग्न गोरी लड़की को देखकर क्या कहेंगे?" इब्राहीम ने असरार से धीरे से पूछा।

"बेटा, चुप हो जा, वरना अगर तेरी बात किसी और तक पहुँच गई तो तुझे अमेरिका से निकाल दिया जाएगा।" असरार ने उसे डाँटा।

लगभग आधे घंटे बाद, सार्जेंट मूर और बाले वापस लौट आए। उन्होंने सीटें बुक कर ली थीं। सार्जेंट मूर इंस्पेक्टर रेमंड को देखकर चौंक गए। उनकी नज़र उनसे हटकर उस लड़की पर गई।

बेचारी कब से तुम्हारा इंतजार कर रही है --इंस्पेक्टर ने "लड़की की ओर देखते हुए," अर्थपूर्ण मुस्कान के साथ कहा।

आई एम सारी , सर। वह मेरी एक रिश्तेदार थी। सार्जेंट ने एक बात कही। वह मुझसे मिलना चाहती थी।

खान की ओर देखते हुए उसने जवाब दिया, "और इसीलिए तुमने तार भेजा और मिलने की जगह तय की।" रेमंड ने कहा,

"आपका मतलब है मैं..." कहते हुए उसकी आवाज़ गले में अटक गई। और फिर उसने चौड़ी आँखों से लड़की को घूरा।

54

"जहाज कब आएगा?"

"अभी भी दो घंटे बाकी हैं," सार्जेंट मूर ने उत्तर दिया।

तो आप बस आधे घंटे के लिए कहीं भी जा सकते हैं, हम ग्रैंडविल पार्क, सी फेस में बेंच पर मिलेंगे। इंस्पेक्टर ने बड़ी उदारता दिखाते हुए सार्जेंट को मौका दिया और सार्जेंट थोड़ा झक्की निकला।

"काम ऑन , डार्लिंग।" उसने लड़की की ओर हाथ बढ़ाते हुए धीरे से कहा,। अब तक झिझकते हुए सबके चेहरों को वो देख रही थी , फिर वह उठी और उसके साथ चली गई।

#$$$$$$$$$$$$$$

ठीक 4:35 बजे, वे इंटरस्टेट अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान 17 से साल्ट लेक सिटी के लिए रवाना हुए। विमान में चालक दल के सदस्यों के अलावा चार सीटें थीं, जिनमें से उस समय केवल एक ही खाली थी। सार्जेंट मूर और बाले दोनों एक-दूसरे के बगल में बैठे थे। उनके पीछे इब्राहिम और असरार थे। खान और रेमंड भी उसी सीट पर थे। उन्हें उपयुक्त सीटें दी गई थीं। बाले मूर के साथ इस तरह घुल-मिल गए थे कि असरार और इब्राहिम खुद को सबसे अलग पाकर थोड़ा अकेला महसूस कर रहे थे। लेकिन उन्होंने अपना ध्यान अमेरिका की अपनी यात्रा पर केंद्रित कर लिया, जिससे उन्हें इस यात्रा का और भी आनंद आने लगा।

एयरलाइंस नंबर 17 पहले लॉस एंजिल्स के मैदानों के ऊपर से उड़ रही थी। ट्रैक्टर उपनगरों के खेतों में घूम रहे थे, ऊपर से छोटे कीड़ों जैसे लग रहे थे। फिर छोटी-छोटी पहाड़ियाँ शुरू हुईं, वैज्ञानिक तकनीक से लैस

शोध प्रयोगशालाएँ भी दिखाई देती हैं। लॉस एंजलों अमेरिकी वैज्ञानिकों का शोध केंद्र भी था।

एयरलाइंस नंबर 17 को दुनिया का सबसे तेज़ यात्री विमान माना जाता था। उस समय, इसकी गति 2300 मील प्रति घंटा थी, जो उस वज़न के विमान के लिए काफ़ी ज़्यादा मानी जाती थी।

लगभग ढाई घंटे की यात्रा के बाद, वे साल्ट लेक के पास पहुँचे। यह जगह समुद्र तल से लगभग 5,000 फीट ऊपर थी और साल्ट लेक के टुकड़े इधर-उधर गिरी हुई पहाड़ियों की चोटियों से टकरा रहे थे। विमान लगभग सात हज़ार फीट की ऊँचाई पर उड़ रहा था। खान के सामने

वाली सीट पर एक चीनी पर्यटक बैठा था और उसके साथ एक जापानी भी था। वे एक-दूसरे की भाषा समझते थे, इसलिए चान चान और नोनो, काफ़ी देर तक बातें करते रहे। खान और इंस्पेक्टर रेमंड, दोनों ही उनकी जापानी बातचीत से ऊब रहे थे।

"क्या यह बेहतर नहीं होगा कि हम भी कुछ ऊट पटाँग बकना शुरू कर दें ? ? कम से कम इन नन्हे-मुन्नों को तो एहसास होगा कि लगातार तेज़ आवाज़ों का शोर कितना बुरा लगता है। इंस्पेक्टर ने खान को अपनी राय दी।

"फिर हमारे पीछे बैठे लोग बोर होने लगेंगे और इस तरह बोरियत का सिलसिला शुरू हो जाएगा। खान मुस्कुराया और बोला। रेमंड कुछ देर सोचता रहा, फिर अचानक, मानो चौंक गया हो, उसने एक यात्री का कंधा हल्के से हिलाया और घबराए हुए अंदाज़ में कहा।

आपकी जेब में शायद आग लगी है, उसमें से बदबू आ रही है।

"आग?" चीनी ने उसकी जेबें टटोलनी शुरू कर दीं, और रेमंड ने गंभीर चेहरा बना लिया।

वह चुप बैठा रहा.

लेकिन जब चीनी यात्री को यह विश्वास हो गया कि आग उसकी जेब तक नहीं पहुंची है, तो उसने कुछ अजीब निगाहों से उसे घूरा और सिकुड़कर बैठ गया, और उसका साथी, शायद इस गंभीर मजाक का मतलब समझकर चुप रहा।

"हम अभी साल्ट लेक के ऊपर से उड़ रहे हैं, सर। सार्जेंट मूर ने इंस्पेक्टर से कहा

"क्यों, क्या इसका स्वाद नमकीन है?" रेमंड हँसा।

"मुझे तो कै आ रही है " बाले ने मोर से कहा।

क्यों?

" दो कंकड़ों से ही जी मिचलाने लगता है , , यह तो एक नमक की झील है।"

"वह तुम्हारे मुँह तक भी नहीं पहुँची। वह बहुत नीचे है।"

ऐसी बातें मान ली जाती हैं। बाले ने मुँह फेर लिया और कहा,

"ठीक है, मैंने तो यही मान लिया है, और तुम्हें भी यही मान लेना चाहिए कि तुम्हें उल्टी हुई है। अब बस नमक थूक दो।" नहीं,

सार्जेंट मूर हँसे.

उसने मुस्कुराते हुए इब्राहिम से कहा।

 हवाई जहाज़ में थूकना मना है। बाले ने गंभीरता से कहा। हवाई जहाज़ में कैसी जगह है। पिछली सीट का रहस्य।

कितनी अच्छी जगह है । असरार ने उसकी ओर ध्यान दिए बिना उत्तर दिया।

बिलकुल ग़लत - लेकिन जगह का मतलब होता है भरपूर जगह। अगर कोई परेशानी है, तो वो हमेशा होती है।

"बाबा, मेरा दिमाग़ मत चाटो, तुम्हारा साथी ही तुम्हारे लिए काफ़ी है।"

57

आस्रार ने पीछे से हाथ जोड़े । उसी समय, सार्जेंट मूर ने मुड़कर उसकी ओर देखा।

वह बेबस होकर माफ़ी मांग रहा है। बाले ने राज़ बताते हुए,उस से कहा

"ओह, तरबूज के बीज ।" आस्रार पीछे से बिगड़ गया था।

"इस जहाज़ पर असभ्य लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। अपनी भारतीय कहावतें अपने पास ही रखो," बाले ने धीमी आवाज़ में जवाब दिया।

जबान न होती तो कहीं ----

बस बस -- समझ गया, मैं समझ गया। अब अपनी चोंच बंद कर लो। यह कहते हुए बाले ने फिर सार्जेंट को

संबोधित किया।

"सार्जेंट, उन्होंने कहा।

या, मूर ने "येस" शब्द का गलत उच्चारण करते हुए कहा। उस समय वह च्युइंग गम चबा रहा था।

क्या आपके पास सिगरेट है?

"आप यहां धूम्रपान नहीं कर सकते। यहां सिगरेट पीने के लिए अलग से व्यवस्था है।"

मोर ने उसकी ओर इशारा किया।

जहाज़ के चालक दल के लोग नेक नहीं लग रहे। सिगरेट जैसी सभ्य चीज़ पर प्रतिबंध क्यों? वह बड़बड़ाते हुए उठा। लेकिन उसी समय जहाज़ को हल्का झटका लगा, जो हवा में होना स्वाभाविक है।

इस झटके से बाले वापस अपनी जगह पर आ गया ।

"येस प्लीज , आप क्या चाहते हैं?" परिचारिका उसके पास आई।

"बस एक कप कॉफ़ी। बाले ने सिगरेट पीने का इरादा टाल दिया।

"ऐसी कोई जगह नहीं होगी जहाँ यह आदमी किसी न किसी तरह की शानदार बेवकूफी न दिखाए।" पिछली सीट पर बैठे इसरार ने हार पर टिप्पणी करते हुए इब्राहिम से कहा, लेकिन भयानक उसके कानों तक भी पहुँची।

बाले ने गुस्से में कहा, "\ तुम साल्ट लेक सिटी पहुंच जाओ, तो मैं तुम्हारे अच्छे से हजामत कर दूंगा ।"

असरार ने धीरे से कहा, "यह तो आपका खानदानी पेशा है, मुझे क्या एतराज़ हो सकता है? मैंने तो तीन दिन से दाढ़ी भी नहीं बनाई है।"

"यु शट अप या नो शट अप?" बाले ने उसे भारतीय अंग्रेज़ी में चेतावनी दी। लेकिन जवाब देने के बजाय, असरार ने मुँह फेर लिया।

विमान को आठ हजार फीट ऊंची पर्वत श्रृंखला के बाद साल्ट लेक सिटी में अपनी उड़ान समाप्त करनी होगी।

लैंडिंग सिग्नल क्लियर था। एयरबेस से क्लियरेंस सिग्नल मिलते ही विमान ने चक्कर काटने शुरू कर दिए

59

दुर्घटना

साल्ट लेक सिटी पर्यटकों और मनोरंजन के शौकीनों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र था। यहाँ पहाड़ों की तलहटी में सुंदर, ऊँचे और मनमोहक पार्क थे। शहर से झील तक साफ़ और छायादार सड़कें थीं। झील में खड़ी नावों के बर्फ़ जैसे सफ़ेद पाल विमान से ही देखे जा सकते थे। शहरी इलाका ज़्यादा बड़ा नहीं था, फिर भी बहुत साफ़-सुथरा, सुव्यवस्थित और घनी आबादी वाला था। विमान से यह सब देखकर रेमंड ने एक दिन यहाँ रुकने की इच्छा जताई थी ताकि इस दौरान इन वैज्ञानिकों का भी पता लगाया जा सके। लेकिन जैसी कि उम्मीद थी, खान को हवाई अड्डे पर पता चला कि उस दिन कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय से एक डकोटा विमान डेनवर के लिए रवाना हुआ था, और तीन-चार घंटे बाद, एक समोआई व्यापारी, जो एक चार्टर्ड डकोटा विमान से यहाँ पहुँचा था, यहाँ से एक और निजी विमान किराए पर लेकर उसी दिशा में

उड़ गया था। जब यह पता लगाना इतना आसान हो गया, तो इन जासूसों की नज़र में इस खोज और इस मामले का महत्व कम होने लगा। फिर भी, खान जानता था कि सालाज़ार अमेरिका के लिए अजनबी है, लेकिन अगर वह किसी वजह से पागल हो गया, तो तबाही मचा देगा। अगर वह अकेला संदिग्ध होता, तो उसे काबू में करने या खत्म करने की योजना होती, लेकिन वह खुद एक महान वैज्ञानिक था, जिसने अमरता के सूत्र पर प्रयोग करने के लिए अपनी जवानी की कुर्बानी दी थी और अमरता हासिल भी की थी, लेकिन व्यर्थ, क्योंकि अब वह हाड़-मांस का बना इंसान नहीं रहा था। उसने अमेरिकी जासूसों को सालाज़ार के व्यक्तित्व का यह राज़ भी नहीं बताया था, क्योंकि वह जानता था कि वे उस पर यकीन नहीं करेंगे। हालाँकि वह खुद

पहले ही देख चुके हैं कि उस पर चलाई गई गोलियों से उसके सिर का एक बाल भी बाँका नहीं हुआ था। उन्होंने हमें सलाज़ार के बारे में बस इतना बताया था कि वह एक खूंखार भगोड़ा है, उसने कई हत्याएँ की हैं और इसीलिए अमेरिकी पुलिस विभाग विदेश विभाग के निर्देश पर उसकी मदद कर रहा था, क्योंकि भारत ने उसके लिए ऐसा करने को एक विशेष अनुरोध किया गया था।

साल्ट लेक सिटी से दोनों विमानों के प्रस्थान की जानकारी मिलने के बाद, अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद, उन्हें ऐसा कोई विमान नहीं मिला जो रात में उड़ान भर सके और 8,000 फुट ऊँची रिफ्ट वैली को पार करके डेनवर की ओर जा सके। इसलिए, उन्हें पहाड़ों में एक पर्यटक होटल में रात के लिए दो कमरे किराए पर लेने पड़े।

वैन में, साल्ट लेक सिटी स्थित तीसरी अमेरिकी एयरलाइन, नेशनल एयरवेज ने अगली सुबह 8 बजे डेनवर के लिए उड़ान भरने हेतु एक छोटा विमान किराए पर देने का वादा किया।

अगली सुबह, वे सुबह 7 बजे हवाई अड्डे पर पहुंचे। जैसा कि वादा किया गया था, चालक दल सहित 9 सीटों वाला एक छोटा विमान पहले से ही उनके लिए हवाई अड्डे पर मौजूद था, जिसका संचालन एक युवा आयरिश व्यक्ति कर रहा था।

वह ठीक आठ बजे इस विमान से साल्ट लेक सिटी से डेनवर के लिए रवाना हो गया।

61

डेनवर की उड़ान कोई साधारण उड़ान नहीं थी। विमान ऊँची उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया था और डेनवर दस हज़ार फ़ीट से थोड़ा ज़्यादा ऊँचा था। साल्ट लेक सिटी के पीछे की पहाड़ियों को पार करने के लिए विमान को नौ हज़ार फ़ीट तक उड़ना था। जहाँ तक वैज्ञानिकों के मिशन का सवाल था, खान के लिए यह समस्या अब अनसुलझी नहीं थी, क्योंकि उन्हें एक जगह से दूसरी जगह ट्रैक किया जा रहा था और एक बारन पहुँचने के बाद, उनके बंदी लामा का भी पता लगाया जा सकता था। लेकिन समोएड व्यापारी की इस दिशा में अकेली उड़ान उसे ज़रूर बेचैन कर रही थी। शायद सालाज़ार उसका पीछा नहीं कर रहा था। वह यही सोच रहा था। कभी-कभी कोई छोटी-मोटी बाधा उस पर विश्वास करने में आड़े आती, और वे इतने महँगे खर्च थे कि कम से कम सालाज़ार जैसा व्यक्ति अमेरिकी मुद्रा में तो वहन कर सकता था, यह संभव नहीं लगता था। वह इतनी दौलत कहाँ से लाता, जबकि वह खुद इस ज़मीन पर एक अजनबी से ज़्यादा कुछ नहीं था। खान और इंस्पेक्टर रेमंड साल्ट लेक सिटी से लंबी दूरी की दूरबीन लेकर साल्ट लेक सिटी के पीछे की पहाड़ियों को भी ध्यान से देख रहे थे। इन पहाड़ियों को पार करने के बाद हरे-भरे मैदान थे और फिर थोड़ा ऊपर चढ़ने पर वे पठार के एक हिस्से में आ गए, जिसके बीच में कांटेदार चेलोन के पेड़ थे।

अनुमान के मुताबिक, वे दोपहर एक या दो बजे तक डेनवर पर्वत श्रृंखला तक पहुँच जाते, लेकिन वे डेढ़ बजे से ठीक पहले पहाड़ियों की श्रृंखला में पहुँच गए। दूर से, इन ऊँचे पहाड़ों पर बर्फ़ हल्की धूप में चमक रही थी, लेकिन विमान अभी थोड़ी ही दूरी तय कर पाया था कि सुपरिंटेंडेंट ख़ान ने नीचे देखा और चौंक गए।

"मिस्टर रेमंड," उसने रेमंड से कहा, उसकी नज़र दूरबीन पर टिकी हुई थी।

62

"शायद नीचे कोई विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है," उसने कहा। रेमंड भी दूरबीन से नीचे देखने लगा।

"हाँ, तो फिर," उन्होंने कहा।

"यह या तो कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय का विमान होगा या फिर इस व्यवसायी का विमान होगा।"
खान ने राय दी.

अगर बात वैज्ञानिकों की है, तो यह बहुत अफ़सोस की बात होगी। अमेरिका अपने कुछ सबसे काबिल लोगों को खो देगा। और अगर बात सीमोर जैसे व्यापारियों की है, तो ऐसे लोग तो रोज़ मरते हैं। --इंस्पेक्टर रेमंड ने जवाब दिया।

खान ने पूछा, "क्या विमान को यहां कहीं उतारा जा सकता है?"

किंग्स्टन शहर के अंत में एक छोटा सा हवाई अड्डा है। देखो, मैं पायलट को बता दूँगा। यह कहकर इंस्पेक्टर रेमंड अपनी सीट से उठे और पायलट के पास गए।

"क्या आप इस छोटे से अड्डे पर विमान उतार सकते हैं?"

उन्होंने कहा --क्यों नहीं

उन्होंने कहा, "चलो, हमें महत्वपूर्ण काम करना है।"

इंस्पेक्टर भी अपनी जगह पर बैठ गया।

विमान ने अब एक बड़ा चक्कर लगाया और वापस मुड़ने लगा, और फिर धीरे-धीरे अपना उड़ान पथ छोटा करते हुए, किंग्स्टन के बेस पर उतर गया। यहाँ एक छोटा चालक दल मौजूद था, जिसने लैंडिंग के लिए पहले ही क्लियरेंस सिग्नल दे दिया था।

विमान के उतरते ही लोग नीचे उतर गए और पायलट ने उन्हें शेड में ले जाकर छोड़ दिया, क्योंकि अभी यह निश्चित नहीं था कि यहां कितने समय तक रुकना होगा।

63

उन्होंने किंग्स्टन टाउन में किसी को नहीं बताया। उन्होंने एक जोड़ी हाइकिंग बूट और एक जोड़ी सेबल कोट किराए पर लिए और डेनवर पर्वत श्रृंखला की ओर निकल पड़े। दोपहर में उन्होंने वहीं दोपहर का खाना खाया, हालाँकि दोनों में से किसी को भी ज़्यादा भूख नहीं लगी थी।

जिस स्थान पर उन्होंने ऊपर से गिरे हुए विमान को देखा था, वह न तो बहुत दूर था और न ही बहुत ऊंचा, लेकिन वह निश्चित रूप से एक खड्ड था जिसमें खड़े चिनार के पेड़ जमीन में धंस गए थे, और उनकी शाखाएं बर्फ से सफेद दिख रही थीं।

लगभग ढाई-तीन घंटे की मशक्कत के बाद वे विमान के मलबे तक पहुँच गए। विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर टुकड़ों में बिखर चुका था, और ईंधन टैंक में लगी आग ने तीनों शवों को झुलसा दिया था, जो संभवतः उसके चालक दल के थे। कोई और शव नहीं मिला। उन्होंने दूर-दूर तक तलाश की। विमान पर कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय का कोई मोनोग्राम या नाम नहीं था। न ही तीन से ज़्यादा शव थे, इसलिए यह निश्चित रूप से व्यवसायी का विमान था, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। उनके विमान के पायलट ने बताया था कि हर डकोटा या छोटे विमान में तीन लोगों का चालक दल होता है, इसलिए संभव है कि ये शव उन तीनों के हों।

खान ने कहा, "यदि वह व्यापारी स्वयं चोर था, तो उसकी मृत्यु या उसके शव मिलने का प्रश्न ही नहीं उठता।"

क्यों?

खान ने जवाब दिया,--क्योंकि न तो आग इसे जला सकती है और न ही कोई दुर्घटना इसे मार सकती है। यह अद्भुत शक्ति से युक्त एक गतिशील मानव संरचना है, इतनी भयावह कि जिस पर बिगड़ जाता है

उसकी खैर नहीं ।"

लेकिन इंस्पेक्टर रेमंड को इस कथन पर पूरी तरह से विश्वास नहीं हुआ।

"मुझे समझ नहीं आता कि धरती पर कोई इंसान सिर्फ़ कंकाल कैसे हो सकता है। उसने फिर भी इसे मानने से इनकार कर दिया,

खान ने कहा, "आप जानते हैं, मैंने चीन में ऐसा कई बार किया है। एक या दो बार तो मैं उसे लगभग मार ही चुका था, लेकिन हमारे वैज्ञानिकों की गलती के कारण उसके विभिन्न टुकड़े फिर से जुड़ गए और वह बच गया।"

"आप अलिफ़-लैला जैसी कल्पना का वर्णन कर रहे हैं।" इंस्पेक्टर ने आश्चर्य व्यक्त किया।

हम अभी भी इस पर बात कर सकते हैं, पहले हमें पता लगाना होगा कि क्या यह वही डकोटा है, -- उसने बात करना बंद कर दिया। इंस्पेक्टर रेमंड ने उसकी बात काट दी थी।

"इधर आओ, उधर आओ," उसने बर्फ में फँसे एक पंख की ओर इशारा करते हुए कहा। "यह डकोटा इसी कंपनी का है, यह उभरा हुआ स्टील का बिल्ला देखिए , लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि यह वही विमान है या कोई और," इंस्पेक्टर ने कहा।

खान ने कहा, "हमारे आगमन से पहले इन दोनों विमानों के अलावा कोई अन्य विमान यहां नहीं आया था, तथा किसी दुर्घटना आदि की कोई रिपोर्ट नहीं है, अन्यथा कम से कम साल्ट लेक सिटी और उसके निवासियों को इसकी जानकारी होती।"

तर्क वाजिब है। हालाँकि, अगर यह वैसा ही है जैसा आप सोच रहे हैं, तो यह दुर्घटना भी उसी यात्री, यानी सालाज़ार की ही करतूत होगी। और इस तरह यहाँ 'इस का गिरना यह साबित करता है कि वह जिस चीज़ की तलाश में आया था, वह यहीं कहीं है।

"ऐसा ही होगा," इंस्पेक्टर रेमंड ने कहा।

"वह इस मिशन का पीछा कर रहा है ।"

"लेकिन क्यों?" इंस्पेक्टर ने फिर पूछा, उसे समझ नहीं आया कि उसका क्या मतलब है।

वह उस लामा को पाना चाहता है जिसे इन लोगों ने बंदी बना रखा है। दरअसल, सुनने में आया है कि इस रहस्यमयी तिब्बती लामा के पास अद्भुत चीज़ें हैं, जिनमें से एक है एक तरह की जड़ी-बूटी, जिसका एक खास तरीके से इस्तेमाल करने पर सूखे पौधे भी कुछ ही समय में अंकुर उगा देते हैं। खान ने उसे समझाया।

यह केवल एक वैज्ञानिक प्रक्रिया ही हो सकती है।

ऐसे कई लोग हैं जो प्रकृति के छुपे रहस्यों को जानते हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान से अपरिचित होने के बावजूद, उनके पास कुछ अद्भुत ज्ञान और अनुभव हैं।और यह लामा उनमें से एक है।

"हाँ।

फिर बेशक यह श्रृंखला बहुत दिलचस्प और रहस्यमय है, लेकिन सालाजार क्या करेगा?

वह एक महान वैज्ञानिक हैं। शाश्वत जीवन के सूत्र पर उनके प्रयोगों ने उनके सुंदर शरीर को कंकाल में बदल दिया था। अब वह लामा से यह नुस्खा प्राप्त करना चाहते हैं, इस उम्मीद में कि इसकी मदद से उनके शरीर में मांसलता और खोई हुई चमक वापस आ जाएगी। खान ने कहा।

सार्जेंट, इंस्पेक्टर ने सार्जेंट मूर को बुलाया, अपने डकोटा से वायरलेस हैं।

साल्ट लेक सिटी एयरबेस पर फ़ोन करके बता दो कि एक एमर्सन विमान तीन जले हुए शवों के साथ यहाँ दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हम आगे की तलाशी लेंगे, तुम रिपोर्ट करके जल्दी आ जाना। रेमंड ने उसे निर्देश दिया।

लेकिन मैं अकेली कहाँ जाऊँगा , साहब? आप लोग दूर चले जाएँगे तो मुझे बहुत ढूँढना पड़ेगा।

"बाले, तुम भी साथ चलो," खान ने बाला को निर्देश दिया।

"फाँसी," वह बुदबुदाया। "चल भाई , सार्जेंट।" उसने बुरा सा मुँह बनाया और शामिल हो गया।

" दो दो शराबी और हरामखोर यहाँ हैं, उनको नहीं कहा गया, बस मैं ही एक गरीब मिला था ।" खान के पास से गुज़रते हुए उसने बुदबुदाया।

दो लोग जिनके पास कोई काम नहीं है कहा कहा के मोटे हो रहे हैं , बाले धीरे से बोला।

जिनकी जैसी औकात है वैसा ही काम दिया जाता है - असरार धीरे से बोला

"ओह, बनसपति आलू, कटे हुए भाग पर नमक छिड़का तो , और इस बर्फ में एक खून कर दूँगा।"

वह असरार से उलझ पड़ा

"चलो, भई तुम बहुत बहादुर हो, जानते हैं ।" असरार ने नज़रें फेर लीं और सार्जेंट मूर के साथ-साथ, धीरे से बुदबुदाते हुए चला गया।

खान ने कहा, "हमें बर्फ में उनके पैरों के निशान ढूंढने जाना चाहिए।"

इंस्पेक्टर रेमंड ने कहा, "काश, हम शिकारी कुत्तों को अपने साथ ले गए होते। वे इस तरह के कामों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, वे सबसे अच्छे मददगार होते हैं।"

इसकी कोई ज़रूरत नहीं है, यह ऐसे ही काम कर देगा। यह कहकर खान गिरी हुई डकोटा के आसपास बर्फ पर निशान ढूँढ़ने लगा। रेमंड, इसरार और इब्राहिम भी इस काम में लग गए। अगर कोई और होता, तो जली हुई

लाशें देखकर वे उनके पास जाने से कतराने लगता , लेकिन उनके लिए ये मौतें और लाशें कोई नई बात नहीं थीं। उन्होंने अपनी ज़िंदगी में अनगिनत हादसे, हत्याएँ, मौतें और लाशें देखी थीं, और ये सब देखकर उनके दिल पत्थर हो गए थे।

उत्तर-पश्चिम में कुछ दूरी तक बर्फ में केवल मानव पदचिह्नों के निशान ही दिखाई दे रहे थे, क्योंकि पैदल चलने वाला अपनी एड़ियों के दबाव में चल रहा था, और बर्फ में बने हल्के गड्ढे केवल उसकी एड़ियों के निशान थे।

बर्फ़ की कोमलता और निशान की स्पष्टता से साबित होता है कि जो व्यक्ति गया था, वह बहुत हल्का था और निश्चित रूप से कोई बच्चा इस रास्ते से नहीं गुज़रा होगा, वह ज़रूर सालाज़ार ही होगा। खान ने इन निशानों को ध्यान से देखते हुए कहा।

"तो आओ, इन संकेतों का अनुसरण करो," इंस्पेक्टर रेमंड ने कहा।

तो, उन निशानों को देखते हुए, वे उत्तर-पश्चिम की ओर चल पड़े। कुछ दूर जाने के बाद वे निशान गायब हो गए थे और उनकी जगह, कुछ दूर तक बर्फ पर एक धुंधली रेखा दिखाई देने लगी थी। फिर, आगे, एक ऊँचाई के पास, वही निशान फिर से दिखने लगे। बस यूँ ही। लगभग डेढ़ मील चलने के बाद, एक जगह वो चौंक गए ।

:" मिस्टर खान, इसे देखिए। ये निशान अचानक कैसे बदल गए?" उसने कहा। खान भी इन निशानों को गौर से देखने लगा। अलग-अलग कदमों के निशानों में यहाँ कुछ अजीब-सा उभर आया था। इनमें से एक निशान एड़ी का था, तो दूसरा अजीब और विचित्र था, बल्ख के पंजे जैसा, लेकिन काफ़ी बड़ा। इसका आकार बिल्कुल पंजे जैसा था और इसके सिरों पर छेद थे।

"ओह --खान चौंक गया। उसका एक जूता ज़रूर टूट गया होगा।

"यहीं पास मिल जाएगा।" यह कहकर वह गड्ढों और ढलानों के दाएँ-बाएँ किनारे कुछ ढूँढ़ने लगा। इंस्पेक्टर रेमांड हैरानी से उसे देख रहा था।

" वोरहा । -- एक तरफ से असरार चिल्लाया । और खान ने पलटकर देखा, जहाँ से वे चले थे और आगे बढ़े थे, उससे थोड़ी ही दूर एक ढलान पर एक काँटेदार जूता पड़ा था। असरार खुद दौड़कर उसे उठा लाया। जूते ने पंजे से अपना मुँह खोल दिया था ।

"थोड़ा आगे चलो, शायद हमें दूसरा जूता मिल जाए, क्योंकि वह एक जूते में आराम से नहीं चल पा रहा था।"

यह कहकर खान फिर आगे बढ़ने लगा और इंस्पेक्टर रेमंड चुपचाप साथ-साथ चल रहा था, उसकी हरकतों पर ध्यान से नज़र रख रहा था। खान का अंदाज़ा सही था। थोड़ा आगे बढ़ने पर, बर्फ़ पर बने वे निशान धुंधले और एक जैसे हो गए। अब एड़ी का निशान गायब हो गया था और दोनों निशान उन्हीं पाँच शाखाओं से दिखाई दे रहे थे।

"वह पूरी तरह नंगे पैर हो गया हैं और संभव है कि भविष्य में हम उनके पैरों के निशान भी न ढूंढ पाएं।

इन अजीब संकेतों को देखने के बाद, इंस्पेक्टर को खान के बयान पर कुछ हद तक विश्वास होने लगा, और साथ ही, सालाज़ार के रहस्यमय व्यक्तित्व के प्रति एक अज्ञात विस्मय अवचेतन रूप से उस पर हावी होने लगा।

"अब इन लोगों का इंतज़ार क्यों न किया जाए?

इंस्पेक्टर एक जगह रुका और बोला, "मैं रुकूँगा। हाँ, कोई बात नहीं।" खान भी थककर एक जगह बैठ गया और सब अपने-अपने इलाके में हुए हालात के बारे में सोच रहे थे।

लगभग दस मिनट बाद, वे दूर से आते दिखाई दिए।

"क्यों? क्या हुआ?" खान ने उनके पास आते हुए पूछा।

69

रास्ते में मुझे एक शेर मिला। मैंने उसकी पूँछ पकड़ी और उसे घसीटा, लेकिन वह मेरे हाथ में आ गई ।

और वह भाग गया।" बाले ने जवाब दिया।

खान ने गंभीरता से पूछा, "तुम भी उसके साथ क्यों नहीं भाग गए?"

बाले ने कहा, "भागना कायरों का काम है, मैंने कई बार ऐसा किया है।"

"शेर की पूँछ कहाँ है? वह अपनी जगह पर बैठा है, --बाले की बेतुकी बातों में दिलचस्पी लेते हुए उसने कहा.

"यह उसकी जेब में होगा। असरार बोला।

"केवल जेबकतरे ही जानते हैं कि किसी की जेब में क्या है।

उसने उसकी ओर देखे बिना ही उत्तर दिया: नहीं।

“क्या हुआ?” इंस्पेक्टर रेमंड ने सार्जेंट मूर से पूछा।

"हमने इसकी सूचना दे दी है और जांच के लिए वहां से एक विमान भेज दिया है।--मोर ने कहा,

"चलो आगे बढ़ते हैं। खान ने खड़े होकर कहा। और फिर सबने कहा,

"हमें और कितने हज़ार मील चलना होगा?" बाले ने अपने पैर फैलाये।

ज्यादा नहीं, सिर्फ पचास मील।

"पचास मील! वह चौंक गया। और वह भी, एक-एक कदम।"

"नहीं, अगर तुम्हारा मन करे तो घुटनों के बल बैठ जाओ।" यह कहकर खान आगे बढ़ गया।

रेमंड ने हंसते हुए कहा, "आपका यह असिस्टंट सचमुच आपसे बहुत लड़ता है।"

पैदाइशी बदतमीज़ है ये , साहब --असरार ने चुटकी ली ।

"घोर अपमान - आप इस बकरे को अवश्य सजा दीजिए , अन्यथा मैं यहीं बर्फ में अपनी कब्र बनाऊँगा। -- बाले बर्फ पर पैर पसार कर बैठ गया ।

मरने दो इसे यहीं ,तुम लोग बड़ते चलो -- खान ने दूसरों से कहा. खान को उसकी परवाह नहीं थी।

"ओ नीली छतरी वाले, एक वफ़ादार सार्जेंट के प्रति इस अनादर को देख रहे हो," उसने आसमान की ओर हाथ उठाते हुए कहा। इंस्पेक्टर रेमंड ज़ोर से हँस पड़ा।

यह सूअर, एक महान नखरे बाज है,-- सार्जेंट मूर, जो बाले के साथ पूरी तरह से बेतकल्लुफ़ हो चुका था , धीरे से बोला ।

"ओह, भई मॉर्गेन्ट, मैंने सुना जो तुमने कहा ।" बाले उसको बोला

"बैठे रहो, हमारे पास समय नहीं है," सार्जेंट ने धीरे से उत्तर दिया

और यह देखकर कि कोई भी उसकी हरकतों पर ध्यान नहीं दे रहा है, वह भौंहें चढ़ाकर खड़ा हो गया।

और उठ गया ।

"मैं अपना सत्याग्रह वापस ले रहा हूँ।" यह कहकर वह तेजी से उनकी ओर बढ़ा।और करीब आ गया.

वे लगभग सात-आठ मील तक ऊँचे, बर्फ़ से ढके टीलों पर चढ़े और उतरे थे और अब धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहे थे।

बर्फ़ में जगह-जगह उन्हें गिरे हुए पेड़ों या मशरूमों की ऊपरी शाखाएँ दिखाई दे रही थीं। इधर-उधर, बर्फ के नीचे दबी चट्टानों की दरारों में, उन्हें बर्फ से ढकी कुछ झाड़ियाँ भी दिखाई दे रही थीं।

"इंस्पेक्टर रेमंड, यह क्या है?" खान ने दूरबीन हाथ में लेते हुए चौंककर कहा। और उसे एक झाड़ी के पास एक ऊँची पहाड़ी पर कुछ काला सा दिखाई दिया।

वहाँ शायद कोई लाश हो। खान ने दूरबीन इंस्पेक्टर रेमंड की ओर तान दी।

उसने कहा--यही लगता है। रेमंड ने सहमति जताई। और वे तेज़ी से आगे-पीछे चलते हुए ऊपर पहुँच गए।

झाड़ी में सचमुच एक गोरे आदमी की लाश उलझी हुई थी। लाश ताज़ा थी, पर उस पर चोट के कोई निशान नहीं थे।

"प्रोफ़ेसर ड्रेक---। मैं इन्हें जानता हूँ।ये यहाँ के एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे," इंस्पेक्टर ने चौंककर कहा। "उनकी तस्वीर कई बार अख़बारों में छप चुकी है।"

तो इसका मतलब है कि यह मिशन का ही आदमी है जो हवाई जहाज़ से यहाँ आया है। खान बुदबुदाया।--
-- रुको, अभी सब साफ़ हो जाएगा। यह कहते हुए खान लाश के पास झुका और उसकी गर्दन को ध्यान से देखा। गर्दन पर हल्के उँगलियों के निशान थे।

अब किसी चीज़ के लिए जगह नहीं है, बस यही काम है उस लामा का। उसकी हड्डियाँ स्टील जैसी मज़बूत और शक्तिशाली हैं, और जो गर्दन उसकी पकड़ में आती है, वो तभी छूटती है जब आदमी की साँसें थम जाती हैं। वह इन लोगों तक पहुँचने में ज़रूर कामयाब रहा होगा।----खान ने कहा

इंस्पेक्टर रेमंड और बाकी लोगों को अब एक अजीब सा डर लगने लगा, उन्हें सालाज़ार की मौजूदगी का यकीन हो गया, लेकिन खान को समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या सोच रहा है।

वह ऊपर से लुढ़क कर नीचे आया , वह कुछ देर तक ऊपर देखता रहा, फिर ऊपर की ओर दौड़ने लगा। रेमंड, इसरार और इब्राहिम भी उसके पीछे दौड़े, लेकिन दोनों हवलदार शव का निरीक्षण करते रहे। ऊपर पहुँचकर खान दूसरी तरफ देखने लगा, लेकिन जहाँ तक उसकी नज़र जा रही थी, सफ़ेद बर्फ के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।

"देखो, दूर कुछ काले धब्बे दिखाई दे रहे हैं।" असरार ने पीछे से ख़ान की ओर उंगली उठाई।

बर्फ़ में भेड़िये होंगे। --इब्राहिम ने अपनी राय दी।

लेकिन खान ने दूरबीन से देखना शुरू कर दिया।

वे पाँच हैं। खान ने मन ही मन कहा, "और वे शायद इसी तरफ़ आ रहे हैं। हमें यहीं रुकना चाहिए।" उसने और गौर से देखा और कहा,

"आपके पास एक पॉकेट कम्युनिकेटर है, मूर?" इंस्पेक्टर रेमंड ने पुकारा।

सार्जेंट मोर्स ने पूछा.

है सर, -- मूर ने वहां से उत्तर दिया।

"इसे यहाँ लाओ," उसने आदेश दिया, और सार्जेंट ने अपना पॉकेट कम्युनिकेटर निकाला। उसने ट्रांसमिटिंग रॉड को उसके केस से बाहर निकाला और कॉल करना शुरू कर दिया।

एफबीआई लिंग, ऐप. एफबीआई लिंग, ऐप.

एपीपी लेक ज़ोन प्रेजेंट । एफबीआई । एपीपी लेक ज़ोन बीटर।

थोड़ी देर बाद उसके कानों में एक आवाज़ गूंजी।

डेनवर पर्वत की पूर्वी तलहटी में एक दुर्घटनाग्रस्त विमान बर्फ में धंस गया है, तीन जले हुए शव मिले हैं, और इसके उत्तर-पश्चिम में लगभग 9 मील की दूरी पर, प्रसिद्ध अमेरिकी वैज्ञानिक प्रोफेसर ड्रेक का शव एक झाड़ी में पाया गया है।

73

प्रोफेसर ड्रेक ? - दूसरी तरफ से एक चौंकाने वाला सवाल आया।

"जी हाँ, किसी रहस्यमयी शक्ति ने उनका गला घोंटकर हत्या कर दी। बस। हम हत्यारे की तलाश कर रहे हैं, बस।"

"यह बहुत अजीब है, लेकिन हम इसमें क्या मदद कर सकते हैं?"

मेरे साथी, जासूस का मानना है कि रहस्यमय हत्यारा अभी भी बर्फीले पहाड़ों में कहीं है, और हवाई पीछा किया जाना चाहिए,

"ओह, क्या वह अकेला है?"

"वहां उसके साथ कोई और आदमी भी हो सकता है।"

"ठीक है, हम ऊपर से तलाशी लेंगे।" इसके बाद, कमान की श्रृंखला समाप्त कर दी गई और इंस्पेक्टर ने यंत्र सार्जेंट को सौंप दिया।

उन्होंने कहा, "और आपको एपीपी के साथ संपर्क स्थापित करना चाहिए।"

"क्या बात है, एपीपी?" बाले ने मोर से पूछा।

"एयर पैट्रोल पुलिस," मूर ने अपना कान संचारक पर लगाते हुए उत्तर दिया।

खान और इंस्पेक्टर रेमंड खुद ढलान से नीचे उतरे और आने वाले लोगों की तरफ़ बढ़ने लगे। चेहरे से काफ़ी थके हुए लग रहे लोगों ने गर्म कपड़े पहने हुए थे। वे हैरानी से उन्हें देख रहे थे।

"तुम लोग कौन हो? इंस्पेक्टर ने अजनबी होने का नाटक करते हुए उनसे पूछा। हालाँकि वह उनमें से कुछ को पहचानता था। उसने उन्हें उनकी तस्वीरों में देखा था। वे कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान अनुसंधान के उन्नत आयोग के सदस्य थे,

जिन्होंने दो साल पहले एक नए इंजेक्शन का आविष्कार किया था, जिसका असर यह हुआ कि अंधे लोगों को कम मेहनत में ही आँखों की रोशनी वापस मिल गई और व्यक्ति देखने लगा। लेकिन इस इंजेक्शन की एक और खासियत थी। इससे निःसंतान लोगों को भी संतान की प्राप्ति

हुई। उनके इस सफल शोध का सूत्र भी बिल्कुल नया था, जिसके कारण उन्हें काफी प्रसिद्धि मिली। उनके कुछ अन्य वैज्ञानिक आविष्कार भी प्रसिद्ध हुए।

हम अपने दो साथियों को ढूँढ रहे हैं। वे यहीं कहीं खो गए हैं।

उनमें से एक चला गया,

उन्होंने सुन , शायद उसे तुरंत कुछ समझ आ गया

"इस टीले के पीछे एक झाड़ी के पास एक लाश पड़ी है, शायद वह आपके सहकर्मी की हो। यह कहकर इंस्पेक्टर रेमंड और खान दोनों उसे लाश दिखाने के लिए प्लेट के पास गए।

"लाश," उनमें से दो ने आश्चर्य से कहा। और खान ने देखा कि सबके चेहरों पर सदमे के भाव थे।

अकरम उन्हें शव के पास ले गए। शव को देखते ही सामने वाला आदमी दौड़कर उसके आगे झुक गया।

ओह, वो फरार हो गया,कमबख्त । उसने दाँत पीसते हुए कहा,

"वह कौन ?" इंस्पेक्टर रेमंड ने पूछा।

"यानी हमारा एक और सहकर्मी। उसने कुछ घबराए हुए स्वर में कहा।

उसे ढूँढ़ने की कोशिश कर रहे हैं-- इंस्पेक्टर ने अर्थपूर्ण स्वर में कहा और फिर खान की तरफ देखा। दोनों मुस्कुरा दिए।

सर, --एक बिंदीदार काले सार्जेंट ने इंस्पेक्टर से कहा।

"क्या?" इंस्पेक्टर ने कठोर चेहरे से पूछा।

एपीपी नं. रिपोर्टिंग, सर. उसने जवाब दिया.

जगह?

उत्तर-पूर्व की ओर ढलान पर दो काले बिंदु रेंग रहे हैं।

खान ने दोनों को निर्देश दिया, "इसरार तुम और इब्राहिम, किसी तरह इस शव को डकोटा तक ले जाओ और हम वहां होंगे।"

"जी बेहतर है," असरार ने जवाब दिया, और फिर वह शव की ओर मुड़ा।

"हमें यह सुनकर दुख हुआ, हमें अफ़सोस है कि यह शव आपको नहीं सौंपा जा सकता, लेकिन क्या मैं आपके यहाँ आने का उद्देश्य पूछ सकता हूँ?" इंस्पेक्टर ने प्रोफ़ेसर लोथर से पूछा। वे उनके नेता लग रहे थे।

"शायद आपको पता नहीं कि इस आयोग का सारा शोध कार्य गोपनीय है और सरकार हमसे तब तक कुछ नहीं पूछ सकती जब तक हम खुद न बताएँ।" प्रोफ़ेसर ने थोड़े मीठे स्वर में उत्तर

दिया। हालाँकि खान और रेमंड को उनका यह लहजा अप्रिय लगा, फिर भी वे चुप रहे। रेमंड जानते थे कि इन वैज्ञानिकों के अधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती।

उन्होंने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और उत्तर-पूर्व की ओर चल पड़े। वैज्ञानिकों ने कुछ देर आपस में सलाह-मशविरा किया और फिर खुद इसरार और इब्राहिम के पीछे चल पड़े। उस समय, वे दोनों रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों की तरह प्रोफ़ेसर ड्रेक हार्टल का शव ढो रहे थे। ड्रेक हार्टल का खून मामूली बात नहीं थी , लेकिन सिर्फ़ ये बर्फीले बंजर इलाके ही इस बात को जानते थे।

☆☆

76

पैदल पीछा करने की तरह, हवाई पीछा भी व्यर्थ रहा। एयर पैट्रोल पुलिस के विमान ने दूर से जिन दो मानव परछाइयों को काले बिंदुओं के रूप में देखा था, वे पहाड़ी ढलान पर कहीं गायब हो गई थीं। खान और रेमंड ने जहाँ तक हो सका, उन्हें ढूँढा, लेकिन वे कहीं नहीं मिलीं। एपीपी विमान ने भी अंततः अपनी विफलता की सूचना दी और पाँच-छह घंटे बाद निराश और थका हुआ वापस लौट आया।

प्रोफेसर हार्टले के शव को विमान में लाद दिया गया था और अब उन्हें जल्द से जल्द साल्ट लेक सिटी पहुंचना था, ताकि वहां से वे डेनवर के उस पार उपनगरीय पुलिस को भी सूचित कर सकें, ताकि वे अपने क्षेत्र में दो रहस्यमय प्राणियों की खोज कर सकें, जिनमें से एक की उपस्थिति अजीब और भयावह हो सकती थी।

तीन घंटे बाद, तेज़ उड़ान से, वे दिन ढलते-ढलते साल्ट लेक सिटी पहुँच गए, लेकिन उनसे पहले ही प्रोफ़ेसर ड्रेक हार्टल के खून की खबर जंगल की आग की तरह फैल चुकी थी। वैज्ञानिकों का दल यहाँ पहुँच चुका था, और अखबारों के पत्रकार पहले से ही हवाई अड्डे पर मौजूद थे। जैसे ही उनका विमान ज़मीन पर रुका, पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया। वे प्रसिद्ध वैज्ञानिक ड्रेक हार्टल के खून के बारे में जानना चाहते थे।

इंस्पेक्टर रेमंड को मजबूरन पत्रकारों को बताना पड़ा, "हम आपको सिर्फ़ इतना बता सकते हैं कि हमें उसका शव डेनवर की एक पहाड़ी पर मिला था।"

"वाह, लेकिन आपकी राय में यह खून क्यों, कैसे और किसके हाथों से आया होगा?" डेली हेराल्ड के संवाददाता ने उनसे पूछा।

इंस्पेक्टर ने कहा, "हम इस मामले पर ज़्यादा कुछ नहीं बता पाएँगे।" वह "हम" शब्द का इस्तेमाल भारतीय जासूस सुपरिंटेंडेंट खान के लिए कर रहा था।

वह चाहता था कि पत्रकार उससे कुछ प्रश्न पूछे, लेकिन खान ने स्वयं ऐसी छवि बना ली थी मानो वह भी उनके जैसा अप्रासंगिक व्यक्ति हो या फिर कुछ भी नहीं जानता हो।

रेमंड ने कहा, "लेकिन हम एक रहस्यमय प्राणी की तलाश कर रहे हैं जो न केवल भयानक है बल्कि अद्भुत भी है, और उसी ने यह भयानक अपराध भी किया है।"

एक पत्रकार ने आश्चर्य से पूछा, "क्या ?"

"हां, क्योंकि डकोटा आपदा भी इसी श्रृंखला की एक कड़ी प्रतीत होती है।

हो सकता है कि वो गिरा न हो, बल्कि उसे गिराया गया हो।-- उनके लिए, इंस्पेक्टर ने एक और सनसनीखेज खुलासा किया।

जैसे ही अखबारों को प्रोफेसर हार्टल के खून की खबर मिली, यह खबर पूरे अमेरिका में फैल गई। उन्हें अमेरिका के प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक माना जाता था। इसलिए, उनकी रहस्यमय मौत को लेकर अटकलों में सभी की दिलचस्पी थी और हर तरफ से सवाल पूछे जा रहे थे कि वैज्ञानिकों का यह मिशन वहाँ क्यों गया था और मौत कैसे हुई। पुलिस ने पैटली को और अधिक जानकारी नहीं दी, क्योंकि उन्हें अभी तक आयोग के सदस्यों से बयान लेने की आधिकारिक अनुमति नहीं मिली थी, जिसे अधिकारियों द्वारा गुप्त भी रखा जा रहा था। इससे मामले की प्रकृति और भी महत्वपूर्ण और रहस्यमय हो गई। पुलिस अधिकारी स्वयं यह नहीं समझ पा रहे थे कि आयोग के सदस्य इस लापता सहयोगी के बारे में कुछ भी बताने से क्यों बच रहे थे, जिस पर प्रोफेसर हार्टल का खून होने का संदेह हो सकता था।

78

लॉस एंजिल्स में इंस्पेक्टर रेमंड, खान और उनके साथी अपने प्रवास के तीसरे दिन थे, लेकिन तरह-तरह के उपाय करने के बावजूद, उन्हें उसका कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका। खान को पूरा यकीन था कि लापता व्यक्ति कोई और नहीं, बल्कि लामा ही हो सकता है। लेकिन उसने समूह का रक्त परीक्षण नहीं किया। यह बात सिर्फ़ वही जानता था, और वैसे भी, चूँकि रेमंड ने सालाज़ार जैसा दुर्जेय व्यक्ति कभी नहीं देखा था, इसलिए उसे यह समझाना बेकार था कि मारे गए प्रोफ़ेसर की गर्दन पर उंगलियों के निशान, जो काफ़ी गहरे और स्पष्ट थे, सिर्फ़ सालाज़ार के ही हो सकते हैं। यह समस्या भी हल हो जाती अगर आयोग के सदस्य यह मान लेते कि उनका छठा लापता साथी असल में उनका कैदी, तिब्बती लामा, ही था। लेकिन चूँकि आयोग के सदस्य,

जो एक भौगोलिक शोध के लिए तिब्बत जा रहे थे, उसे वहाँ से अगवा कर लिया था, जो अपने आप में एक गैरकानूनी और ग़लत कदम था, इसलिए वे इस मामले में चुपचाप और गुप्त रूप से काम कर रहे थे। हालाँकि, खान ने इस बार पहले ही तय कर लिया था कि वह सालाज़ार को ज़िंदा या मुर्दा ले जाएगा, इसलिए आयोग के सदस्यों के बयानों में उलझने के बजाय, वह सीधे अपना काम करना चाहता था। उसने वाशिंगटन से स्वतंत्र आवाजाही के लिए एक अधिकार पत्र प्राप्त कर लिया था और पूरे अमेरिका में पुलिस सहायता को अधिकृत कर लिया था। उसने इंस्पेक्टर रेमंड के सुपर-वैज्ञानिक, प्रोफ़ेसर प्रैटल के खून और डकोटा दुर्घटना की जाँच की ज़िम्मेदारी इंस्पेक्टर रेमंड को सौंप दी, और उसी दिन वह लॉस एंजिल्स के एक अलग अंतरराष्ट्रीय होटल, डी नेसिया में अस्थायी रूप से रुक गया। उसने इंस्पेक्टर रेमंड को सूचित किया कि अब वह खुद काम करेगा और वह भी उसके लिए स्वतंत्र है। रेमंड सहमत हो गया और उसने प्रोफ़ेसर प्रैटल के खून और हत्या के उद्देश्यों, परिस्थितियों और तरीके की जाँच की ज़िम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। डकोटा दुर्घटना की जाँच दल पहले ही वायु सेना मुख्यालय के लिए रवाना हो चुका था, लेकिन वह खुद अभी भी वहाँ जाने में असमर्थ था।

79

लेकिन अपनी संतुष्टि के लिए जांच करना चाहता था।

$$$$$$$$$$$$

उस शाम, होटल डी नेसिया में एक मेज़ के चारों ओर दो बर्मी बैठे थे और आपस में कुछ गुपचुप बातें कर रहे थे। होटल के निचले दो हॉल मेहमानों से खचाखच भरे थे, तमिलों के बैठने

की कोई जगह नहीं थी। किसी नस्लीय आकर्षण या मनोवैज्ञानिक प्रभाव के चलते, ज़्यादातर अश्वेत या एशियाई एक तरफ़ थे। वैसे, कुछ यूरोपीय या अमेरिकी जो ज़्यादा प्रगतिशील थे और रंग-रूप और नस्ल में विश्वास नहीं रखते थे, वे भी उनके बीच बैठे थे, और बातचीत के ज़रिए उन्होंने कुछ एशियाई लोगों से दोस्ती भी कर ली थी।

दोनों बर्मी, उस जगह से अनजान होने के बावजूद, काफ़ी ज़िंदादिल और विनम्र लग रहे थे। उन्होंने इस शानदार होटल के हॉल को अपनी मौसी का घर समझ लिया था। वे दूसरों की चीख-पुकार की परवाह किए बिना अपनी बातचीत जारी रखे हुए थे। और कभी-कभी तो वे बेवकूफ़ों की तरह हँस भी रहे थे।

इस होटल की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि इसके कर्मचारियों और वेटरों में हर देश से कम से कम एक-दो वेटर ज़रूर होते थे, जो अपने-अपने देश से आने वाले पर्यटकों या मेहमानों के ज़्यादा करीब और मददगार होते। एक बर्मी आदमी ने दूर से ही उन दोनों को देख लिया और यह देखकर कि बाकी वेटर उन पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, वह उनके पास गया।

"क्या मैं आपकी कुछ सेवा कर सकता हूँ, श्रीमान?" उसने बहुत ही विनम्र भाव से थोड़ा झुककर पूछा।

इस समय, इन बर्मी मेहमानों में से एक टेलीविजन स्क्रीन को घूर रहा है।

जहां विश्व प्रसिद्ध भारोत्तोलक मार्सियानो का शानदार प्रदर्शन टेलीविजन पर दिखाया जा रहा था।

"यह पहलवान है या जंगली सुअर?" उसने बिना मुँह फेरे अपने साथी से बर्मी भाषा में पूछा। पास आया बर्मी वेटर ज़ोर से हँस पड़ा। थोड़ी देर बाद, उसने अपने देश के लोगों से अपनी भाषा में एक मज़ेदार वाक्य सुना था।

"सर, क्या मैं आपके लिए कुछ ला सकता हूँ?" वह विनम्रता से फिर उनकी ओर मुड़ा।

ओह, हाँ, एक जंगलीसुअर, ओ आई एम सॉरी , क्वार्टर शैम्पेन --वह चौंक कर बोला ।"

" शैम्पेन जानना शौक है, कुछ ऐसा पी लो जिससे मेरे जिगर से खून बहने लगे," उसके साथी ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा।

"मुझे शैम्पेन का लिंग नहीं पता था, इसलिए आप कोई मर्दाना लेकर आइए।" उसने मुझसे कहा।

"जाओ भाई।ये पैदाइशी बुद्धू है। तुम कोई अच्छा सा ठंडा पेय ले आना।" दूसरे ने समझाया।

 "आप लोग बर्मा से हैं, है ना?" वेटर ने उनका ऑर्डर नोट किया और पूछा

और क्या आप हमें असम में देख रहे हैं? पहला आदमी "मारसियानो " का प्रदर्शन प्रदर्शन भूल गया और इस तरफ़ मुड़ गया।

ओह नहीं, मेरा मतलब है, मैं भी बर्मा से हूं।

ओह, वेटर, आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई। आप शायद बहुत देर से इंतज़ार कर रहे होंगे हमारा ---पहला बर्मी बिल्कुल सहज भाव से बोला।

लेकिन दूसरा बर्मी... मेजों पर बैठे लोग उसे अजीब तरह से देख रहे थे, मानो सोच रहे हों कि क्या इस काले रंग के बर्मी को किसी भी तरह से सभ्य कहा जा सकता है, जो एक वरिष्ठ होटल कर्मचारी से इतनी स्पष्टता से बात कर रहा था।

"हम रंगून से हैं। दूसरे बर्मी ने गंभीर स्वर में बताया।

"बहुत बढ़िया, महोदय। बहुत बढ़िया। मैं अपने देश के लोगों को देखकर बहुत खुश हूँ," वेटर ने खुशी से अभिभूत होकर सरल स्वर में कहा।

"रंगून में मुर्गी का अंडा कितना बड़ा होता है?" वेटर के सामने खड़े बर्मी ने पूछा।

"मुझे समझ नहीं आया, सर," वेटर ने आश्चर्य से कहा।

"तो मान लो हम आपकी परीक्षा ले रहे हैं।"

"ये कुरान और सुन्नत अपनी जेब में ही रख लो बरखोरदार, ये शरीफ लोगों का होटल है, तुम्हारी मौसी का घर नहीं।" पहले वाले को दूसरे वाले पर डाँटा।

आप सबके सामने मुझे इस तरह घूर रहे हैं और मेरा अपमान कर रहे हैं।

"अच्छा हुआ कि मैं तुम्हारा काम नहीं कर रहा।" दूसरा गंभीर स्वर में बोलता रहा। फिर उसने उसे जाने का इशारा किया। और बेयरा, उन्हें झगड़ते देखकर, मुस्कुराते हुए चला गया।

आप इन दिनों बहुत ज्यादा फ़ारसी बोल रहे हैं, कहीं ऐसा न हो कि सरकार आपको ईरानी पासपोर्ट दे दे।

82

"शायद आप भूल रहे हैं कि हम इस समय अमेरिका में बैठे हैं।" पहला मेहमान कुछ कहने ही वाला था कि रेडियो पर समाचार आने का समय हो गया।

वाशिंगटन स्थित एफबीआई मुख्यालय को एक सनसनीखेज रिपोर्ट मिली है कि दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में एक भयानक और रहस्यमयी व्यक्ति देखा गया है, जिसका शरीर केवल एक मानव कंकाल है। गोलियों या हथियारों का असर न करने वाला यह विचित्र जीव अब तक कम से कम छह लोगों की जान ले चुका है। पुलिस उसे हर जगह ढूंढ रही है, लेकिन पता नहीं वह कब और कहाँ घुस आएगा। इसलिए, अपनी सुरक्षा करें और अगर किसी को यह विचित्र जीव दिखाई दे, तो तुरंत एफबीआई शाखा या नज़दीकी पुलिस चौकी को सूचित करें ताकि उसे काबू किया जा सके।

और इस सूचना के बाद, डेनवर के पहाड़ों में विमान दुर्घटना, तीन चालक दल के सदस्यों की मृत्यु और प्रोफेसर हरटले के खून की सनसनीखेज खबर प्रसारित की गई, जिसने लोगों में एक अजीब सा आतंक फैला दिया। इन समाचारों में, पुलिस के अनुमान के अनुसार, नेप्च्यून जहाज के दंगों और पोर्ट्समाउथ और न्यूयॉर्क के गोदी में हुई घटनाओं और मिट्टी के पुल की भयानक घटना का भी उल्लेख किया गया था, और कहा गया था कि यह आपदा कहीं बाहर से आई थी, लेकिन साथ ही, वैज्ञानिक अनुसंधान मिशन और प्रोफेसर हरटले के भगोड़े साथी का कोई उल्लेख नहीं था। शायद उसे सुधारवादी गुट द्वारा गुप्त रखा जा रहा था। समाचार में इस छोटे से

विराम के बाद, एक खानाबदोश जिप्सी गीत की रिकॉर्डिंग फिर से शुरू हुई। और बर्मी लोगों ने अपना ध्यान इस ओर से हटा लिया और फिर से एक-दूसरे से बात करना शुरू कर दिया।

"वह अभी तक नहीं आया है। उनमें से एक ने अपनी कलाई घड़ी देखी।

"समय हो गया है, उसे आना ही होगा। दूसरे ने कहा।

लेकिन तभी एक लंबा-चौड़ा, भारी-भरकम हिंदुस्तानी हॉल के इस हिस्से में दाखिल हुआ। उसने इधर-उधर देखा, लेकिन जैसे ही उसने इन बर्मी लोगों को देखा, उसके होठों पर मुस्कान फैल गई।

"नमस्ते, श्रीमान नूनो, उन्होंने उनमें से एक का नाम लेते हुए कहा।

"बैठ जाइए, मिस्टर घासी राम। एक बर्मी ने उन्हें एक कुर्सी दी और दूसरा चुपचाप देखता रहा.

"क्या हुआ?" बर्मी ने उससे धीरे से पूछा।

फ़ोन पर रेमंड ने बताया कि वैज्ञानिकों के मिशन पर मौजूद सभी लोग मौजूद थे, सिर्फ़ दिवंगत प्रोफ़ेसर को छोड़कर, और जिस व्यक्ति के बारे में उसने बताया था कि वह लापता है, वह उसकी उपनगरीय निजी प्रयोगशालाओं का एक रहस्यमय कैदी था, जिसके बारे में सिर्फ़ इतना

ही पता था: वह एक छोटा, चपटा चेहरा और दुबला-पतला, छोटे सिर वाला आदमी था। आगंतुक ने बताया।

तो वह ज़रूर कोई मछुआरा रहा होगा और सालाज़र ने उसे उनके कब्ज़े से छीना होगा। मिशन के विमान का पीछा करने वाला कोई और नहीं बल्कि सिमोर का व्यापारी सालाज़र ही हो सकता था।

"लेकिन उसके पास इतने अमेरिकी डॉलर कहां से आए कि वह विमान आदि के लिए विशेष व्यवस्था कर सके?" पहले बर्मी ने पूछा।

"यह नामुमकिन था। वे इतनी धीमी आवाज़ में बात कर रहे थे कि उनकी आवाज़ दूसरी मेज़ तक पहुँचना लगभग नामुमकिन था।

"उसने ज़रूर कोई रूप धारण किया होगा। वह बहुत ख़तरनाक और चालाक है।

अन्य बर्मी ने कहा, "वह एक खतरनाक और चालक आदमी है, कोई भी काम अधूरा नहीं रखता।"

"तो फिर यह कैसे पता चलेगा कि वह किस ओर गया है?"

"यह अजीब समस्या है: इतने बड़े और अजीब देश में एक आदमी को कैसे खोजा जाए?"

"मुझे लगा था कि एफबीआई चारों तरफ जाल बिछाकर उसे ज़रूर पकड़ लेगी। लेकिन यहाँ तो ऐसा लग रहा है जैसे किसी सरकारी राज़ के चलते इस मामले को ज़्यादा तवज्जो नहीं दी जा रही।-- दूसरे बर्मी ने चिंतित स्वर में कहा।

"लेकिन रेडियो पर हर जगह उसकी खोज की घोषणा की गई है।"

"बस देखते रहो, और मुझे डर है कि कहीं लामा ने अपने विचार के अनुसार वह अद्भुत नुस्खा, वह अनजानी जड़ी-बूटी ला दी हो जिसे हड्डियों पर रगड़ने से मांस और त्वचा प्राप्त हो सकती है, तो सालाज़ार का मिलना नामुमकिन हो जाएगा। वह अपना मानव स्वभाव पूरा करके आम लोगों में घुल-मिल जाएगा और किसी को पता भी नहीं चलेगा कि वह कौन है और कहाँ है। दूसरे बर्मी ने चिंतित भाव से उस आदमी का वर्णन किया।

"तब तो हमारे सारे प्रयास व्यर्थ हो जायेंगे। और हमें हार नहीं माननी चाहिए।"

"लेकिन अब हमें क्या करना चाहिए? क्या हम ऐसे ही भटकते रहेंगे?" पहला बर्मी पूछने लगा.

पीछे खड़े मिस्टर नूनो ने अपनी टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में कहा, "यह आपकी गुज़ारिश है।" यह कहते हुए उन्होंने एक बड़ी बोतल निकाली और उनके सामने रख दी।

उसने वह दे दिया और मुस्कुराते हुए चला गया।

बस, अब और नहीं। तो मुझे प्रोग्राम वगैरह बताओ। वह फिर पूछने लगा। "मेरा दिल यहाँ किसी चीज़ से जुड़ गया है।"

"आपमें कितनी हीन भावना है, वरना अमेरिका में तो सुंदरता सड़कों पर बहती है।"

वाह, क्या खूब तारीफ़ है, साहब। यहाँ तो कोका कबीले के लोग, जो काले आदमी गोरी औरतों को देखते हैं, उन्हें ज़िंदा जला देते हैं। सबसे पहले बर्मी ने जवाब दिया।

खैर, मैं तो यही सलाह दूँगा कि वे तुम्हें मार डालें और जला दें, तब शायद तुम्हें कोई दर्द महसूस नहीं होगा।

खैर, मैंने भी निर्णय ले लिया है।

"क्या?

"मैं कम से कम एक अमेरिकी महिला के साथ अवश्य संभोग करूंगा ताकि यह एक रिकार्ड बना रहे और जरूरत के समय काम आ सके।"

"देखो, मुख्य द्वार पर खड़ा वह सार्जेंट हमें घूर रहा है, दाल में कुछ कला है ," दूसरे बर्मी ने कहा।

"गोरे देश में दालें तो सफ़ेद होनी चाहिए, पर काली वाली भी चलेगी। अच्छा, अभी यहाँ से निकलो, बाद में प्रोग्राम बनाएँगे।" यह कहकर वह खड़ा हो गया।

उन्होंने अपना बकाया चुका दिया था, इसलिए वे दोनों, भारतीय के साथ, मुख्य द्वार से बाहर निकल गए।

"श्रीमान! पीछे से आए अमेरिकी पुलिस सार्जेंट ने उसे रोका।

वह रुक गया।

"मानोनो गो चोगा गोहार।" पहला बर्मी उसकी ओर मुड़ा और बोला। शायद वह समझ गया था।

86

सार्जेंट बर्मी भाषा में पारंगत नहीं है, अन्यथा वह बर्मी भाषा बोलता, और उसने अपनी स्वयं की आविष्कृत बर्मी भाषा शुरू कर दी।

व्हाट ?--सार्जेंट ने अपनी भौहें उठाते हुए पूछा।

"वे पूछ रहे हैं

" क्या आप हमसे कुछ कह रहे हैं? दूसरे बर्मी ने इसका अंग्रेज़ी में अनुवाद करके सार्जेंट को समझाया।

"आप कहाँ रहते हैं?" सार्जेंट ने दूसरा प्रश्न पूछा।

दामी पर्सिनो, क्या बात है, मुर्गी का बच्चा, --पहल बर्मी फिर अपनी खिचड़ी भाषा बोलने लगा। और पीछे खड़े भारतीय को अपनी हँसी रोकनी पड़ी।

"और हम बर्मा से हैं। हम पर्यटन के लिए आए हैं। फिर से एक और बर्मी भाषा का अनुवाद।

यदि आपको कोई आपत्ति न हो तो मैं आपके पासपोर्ट देखना चाहूंगा।

सार्जेंट ने बहुत विनम्र स्वर में कहा।

" पासपोर्ट अमी दर जेब भी रकिन्द , -दर चिड़ि खाना शमा रखे हुए गिंद ।" पहले बर्मी ने अब फ़ारसी की अच्छे से हजामत कर दी । और पीछे खड़े भारतीय को हँसी रोकने के लिए छींकने का बहाना बनाना पड़ा।

:ये कहते हैं की हम अपने पासपोर्ट की जेब में रख कर नहीं घूमते , घर में रखते हैं।-- इस बार दूसरे व्यक्ति ने इसका फिर से अनुवाद किया।

"आप कहाँ रहते हैं?"

"दरमियां आसमान ओ जमीन.. पहले बर्मी ने फिर से बोलना चाहा ।

"चुप रहो," दूसरे बर्मी ने गुस्से से उसे डांटा।

जी , हम अभी तक कहीं रुके नहीं हैं।" फिर उसने सार्जेंट को जवाब दिया।

"तुम लोगों का चरित्र संदिग्ध है, तुम्हें हमारे साथ पुलिस चौकी चलना होगा।" यह कहते हुए हवलदार ने सामने खड़ी पुलिस की गाड़ी की ओर हाथ हिलाकर आवाज़ लगाई, जो तुरंत स्टार्ट होकर पास आ गई।

"आप लोग अंदर बैठिए।" सार्जेंट ने अब आदेशात्मक स्वर अपनाया।

"एँ चीनियों मॉडल मुसीबत असत ?" पहले बर्मी ने अपनी भाषा में फिर पूछा।

"चलो थोड़ा मज़ा करते हैं और फिर कुछ निजी मुलाक़ातें भी होंगी।" दूसरे बर्मी ने खुद को कार में धकेलते हुए कहा, और वह भारतीय भी उसमें बैठ गया।

पुलिस की गाड़ी एक चौड़ी सड़क पर चलती हुई एक छह मंजिला इमारत के प्रवेश द्वार पर रुकी, और सार्जेंट की मोटरसाइकिल भी वहीं खड़ी थी। फिर, वे सार्जेंट को लिफ्ट से इमारत की चौथी मंजिल पर ले गए।

यहां, पंक्ति में बने कमरों में से एक में संदिग्ध एलियंस की जांच करने वाले अनुभाग का बोर्ड लगा हुआ था।

"अंदर आइए," सार्जेंट ने खुद कमरे में दाखिल होते हुए कहा। और वे सब एक-एक करके अंदर चले गए।

अंदर पहले कमरे में, एक मेज़ के चारों ओर कुछ और लोग बैठे थे, जिनसे सादी वर्दी में पुलिसवाले पूछताछ कर रहे थे। सार्जेंट उन्हें दूसरे कमरे में ले गया। वहाँ एक मेज़ पर एक मोटा पुलिसवाला बैठा था और एक सादी वर्दी में एक और आदमी, जो एफबीआई का अधिकारी था, बैठा था। वह अपनी मेज़ पर बैठा हँस रहा था और बातें कर रहा था। सार्जेंट ने सलामी दी और कहा,

महोदय, ये संदिग्ध अजनबी हैं।

यह सुनकर दूसरा बर्मी मुस्कुराया। "एँ तुआरफ बर जीनों नेस्ट ," पहले बर्मी ने फिर बहस में दखल दिया।

"आप लोग कौन हैं?" एफबीआई अधिकारी उनकी ओर मुड़ा।

"हम आपके मेहमान हैं। दूसरा बर्मी बोला।
और असल में हम खुद यहाँ आना चाहते थे, अच्छा हुआ कि हम ऐसे ही आ गए। उसने कहा।

"क्या मतलब है तुम्हारा?" एफबीआई वाले ने पूछा। जवाब में, दूसरे बर्मी ने अपनी जेब से एक छोटी सी पासबुक निकाली और उसके सामने रख दी। उसने भौंहें चढ़ाईं। फिर उसने बर्मी के चेहरे को एक बार ध्यान से देखा और मुस्कुराया। "आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई, मिस्टर खान।" उसने हाथ मिलाने के लिए हाथ बढ़ाया। "लेकिन आपको इस मेकअप की क्या ज़रूरत थी?" उसने पूछा।

सालाज़ार मुझे अच्छी तरह जानता है और अगर उसे पता चल गया कि मैं उसकी तलाश में इतनी दूर आया हूँ, तो वह बिल्कुल छिप कर सुरक्षित रहेगा और इस महान देश में उसे ढूँढ़ना मुश्किल हो जाएगा।

दूसरे बर्मी ने, जो असल में सुपरिंटेंडेंट ख़ान था, जवाब दिया। सार्जेंट हैरानी से उसे देख रहा था।

ममा जफ़ो मनम बाले साहब - रश दोस्ती में जो रंड। उस ने एक बार बेतुकी फ़ारसी में अपनी बात कही थी
.

जल्द ही: वे एक-दूसरे के साथ बहुत खुल गए और न जाने क्यों, लगभग हर देश की पुलिस में सहयोग की भावना इतनी प्रबल होती है कि वे पल भर में दोस्त बन गए। बाले हवलदार के साथ बाहर आया और हवलदार का दिमाग़ इतनी बुरी तरह चाटने लगा कि लाचार अमेरिकी

हवलदार को काम का बहाना बनाकर भागना पड़ा। खान अंदर बैठा इन लोगों से बातें कर रहा था।

तो अब तुमने क्या रास्ता सोचा है? एफबीआई के क्षेत्रीय अधिकारी ने उससे पूछा।

89

पता नहीं कैसे, लेकिन सालाज़ार के हाथ ज़रूर बहुत सारा पैसा लगा होगा, क्योंकि उसने एक हवाई जहाज़ किराए पर लिया था और वैज्ञानिकों के दल का पीछा करने निकल पड़ा था, और अगर वह अपने मकसद में कामयाब हो जाता, तो यह तय है कि सबसे पहले वह उन खूबसूरत और सजी-धजी युवतियों के पास लौटता, क्योंकि जवानी की इसी हवस को कायम रखने के पागलपन में उसने वह खतरनाक नुस्खा ईजाद और आजमाया था, जिसने उसके शरीर का सारा मांस निगल लिया था और उसे सिर्फ़ हड्डियों का ढाँचा बनाकर छोड़ दिया था। हालाँकि, उसके शरीर की मोटी नसें, जो हड्डियों से जुड़ गई हैं और उनके रक्त संचार ने एक स्थिर परिसंचरण तंत्र हासिल कर लिया है, जिससे वह शायद कभी मौत के मुँह में न जाए," खान ने उन्हें बताया।

"लेकिन रक्त परिसंचरण को इस तरह नियंत्रित करने के बावजूद, पंपिंग जारी रहनी चाहिए," एफबीआई क्षेत्र अधिकारी ने अपने काल्पनिक, जादुई अनुमान के अनुसार कहा।

खान ने उन्हें बताया कि इस छाती की संरचना में हृदय और फेफड़े अभी भी बरकरार हैं, क्योंकि वे इस प्रयोग के दौरान भी गति में थे, और जो कुछ भी गति में है वह उसी तरह स्थिर हो गया है।

आप तो एक महान वैज्ञानिक लगते हैं । पुलिस अधिकारी ने गंभीरता से .कहा।

"नहीं, मुझे यह जानकारी ज़्यादातर सालाज़ार से ही मिली है। हालाँकि, मुझे शक है कि अगर उसे अपना पुराना रूप वापस मिल जाए, तो वह फिर से खूबसूरत लड़कियों की तरफ़ भागेगा और उसके लिए उस दुनिया में जाना संभव होगा जहाँ सुंदरता सर्वोपरि है।"

"शायद आप हॉलीवुड की बात कर रहे हैं?"

"और बिल्कुल, क्योंकि विदेशों में यह सर्वविदित है कि हॉलीवुड अमेरिका का परिस्तान है।-- खान ने कहा .

"यह गलत भी नहीं है," एफबीआई अधिकारी मुस्कुराया।

खान ने कहा, "और मैं वहाँ की पुलिस से नए व्यक्ति के बारे में जानकारी का भी इंतज़ार कर रहा हूँ। वह वहाँ पुर्तगाली बनकर पहुँचेगा, क्योंकि उस स्थिति में वह ज़्यादा देर तक लोगों से अनजान नहीं रह पाएगा। अमेरिका में बड़ी संख्या में पुर्तगाली हैं और वे और चीनी ही आपके पास आते हैं।"

एफबीआई प्रमुख या अधिकारी ने प्रशंसा करते हुए कहा, "आपके अनुमान बिल्कुल सही हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि भारत में भी स्वतंत्र विचारों वाले जासूस हैं।"

"शुक्रिया, लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अगर वह अपने मिशन में नाकाम रहा, तो वह अंधकार में डूब जाएगा। बस यही उम्मीद है कि लामा के ज़रिए उसे अपनी खोई हुई ज़िंदगी

वापस मिल जाए, जिससे वह कुछ हद तक सभ्य और सतर्क हो जाए, वरना अगर वह निराश हुआ, तो ज़ाहिर है कि उसे फिर से इस ज़िंदा दुनिया से जलन होने लगेगी, या वह उस दुनिया के लोहे के चंगुल में फँस जाएगा जिसकी ओर वह मुड़ नहीं सकता या जिसका वह आनंद नहीं ले सकता, उन्हें मौत के घाट उतारेगा ।" खान ने उन्हें एक कहानीकार की तरह बताया और वे विस्मय और रुचि से सुनते रहे।

"तो वह केवल औरतों का ही खून करता है?"

"विशेष रूप से उन खूबसूरत लड़कियों और महिलाओं के लिए जिन्हें एक से अधिक पुरुषों से प्यार हो गया है।

"वह एक अजीब आदमी है," पुलिस अधिकारी ने अपना सिर झुकाते हुए कहा।

"यह एक चमत्कार है, लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक दुर्भाग्य। एफबीआई अधिकारी ने कहा। हालाँकि, हम इस संबंध में किसी भी प्रकार की सहायता के लिए तैयार हैं।

खान ने एफबीआई अधिकारी को एक कार्ड देते हुए कहा, "आपको बस इतना करना है कि अगर कहीं भी गला घोंटने की कोई घटना होती है तो कृपया मुझे इस फोन नंबर पर सूचित करें।"

"और कुछ?" उसने पूछा।

अगर मौका आया तो मैं उसे ज़रूर चोट पहुँचाऊँगा। अच्छा, अब मुझे इजाज़त दो। यह कहकर ख़ान खड़ा हुआ, उनसे हाथ मिलाया और बाहर आ गया। सार्जेंट बाले और असरार हिंदुस्तानी वेशभूषा में बाहर थे।

कार्यालय के बाहर से, उन्होंने टैक्सी लेकर लेडीलैंड रिच स्क्वायर तक का सफर तय किया, जहां वे ऑल कलर बार एंड रेस्तरां में ठहरे, जो मिश्रित नस्ल के निवासियों वाला एक मध्यम श्रेणी का होटल था।

आज उनका यहाँ प्रवास का पाँचवाँ दिन था, लेकिन उम्मीद के विपरीत, अमेरिकी अखबारों, रेडियो या पुलिस के ज़रिए भी ऐसी कोई सूचना या घटना की रिपोर्ट नहीं मिली थी, जिससे सालाज़ार से जुड़े होने का शक हो। और सालाज़ार की यह अस्पष्ट चुप्पी उनके किसी काम में व्यस्त होने का संकेत दे रही थी। ख़ान रोज़ अखबारों में हॉलीवुड, ब्रॉडवे थियेट्रिकल सर्कल या रिवेरा बीच और नए साल की पूर्व संध्या आदि की खबरें देख रहे थे।

और उन्होंने एफबीआई के ज़रिए उस गुप्त शाखा के साथ एक कमान श्रृंखला बनाए रखी थी जो गुप्त रूप से विदेशी नवागंतुकों पर नज़र रखती है। उस विभाग को भी अभी तक किसी संदिग्ध विदेशी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली थी।

ठीक दोपहर को, सुपरिंटेंडेंट खान के नाम से उसी होटल के पते पर अचानक एक सूचना आई। उसमें लिखा था: मिस्टर पियानो, मिस्टर नोनो ऑफ़ रंगून, कमरा नंबर 13, पहली मंज़िल, ऑल कलर बार एंड रेस्टोरेंट, लेडीलैंड रीच स्क्वायर।

बेयरे के पास एक छोटी सी ट्रे मे लिफाफा था । उसने वो सुपरिंटेंडेंट खान को सौंप दिया।

"क्या बात है?" असरार ने पूछा।

कोई लिफाफा है ' खान ने इसे पढ़ा और कहा।

"यह कहाँ से आया?" बाले बोला।

लॉस एंजिल्स से।" खान ने सील देखते हुए कहा। उस पर लिखा था कि लॉस एंजिल्स से बोस्टन रेलवे स्टेशन पर एक पार्सल आया है। कृपया जल्द से जल्द आकर स्टेशन पर अपना पार्सल ले लें।

बाले ने सोचा कि उनके कौन से रिश्तेदार लॉस एंजिल्स में पैदा हुए थे।

असरार ने जवाब दिया, "हो सकता है कि यह इंस्पेक्टर रेमंड की ओर से हो या पुलिस विभाग ने कोई उपयोगी समाचार भेजा हो।"

"तुम बहुत समझदार हो। वो कमबख्त मूंछें ही तुम्हें सामान्य ज्ञान सिखाती हैं। मैंने सोचा भी नहीं था कि अगर पुलिस या रेमंड को भेजना होता, तो मैं पहले सूचित नहीं करती।-- बाले ने उसे एक समझदार बूढ़े की तरह समझाया।

"भाई, मेरा दिमाग मत चाटो। तुम जैसे बेवकूफों से बात करना भी पाप है, बस।-- असरार ने झुंझलाकर मुँह फेर लिया। लेकिन खान उठ गया। वह भी उसके साथ था।

उन्हें नॉर्थ ह्यूस्टन रेलवे स्टेशन पहुँचने में मुश्किल से आधा घंटा लगा। माल गोदाम में अनगिनत पार्सल थे। पूछताछ क्लर्क ने उनकी सूचना पर्ची देखकर फ़ाइल खोली।

93

उसे एक रसीद देते हुए उन्होंने उसे पार्सल संख्या 235 लेने का निर्देश दिया और एक कुली को इशारा किया, जो उस युवक के साथ था।

यह लगभग साढ़े पांच फीट लंबा एक बक्सा था जिस पर एक संगीत वाद्ययंत्र लिखा हुआ था।

"यह क्या बला हो सकती है?" बाले ने पूछा.

" देखेंगे," खान ने कहा, फिर उसने बाले के कान में कहा, "इसमें 5.1/4 फीट लंबा एक आदमी या जीवित व्यक्ति है।"

"बाप रे - अब तो आदमी भी पार्सल होने लगा है।" उसने आँखें चौड़ी करके, मुँह से एक अजीब सी सीटी निकालते हुए कहा।

"चुप रहो," खान ने उसे घूरते हुए डांटा।

वे चुपचाप पार्सल बाहर ले आए, किसी ने उनसे रसीद वापस लेने के अलावा कुछ नहीं कहा। शायद इसलिए कि वे विदेशी मेहमान लग रहे थे। वे अजनबी थे।

वे उसे एक टैक्सी से उसे आवास तक ले आए। दरवाज़े पर उसे सिर्फ़ होटल के सुरक्षा गार्ड ने रोका, और वह भी बड़े विनम्र ढंग से। लेकिन सुपरिंटेंडेंट ख़ान ने यह कहकर उसे टाल दिया कि उसके पास गिटार है, और वह कुछ समझ न पाने के कारण चुप रहा।

$$$$$$$$$$$$

अपने कमरे में आकर दरवाज़ा बंद करके उसने बक्सा खोला। वो लोग उसे देखकर आश्चर्य से चौंक गए। लेकिन खान को ज़रा भी आश्चर्य नहीं हुआ। बक्से में लामा था ।

"मुझे पता था कि ऐसा होगा," उन्होंने आत्मविश्वास से कहा।

"लेकिन ऐसा लगता है कि यह मर चुका है," बाले ने कहा।

"देखो, इसमें एक चिट्ठी भी है।" इब्राहिम ने इशारा किया और खान ने बक्से में पड़े लामा के तकिये से एक चिट्ठी निकाली। उसमें लिखा था:

डीयर जासूस

मुझे तुम्हारे कृत्य पर दुःख हो रहा है। बहुत दुःख हो रहा है। तुमने अभी तक लामा की शक्ति को नहीं पहचाना।
तुम हिंदोस्तान से झक मरते हुए यहाँ पहुँच गए ,
मैं भारत से बचकर यहाँ तक पहुँचा हूँ। तुमने अभी तक सलजार की ताकत को नहीं पहचाना । मैं चाहता तो तुम्हारे बचकाने अहंकार में जब चाहता, तुम्हें बर्बाद कर सकता था, लेकिन मैं तुम्हारे कुछ विशेष गुणों की कद्र करता हूँ। इसीलिए मैंने तुम्हें हमेशा माफ़ किया है। तुम्हें मुझे यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि मैं अमेरिका क्यों आया। मुझे सूत्र मिल गया है और अब से पाँच दिन बाद मैं फिर से जवान और स्वस्थ, भरे-पूरे शरीर वाला सालाज़ार बन जाऊँगा। उस समय तुम्हारे फ़रिश्ते भी नहीं जान पाएँगे कि मैं कौन हूँ और कहाँ हूँ, लेकिन फिर भी, एक

सज्जन की तरह, मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि मेरा यह नया जीवन एक स्टाइलिश और नेक जीवन होगा, जिसका उद्देश्य सुंदरता, यौवन और विलासिता होगा। पुराने कल के भयानक सालाज़ार से लड़कियाँ दूर भागती थीं, लेकिन कल का सालाज़ार उनके सुंदर सपनों का देवता होगा। और, बेटा, तुम्हें उसके भाग्य से ईर्ष्या करनी चाहिए। मैंने लामा को क्रूर वैज्ञानिकों के चंगुल से बचाया, इसलिए उसने मेरी मदद की। उसका बताया नुस्खा काम कर रहा है। यह सचमुच एक अजीब सूत्र है।

लेकिन, अपने इस उपकारक को उसके वतन पहुँचाना मेरा फ़र्ज़ था, इसलिए मैं इसे आपके पास भेज रहा हूँ। इसकी साँसें रुकी हुई हैं। लेकिन अगर आप इसकी दोनों मुट्ठियाँ खोल दें, तो यह धीरे-धीरे चलने लगेगा।

मुझे आशा है कि आप एक ईमानदार जासूस की तरह मेरी मदद कर सकेंगे।

95

आप मेरे उपकारकर्ता को उसके वतन ज़रूर पहुँचाएँगे। खैर, यह आपका फ़र्ज़ है। खैर, मैं जा रहा हूँ। और हाँ, जब तक आपको यह पार्सल मिलेगा, तब तक मैं शायद अपने नए रूप में लॉस एंजिल्स से निकल चुका होऊँगा। अब मुझे ढूँढ़ने की कोई भी कोशिश बेकार जाएगी।

बस तुम्हारा पुराना दुश्मन जैसा दोस्त

सलाज़ार

खान ने लामा की दोनों मुट्ठियाँ खोलीं, जो सदमे में बेदम पड़े थे, और उनकी हथेलियों को सहलाने लगा। लगभग पंद्रह मिनट बाद, लामा की साँसें हल्की होने लगीं और फिर उनकी नाड़ी धड़कने लगी। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी आँखें खोलीं। उन्होंने इधर-उधर देखा, फिर उन्होंने अपने ऊपर झुके चेहरों को गौर से देखा।

क्या आप मिस्टर कान हैं? उसने टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में कहा।

मेरा नाम मिस्टर नोक है। कृपया मिस्टर कान से यहाँ मिलें।--बाले ने बड़ी गंभीरता से सुपरिंटेंडेंट खान की मेज़ की ओर इशारा किया।

"उस ने कहा था कि मिस्टर कान तुम्हें तिब्बत ले जाएँगे। वे उठकर बैठे और बोले,

हाँ, हाँ, तिब्बत तो क्या , कान आपको माउंट एवरेस्ट से भी कई हज़ार फ़ीट ऊपर ले जा सकता है। बाले फिर बोला।

"इसे डिब्बे से बाहर निकालो। तुम चुप रहो।" खान ने उसे डाँटा और लामा को हाथ से सहारा दिया।

"क्या सालाज़ार सफल हो गया है?" खान ने उससे पूछा।

लामा ने सरलता से कहा, --उसने उन गोरे अत्याचारियों से मेरी जान बचाई, और बदले में मैंने

उनकी मांग पूरी की है।"

"तो क्या उसे सचमुच नया शरीर और स्वास्थ्य मिलेगा?" खान ने फिर पूछा।

लामा ने कहा, "जो भी चीज सूखे पेड़ पर कम समय में अंकुर पैदा कर सकती है, अगर उसका सही तरीके से उपयोग किया जाए तो सालाजार की सफलता असंभव नहीं है।"

खान ने कहा, "खैर, मुझे आपका फार्मूला समझ में नहीं आया।"

" इसके साथ ही हड्डियों पर एक निश्चित पौधों का लेप लगाया जाता है ---लामा ने उसकी बात सुनी और कहा:

"ये बातें मेरी समझ से परे हैं, लेकिन उसने तुम्हें इस तरह क्यों भेजा?"

"मुझे नहीं पता, पर शायद अगर मुझे ऐसे ही छोड़ दिया जाता, तो मुझे धीरे-धीरे स्थानीय पुलिस के हाथों में पड़ना पड़ता। लामा ने अपनी राय ज़ाहिर की।

"क्या उसने कुछ और कहा?"

उसने मुझसे वादा किया था कि इस नए जीवन में वह कोई क्रूर या आपराधिक कृत्य नहीं करेगा और तभी मैंने उसकी मदद की। लामा बोला-

"और अगर वह अपनी बात से मुकर गया तो क्या होगा?"

तो उसे उसकी सज़ा मिलेगी। क्योंकि उसकी शारीरिक अनंतता अब ख़त्म हो चुकी है।

"ऐसा ही होगा। जैसे-जैसे शरीर में मांस और त्वचा आएगी, खून बहने लगेगा और फिर धीरे-धीरे वह एक साधारण इंसान बन जाएगा, जो मौत से सुरक्षित नहीं रह सकता।" लामा ने उसे बताया और उसकी बात सुनकर खान के चेहरे पर शर्मिंदगी छा गई।

"लेकिन वह एक महान वैज्ञानिक हैं। मैंने उनके कुछ अद्भुत प्रयोग देखे हैं। सावधान रहना, उनमें अभी भी बहुत शक्ति है।" लामा ने खान को चेतावनी दी.।

"इस दुनिया में किसी भी शक्ति से बड़ी एक शक्ति है। इसकी चिंता मत करो।" -खान ने जवाब दिया.

फिर उसने बाले को हाथ पकड़कर लामा को कमरे की ओर ले जाने का इशारा किया और गहरी सोच में डूबकर बैठ गया। ऐसा लग रहा था जैसे उसकी सारी कोशिशें अचानक नाकाम हो गई हों, क्योंकि सालाज़ार को उसके नए, पूरी तरह से विकसित भौतिक रूप में पहचानना न केवल मुश्किल था, बल्कि नामुमकिन भी था। और फिर उसका रास्ता रोकना भी आसान नहीं था।

वह सोच रहा था कि समुद्र पार इतनी दूर यात्रा करके उसने क्या हासिल किया है।

वैसे, अगर उसका बस चलता, तो वह सालाज़ार को माफ़ कर देता, क्योंकि सालाज़ार का पिछले जन्म का पागलपन उसके मनोवैज्ञानिक अस्तित्व का नतीजा था। खासकर यह एहसास कि एक कंकाल के लिए यह खूबसूरत दुनिया और इसके सारे हित बेकार हैं। और फिर सालाज़ार में

एक तरह का बड़प्पन, मानवशास्त्र, उदारता और बहादुरी थी। वह हमेशा अपने दावों और बातों पर हर तरह से खरा उतरा था। इस तरह, उसका यह नया जीवन पूरी तरह से गैर-आपराधिक हो सकता था, लेकिन कोई भी कानून उसे उसके पिछले अपराधों से मुक्त नहीं कर सकता था, क्योंकि उसके हाथों अनगिनत खून बहा है। अपराध की सज़ा तो उसे हर हाल में मिलनी ही चाहिए थी। फिर भी, अमेरिकी धरती पर, उसे अपने देश के कानून और उसके न्याय के बारे में सोचने का कोई अधिकार नहीं था। सालाज़ार को यहाँ सिर्फ़ अमेरिका के कृत्यों की सज़ा मिल सकती थी। और यह अमेरिकी सरकार का काम था। खान को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे और उसे डर था कि कहीं इस नए जीवन में सालाज़ार को किसी अपराध का दोषी न ठहराया जाए। क्योंकि यह साबित नहीं हो सकता था कि यह व्यक्ति सालाज़ार ही होगा और उसने चलते-फिरते कंकाल के रूप में अतीत में कई अपराध किए होंगे।

इसलिए वह हमेशा के लिए सालाज़ार बनने से इनकार कर सकता है।

$$$$$$$$$$

खान ने उसी शाम एफबीआई मुख्यालय में लामा का बयान दर्ज करवाया और परिस्थितियों की विशेष प्रकृति को देखते हुए तिब्बत लौटने की अनुमति के लिए विदेश कार्यालय से सिफारिश की गई।

खान को अब भी समझ नहीं आ रहा था कि अब उसे क्या करना चाहिए। वह जानता था कि अगर वह किसी तरह सालाज़ार को उसकी नई जगह पर ढूँढ भी लेता है, तो उसके लिए यह साबित करना बेहद मुश्किल होगा कि वह असल में वही सालाज़ार है जिसने गंभीर अपराध

किए थे, जिसका अस्तित्व एक कंकाल के ढाँचे के बराबर था। वह भी इसी दुविधा में था। एक गोपनीय कोडेड केबल के ज़रिए उसने भारत सरकार की आईबी को भी इन हालातों की जानकारी दे दी थी, लेकिन वहाँ से उसे अभी तक कोई निर्देश नहीं मिले थे जिसके अनुसार वह कार्रवाई कर सके।

तुम पवित्र वन में क्यों नहीं जाते? परिस्तान अमेरिका की भी सैर हो जाएगी। बाले पीछे पड़ गया।

"मैं कोई भी बेकार काम नहीं करना चाहता।" खान ने गुस्से से उसे डाँटा।

इस धरती पर रची गई खूबसूरती को देखकर ईश्वर की शक्ति का गुणगान करना ही शुद्ध इबादत है, क़िबला। आप इसे व्यर्थ कहते हैं। बाले फिर लुढ़कने लगा ।

यदि तुम और बकवास करोगे तो मैं तुम्हें लामा की तरह हॉलीवुड पार्सल कर दूंगा।

"यह आपका सच्चा आशीर्वाद होगा। यह मेरे सेवक का प्रस्थान है, आलिजाह -- बाले ने विनम्रता से उत्तर दिया।"

"आप भी किस गंदगी का घड़ा लाए हैं, साहब।" असरार भी जिच होकर बोला।

अरे जनाब अखरोट , आप अपनी चोंच बंद रखिए, ये मेरा निजी मामला है। --बाले इस पर बिगड़ने लगा

और खान थका-हारा कमरे से बाहर आया। उस समय उसकी तबीयत खराब थी। वो पूरे एक हफ़्ते से परेशान था। लामा से उसे ये भी पता नहीं चल पाया था कि वो सालाज़ार के साथ कहाँ रह रहा था । वो बेबस अनजान तिब्बती आदमी अब तक अमेरिका में सिर्फ़ क़ैद की ज़िंदगी ही जी पाया था, वो क्या बता पाता।

खान टहलते हुए होटल के वाचनालय में गया। वहाँ कई और लोग अलग-अलग सोफ़े और कुर्सियों पर बैठकर पढ़ रहे थे। मेज़ पर अख़बारों के अलावा अमेरिकन मैगज़ीन, लाइफ़, द वूमन, ट्रू फ़ैशन्स और कई फ़िल्मी पत्रिकाएँ रखी थीं। उसने समय बिताने के लिए उन्हें उठा लिया। अचानक उसकी नज़र हॉलीवुड वीकली बुलेटिन के कवर पेज पर पड़ी। उस पर शीर्षक था, "एक अजनबी ने ट्वेंटिएथ सेंचुरी फ़ॉक्स की फ़िल्म द स्ट्रेंजर कामरान की शूटिंग रोकी," और नीचे लिखा था कि फ़िल्म की आउटडोर शूटिंग एक तटीय इलाके में हो रही है, जहाँ एक शॉट के दौरान नायिका डोरथी पार्कर को खलनायक जेफ़ चैंडलर ज़बरदस्ती उठाकर ले जाता है और डोरथी भागती रहती है। मिस पार्कर की चीख़ें सुनकर एक लंबा-चौड़ा आदमी अचानक कैमरे के सामने दौड़ा और ताकतवर चैंडलर को एक ही मुक्का मारकर ज़मीन पर गिराकर डोरथी को बचा लिया। स्टूडियो रिपोर्टर के अनुसार, पहले तो वह डोरथी के आलिंगन में ही रहा, लेकिन जब लोग दौड़कर उसका ध्यान क्रेन पर लगे कैमरों और हथौड़ों की ओर खींचने लगे और उसे बताया कि यह एक फिल्म की शूटिंग है, तो उसने चैंडलर और मिस पार्कर से माफ़ी मांगी। इसी कहानी से जुड़ी एक और कहानी में कहा गया है कि

शूटिंग के बाद, इस खूबसूरत और सफल अभिनेत्री को एक अजनबी के साथ एक रेस्टोरेंट में देखा गया। इस अचानक हुई मुलाकात के बाद हॉलीवुड फिल्म जगत में दोनों की दोस्ती को

लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। खान ने अखबार पढ़कर उसे एक तरफ फेंक दिया और सिगरेट मुँह में दबाकर खड़े हो गए।

$$$$$$$$$$$

101

मुलाकात

वह खुद इस खबर को कोई महत्व देने को तैयार नहीं थे, क्योंकि फिल्मी दुनिया में ऐसी घटनाएँ आए दिन होती रहती हैं। इसकी हेडलाइन सुनकर उन्हें झटका ज़रूर लगा, लेकिन इसमें कुछ खास नहीं था। इसलिए उन्होंने किसी से इसका ज़िक्र तक नहीं किया। लेकिन उसी शाम, जब उन्हें एफबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय से सूचना मिली कि एक रहस्यमय आदमी तीन-चार दिनों से हॉलीवुड फिल्म स्टूडियो के आसपास घूमता देखा गया है, तो उन्हें गहरा सदमा लगा। एफबीआई की रिपोर्ट में यह भी लिखा था कि उसके हाव-भाव अमेरिकी नहीं थे। इससे उनका शक और गहरा हो गया।

"हम कल कैलिफ़ोर्निया के लिए रवाना हो रहे हैं। शाम को लौटते ही उसने बाले , इसरार और इब्राहिम को अलग-अलग बुलाया और कहा।

"लेकिन ये लामा ?" असरार ने लामा के बारे में पूछा।

अब उसे कोई ख़तरा नहीं है। वह FB के संरक्षण में रहेगा। उसके बाद उसे तिब्बत भेज दिया जाएगा। परमिट मेरे पास है।

"तो आज हम तैयारी कैसे करें? हमें वैसे भी स्ट्रेचर तो लेना ही होगा,शायद ---असरार ने कहा.

"क्यों?" खान ने पूछा.

वहाँ बाले हर कदम पर बेहोश होता रहेगा । -------असरार ने गंभीरता से कहा.

102

सुभान अल्लाह, सुभान अल्लाह, तुम्हें कितनी परवाह है? मेरी लानत हो तुम पर, साढ़े सात पीरों की । बाले ने बीच में जले हये अंदाज में कहा ।

अब हमें ये बर्मी चोला बदलना होगा, उसने हमें पहचान लिया है। खान ने हिदायत दी ।

:मगर कैसे?"

हो सकता है कि साल्ट लेक सिटी से लौटते समय वह हम पर नज़र रख रहा हो। चालाक लोग कुछ तो पुलिस के इतने पास रहते हैं कि पुलिस वहाँ जाने की सोच भी नहीं सकती। वे उन्हें दूर-दूर तक ढूँढ़ते रहते हैं। --खान ने कहा।

"लेकिन वहाँ चलने से क्या फ़ायदा होगा?" इसरार ने पूछा।

"क्या फ़ायदा होगा --खान ने कहा, "अगर ऐसा नहीं भी हुआ तो हम वहां से पनामा के रास्ते लौटेंगे।"

वो ये कह कर बाथरूम में चला गया।

वे अगले दिन लॉस एंजिल्स होते हुए हवाई जहाज़ से कैलिफ़ोर्निया पहुँच गए। हॉलीवुड विकी बुलेटिन के दफ़्तर पहुँचने में उन्हें ज़्यादा वक़्त नहीं लगा... वो बहुत ही शालीनता से पेश आया। डोरोथी पार्कर के बारे में रिपोर्ट देने वाला रिपोर्टर वहाँ नहीं था। वह कहीं स्टूडियो गया था, लेकिन यहाँ से उन्हें उस रहस्यमय अजनबी की एक तस्वीर ज़रूर मिली, जो स्टूडियो में घूम रही थी। यह तस्वीर एक रेस्टोरेंट में डोरोथी पार्कर के बगल में बैठे हुए ली गई थी। वह बहुत ही सुंदर और लंबा-चौड़ा आदमी लग रहा था।

तस्वीर की एक कॉपी लेकर वह उसे ढूँढ़ने टैक्सी से निकल पड़ा। तब तक उसने यूरोपीय लोगों जैसा मेकअप कर लिया था। सबसे पहले, वो

ट्वेंटी सेंचुरी फोकस स्टूडियो गया। स्टूडियो कैसा था? बहुत ही खूबसूरत शहर था, ऊँचे-ऊँचे मंच और अंदर कृत्रिम पहाड़ियाँ भी बनी थीं। एफबीआई की सिफ़ारिश पर उसे बड़ी मुश्किल से अंदर जाने दिया गया, लेकिन उसे इस शर्त पर अंदर जाने दिया गया कि वह सिर्फ़ स्टूडियो का चक्कर लगाकर लौट आएगा। वह शूटिंग वगैरह देखने के लिए रुक नहीं सकता था। उसने यहाँ आने का असली मकसद नहीं बताया। वह अचानक इस आदमी पर शक भी नहीं कर सका। क्या यह कोई और हो सकता है?

स्टूडियो के अंदर एक साथ आठ फ़िल्में विभिन्न मंचों और खुले सेटों पर शूट की जा रही थीं। डोरथी पर कार उस समय एक समुद्री फ़िल्म के लिए जहाज़ के दृश्य की शूटिंग कर रही थी।

इस प्राचीन जहाज को स्टूडियो के अंदर बने एक पहाड़ की चोटी पर रखा गया था और बिजली के क्रेनों से ऐसे हिलाया जा रहा था मानो उसकी छाती लहरों में हिल रही हो। जिस दृश्य को फिल्माया जा रहा था, उसमें स्पेन की राजकुमारी बनीं मिस पारकर को एक समुद्री डाकू ने इस

जहाज पर बंदी बना लिया था, और यह समुद्री डाकू जेफ चैंडलर था। और ठीक उसी क्षण जब वह राजकुमारी के खूबसूरत चेहरे को सबके सामने जलती हुई लोहे की छड़ से जलाना चाहता था, जहाज के एक तरफ से एक युवक पारकर को तलवार देता है और उसके पहले वार से चैंडलर का हाथ घायल हो जाता है और गर्म छड़ नीचे गिर जाती है, और फिर जहाज पर लड़ाई शुरू हो जाती है।

खान यह देखकर चौंक गए कि जिस आदमी की तस्वीर उनके पास थी, वह उसी विमान में कैमरे के पीछे खड़ा होकर शूटिंग देख रहा था। उन्होंने उसे ध्यान से देखा। फिर उन्होंने पास खड़े काले सूट वाले एक आदमी से पूछा।

"कैमरे के पीछे एक तरफ खड़ा वह आदमी कौन है?"

"महाशय ये मिस पार्कर के नए मित्र हैं," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

"यह अमेरिकी नहीं लग रहा है, है ना?" खान ने उससे धीरे से पूछा।

"कुछ लोग कहते हैं कि यह डच है, कुछ कहते हैं कि यह स्कॉटिश है। अब भगवान ही जाने कि यह कौन है," उन्होंने रुंधे स्वर में कहा।

एक घंटे बाद, शॉर्ट फ़िल्म पूरी हो गई और सिर्फ़ लड़ाई के दृश्य फ़िल्माए जा रहे थे, जिसमें मिस पार्कर की ज़रूरत नहीं थी, इसलिए वह नीचे आ गईं। उस समय गा थार भी उनके साथ

थीं। जैसे ही वे दोनों पास से गुज़रने लगीं, ख़ान उन्हें गौर से देखने लगा। उनके हाथों के बालों की जड़ें बिल्कुल साफ़ थीं और त्वचा पतली लग रही थी।

खान ने स्वयं उसका अनुसरण किया।

खान के पीछे, किसी रईस के चमचों की तरह, तीन आयरिश आदमी खड़े थे, बाले , इसरार और इब्राहिम। असरार गूंगा हो गया था। बाले , क्योंकि वह आयरिश लहजे से वाकिफ था, निजी सचिव बन गया था।

महाशय।' खान ने चलते हुए गा थार को पुकारा। वह अचानक रुक गया। 'मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ।' उसने पुर्तगाली लहजे में कहा।

'हाँ, हाँ, बिल्कुल।' यह कहते हुए उसने मिस पार्कर की तरफ देखा। उसने उसकी तरफ देखा।

मैं तुम्हें स्टेज नंबर 3 के रेस्ट रूम में मिलूंगी। तुम जा सकते हो,

उसने मुस्कुराते हुए उसे इजाजत दे दी.

और वह खान की तरफ़ आया। वे चारों टहलते हुए एक केबिन कैंटीन में पहुँचे, जहाँ संयोग से उस समय वहाँ सिर्फ़ नौकरों के अलावा कोई नहीं था।

"सच तो यह है कि मैं खुद एक फिल्म बनाना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि आप भी ऐसा करें।

खान ने स्पष्ट आयरिश लहजे में कहा, "एक सुंदर और स्वस्थ व्यक्ति के रूप में आप उनके हीरो बन जाए ।"

"लेकिन मैं कोई फिल्म अभिनेता नहीं हूं," गा थार ने माफी मांगी।

"वो सब हम पर छोड़ दो, हम तुम्हें कुछ ही दिनों में अर्ल फ्लिन का पिता बना देंगे। अगर तुम कहो तो तुम्हें टाइरोन पावर का चाचा भी बनाया जा सकता है। --बाले बीच में ही शेखी बघारने लगा।

मैं अभिनय के बारे में कुछ नहीं जानता, --

सब कुछ हम पर छोड़ दो, हम तुम्हें एक महीने में एक्सपर्ट बना देंगे। क्लार्क गेबल ने "गोवन विद द फ्रेंड" में नाम कमाया था: हम "कम ऑन विद द फ्रेंड" में तुम्हारा नाम कमायेंगे। बाले और ज़ोर से हँसने लगा।

उन्होंने रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा, "मुझे लगता है कि आपको डॉ. सालाजार के बारे में एक फिल्म बनानी चाहिए, मिस्टर खान।"

उसकी बात सुनकर असरार और इब्राहिम आश्चर्य से उछल पड़े। सालाज़ार जैसे भयानक और रहस्यमयी व्यक्ति को इस तरह अपने सामने देखकर बाले एक पल के लिए थोड़ा डर गया। खान के होठों पर बस एक हल्की सी मुस्कान उभरी। असरार गा थार के दोनों हाथ उनकी जेबों में देखकर डर गया। और गा थार के रूप में सालाज़ार की यह डरावनी मुस्कान और भी चिंताजनक थी। खुदा जाने कब और कैसा हमला कर दे।

तो मेरा शक सही निकला। खान भी मुस्कुराया और बोला,

"जी हाँ, साहब।"मैं आपकी इस क्षमता की सराहना करता हूँ कि आप अपनी भविष्यवाणियों में बहुत कम गलतियाँ करते हैं। शायद अगर आपने हस्तक्षेप न किया होता, तो भारत के लोग मुझे अलौकिक मानते।

"वे सोचते कि मैं कोई भूत या प्रेत हूँ , और वे मेरा नाम का मंत्र जपना शुरू कर देते ," सालाज़ार ने संतुष्टि के साथ अपनी सीट पर बैठते हुए कहा।

खान ने कुछ उलझन में जवाब दिया, "ऐसा नहीं है, भारत में भी अब बुद्धिमान लोग पैदा हो रहे हैं।"

"खैर, मुझे तुमसे मिलकर खुशी हुई, लेकिन अगर तुमने अपना ज़्यादा समय यहाँ बर्बाद किया तो मुझे अफ़सोस होगा, क्योंकि काम के आदमियों को इस तरह भटकना नहीं चाहिए। तुम्हारे देश को अभी तुम्हारे जैसे लोगों की ज़रूरत है।" उसने खान को बहुत ही बेरुखी से समझाना शुरू किया।

खान ने उसे ताना मारते हुए कहा, "पुराने ज़माने की बातें करने लगे हो तुम ।"

"खैर, आप कुछ भी सोच सकते हैं। मैं आपका उपकारक हूँ, मेरे प्यारे जासूस। मैंने इस पिछले जीवन को अलविदा कह दिया है। अमेरिकी बैंकों में मेरे पिता के समय की बहुत सारी संपत्ति है। वह एक पूरी शिपिंग कंपनी के मालिक थे। मैं कई सौ साल तक विलासिता में रह सकता हूँ, और फिर मेरा वैज्ञानिक अनुभव भी कम नहीं है," सालाज़ार ने गर्व से कहा।

:सालाज़ार, तुम भूल रहे हो, अब पिस्तौल की गोली तुम्हारी जान ले सकती है। तुम्हारे ढाँचे की अनंतता अब खत्म हो गई है। अब तुम बस एक इंसान हो, जिसके शरीर में आम इंसानों जैसी खाल और मांस है। --खान ने पूरे आत्मविश्वास के साथ उसे रौंद डाला। इस वाक्य पर पी. सालाज़ार का चेहरा एक पल के लिए गंभीर हो गया, लेकिन फिर वह ज़ोर से हँस पड़ा।

"जासूस, तुम मुझे ज्ञान दे रहे हो। हो सकता है कि उस मूर्ख लामा ने तुम्हें यह सब बताया हो, लेकिन वह यह नहीं जानता कि मैं जब चाहूँ इस भौतिक अवस्था को समाप्त कर अपनी पुरानी अवस्था में लौट सकता हूँ," उसने भारी और कर्कश स्वर में कहा।

खान ने कुछ कड़वे स्वर में कहा, "मुझे यह सब नहीं पता। आपने अपराध किए हैं और कानून अपराधी को कभी माफ नहीं करता।"

अपराधी..? कानून...? वह हँसता ही रहा। तुम्हारा कानून मुझे ज़िंदगी भर दोषी नहीं ठहरा सकता। मैं वो सलजार नहीं हूँ जो तुम्हारे अपराधियों की सूची में था। मेरा नाम अल्बर्टो डी गाथर है। मैं अमेरिका का एक सम्मानित पुर्तगाली नागरिक हूँ, बेटा। तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते।" उसने लापरवाही से हँसते हुए कहा। इसी बीच, केबिन कैंटीन से एक नौकर उसके पास आया।

"मेरे लिए एक स्कॉच, मेरे दोस्तों के लिए स्कॉच व्हिस्की और मेरे स्पेनिश नवाब के लिए एक जॉन मिल ग्रेट वाइन। उसने ऑर्डर किया।

"हमें शराब से नफ़रत है। खान ने उसे बीच में ही टोक दिया।

"तो, कोई और ड्रिंक?" गा थार ने साफ़ अंग्रेज़ी में पूछा।

"नहीं, धन्यवाद। लेकिन भले ही आपको अपनी नई स्थिति से लाभ हो और आप कानून से सुरक्षित रहें, फिर भी मैं आपसे एक आश्वासन चाहता हूँ," खान ने पूरी गंभीरता और नरम लहजे में कहा।

"क्या?" सालाज़ार ने पलकें झपकाते हुए पूछा।

बाले हैरान था कि एक कंकाल इतनी जल्दी इतने पूर्ण और सुंदर प्राणी में कैसे बदल सकता है। वह उसके रूप को देखकर दंग रह गया।

खान ने कहा, "तुम मेरे देश की धरती पर फिर कभी पैर नहीं रखोगे।"

"मेहमान के तौर पर भी नहीं?" सालाज़ार ने मुस्कुराते हुए पूछा।

"हमें ऐसे ख़तरनाक मेहमान की ज़रूरत नहीं है," ख़ान ने रूखेपन से जवाब दिया।

"तो क्या आप इससे संतुष्ट होंगे? दरअसल, मैं आपके साथ कठोरता से पेश नहीं आना चाहता," सलजार ने कहा।

खान ने अपना सिर एक ओर झुकाते हुए कहा, "आप अजीब आदमी हैं, आप धमकियां देते रहते हैं और आभार भी जताते रहते हैं।"

मैं अच्छे आदमियों की कद्र सिर्फ़ इसलिए करता हूँ, वरना तुम्हारे असिस्टंट को , जिसकी जेब में एक डिक्टाफोन छिपा हुआ है, मैं दो मिनट में चूहा बना सकता हूँ" --सलाज़ार ने कहा और बाले की तरफ़ देख कर मुस्कुराया। और बाले सिटपिटा गया । ख़ान ने तिरछी नज़र से देखा, सचमुच रिकॉर्डर की पतली लाइन बाले की जेब से बाहर निकली हुई थी।

और शायद तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं कि उस पतली नोक में एक माचिस की तीली फंसी है।" सालाज़ार ने फिर बाले की जेब की ओर इशारा किया। और इस बार, बाले ने घबराकर अपनी जेब से एक पॉकेट रिकॉर्ड निकाला। यह वाकई एक साउंड रिकॉर्डर था। पहली बात तो यह हुई कि पतली नोक के मुँह में एक माचिस की तीली फंसी पाई गई, जो सालाज़ार की अपनी चाल थी।

"अगर आप इसमें सफल भी हो जाते, तो भी मेरे पास तीन आवाजें हैं। मैं अदालत में झुठला सकता हूँ ," सालाज़ार ने हँसते हुए कहा, एक अलग आवाज़ में, जो पहली से बिल्कुल अलग थी, और वे तीनों उसे सुनकर आश्चर्यचकित हो गए।

"लो, मैं इसे तुम्हारी डायरी में लिख देता हूँ।" यह कहकर सालाज़ार ने खुद खान की जेब से डायरी निकाली और अपनी जेब से कलम निकालकर लिखना शुरू कर दिया।

यह कैसी मूर्खता है, बाले ? खान ने बाले को जेब से पिस्तौल निकालते हुये देखा तो टोक दिया

तुम्हारा ये असिस्टंट सात मूर्खों में से एक मूर्ख है। बेहतर होगा कि तुम उसे तलाक दे दो।" सालाज़ार ने बाले की तरफ़ देखे बिना ख़ान की डायरी में कुछ लिखते हुए कहा। और बाले का इस हमले पर अजीब हाल हो गया । वो बिना किसी नतीजे की परवाह किए इस अजीब आदमी से अचानक भिड़ जाना चाहता था, लेकिन ख़ान की वजह से वो कुछ नहीं कर पा रहा था।

इसरार और इब्राहिम दोनों बाले की हालत देखकर मुस्कुरा दिए।

"तुम किस बात पर हंस रहे हो, बेवकूफ़?" बाले उनकी ओर मुड़ा, उसकी आँखें जल रही थीं।

"बाले ।--- खान ने उसे डाँटा। और वह गुस्सा हो गया। सालाज़ार ने नोटबुक खान को थमा दी। उसमें लिखा था,

मैं इस एक व्यक्ति, सुपरिंटेंडेंट हज़ूर अहमद ख़ान, जिन्हें मैं एक अत्यंत योग्य जासूस मानता हूँ और जिनके अलावा शायद कोई भी मेरे विचित्र व्यक्तित्व के बारे में उतना नहीं जानता जितना वे जानते हैं, से वादा करता हूँ कि मैं उनकी जन्मभूमि, यानी भारत, पर कभी कदम नहीं रखूँगा। यह मेरा नैतिक वादा है, एक ईमानदार पुलिस अधिकारी का एक ईमानदार अपराधी से, जो आज भी सभी देशों के कानूनों के लिए अभेद्य है, लेकिन जो एक व्यक्ति की योग्यता, बहादुरी और उदारता से प्रभावित होकर उसे अपना वादा दे रहा है। यह एक सलाहकार का वादा है जो अपने वचन के सम्मान को हर चीज़ से ऊपर रखता है।

केवल

डॉ. ए. डी. सालाज़ार

खान ने नोटबुक जेब में रखी और खड़ा हो गया। बाले, इसरार और इब्राहिम भी आश्चर्य से खड़े हो गए। सालाज़ार मुस्कुराया और उनसे हाथ मिलाया।

"अगली सर्दियों तक मैं उत्तरी ध्रुव पर अपनी प्रयोगशालाएँ स्थापित कर लूँगा, और उस समय मैं तुम्हें अपने पहले उत्कृष्ट प्रयोग के दो नमूने भेजूँगा, ताकि तुम्हें याद रहे कि जिससे तुम मिले थे, उसमें कोई शक्ति थी।" यह कहकर सलजार केबिन से बाहर चले गए।

"देखो, वह जा रहा है।" बाले ने खान का ध्यान अपनी ओर खींचा।

"उसे जाने दो। इस समय हम उसका कुछ नहीं कर सकते। वह किसी भी कानून की पहुँच से बाहर है। --खान ने कहा। और फिर वह भी केबिन से बाहर आया और स्टूडियो में टहलने लगा।

वे गेट पर पहुंचे।

जैसे ही वह अपने आवास पर लौटा, उसे एफबीआई के माध्यम से भारत सरकार का एक निर्देश मिला। उसमें केंद्रीय खुफिया ब्यूरो के निदेशक ने लिखा था कि भारतीय जाँच ब्यूरो के निदेशक ने लिखा है कि अमेरिका में हुई घटनाओं से हमारा कोई संबंध नहीं है। अगर मामला आपके नियंत्रण से बाहर है, तो वापस आ जाइए, सरकार भी आपको वापस बुला रही है।

चलो " भाई, बोरिया बस्तर गोल करो " खान ने कागज मेज पर रख दिया और कहा

मुझे एस्थर विलियम्स से मिलना है । मैं हॉलीवुड घूमने जाऊँगा। उसके बगैर नहीं जाऊंगा -- बाले बच्चों की तरह ज़िद्दी होने लगा।

"आपसे दस हज़ार गुना बेहतर आदमी यहाँ उसके जूते साफ़ करते हैं, सार्जेंट।" असरार आश्चर्य से सीधा बैठ गया।

शायद आप अपनी भैंस जैसी बुद्धि की कल्पना से यह कह रहे हैं। इसने मुझे खुद चिट्ठी लिखी थी कि

"छुट्टियों में जब तुम अमेरिका आओ तो मुझसे ज़रूर मिलना, वरना मैं पानी में कूद जाऊँगी" बाले ने मासूमियत से कहा। खान उस समय जानबूझकर उनकी झड़प का मज़ा ले रहा था।

"ज़रूर लिखा होगा। इब्राहीम भी इसका समर्थन करता हुआ प्रतीत हुआ।

"अबे ओ बूझड़ , बूढ़े लोगों से इस तरह बात नहीं करते। वो इब्रहीम कि तरफ घूम गया

तुम्हारी बुढ़ापे को देखते हुए मैं तुमसे क़िबला पूछ रहा हूँ। --इब्राहीम ने उदास, लेकिन मज़ाकिया लहजे में कहा।

अरे बेटा, तू तो बड़ा भाग्यशाली है, तू बड़ा नाम कमाएगा। तू जीवन भर पहरेदार रहेगा। --बाले ने उसे श्राप दिया।

उसकी पदोन्नति का आदेश भी आ गया है, कहीं कौवे के रोने से गाय मर जाती है। --असरार ने इब्राहीम की ओर से बात की।

"धन्य और शिष्यों में सर्वश्रेष्ठ, और बनो शागिर्द आइसो के , अच्छे भले इंसान को ढोर बना डाला --- बाले ने अब्राहम को बांस पर चढ़ाया।

अच्छा, अब ये बकवास बंद करो। हमें वापसी की तैयारी करनी है। खान में दखल देकर उन्हें चुप करा दिया गया।

और अगले दिन, जब उनका जहाज़, एसएस एम्बेसडर, दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के तट से रवाना हुआ, तब भी वे एक अनसुलझे रहस्य के साथ अमेरिका छोड़ रहे थे। ऐसे अस्तित्व के उत्तर की खोज ने अपना रुख़ बदल दिया था।

ख़ान ने एफ.बी.आई. की सच्ची मदद के बदले में उसने विभाग को नए सलाज़ार की मौजूदगी की सूचना दे दी थी, और अपने दोस्त अफ़सर को गाथार की एक तस्वीर भी दे दी थी, लेकिन वे अब भी उसे एक कल्पना ही मानते थे। उनमें से कोई भी हड्डियों के इस हिलते-डुलते और डरावने ढाँचे को, जिसने न्यूयॉर्क में हंगामा मचा रखा था, सालाज़ार या गाथार मानने को तैयार नहीं था। हालाँकि, बाले के दिल में यह अफ़सोस बना रहा कि वह एस्थर विलियम्स से नहीं मिल सका और हॉलीवुड महल का ठीक से दौरा नहीं कर पाया। उस लाचार आदमी ने हॉलीवुड सुंदरियों की पूरी सूची बना ली थी, लेकिन द्रौथी पार्कर और कुछ एक्स्ट्रा लोगों के अलावा उसे और कोई नज़र नहीं आया। अमेरिका से निकलते हुए उसने जेब से सूची निकाली, उस पर चाक से लिखा और समुद्र में फेंक दिया।

असरार पास ही खड़ा था। वह गुनगुनाने लगा।-----एक दिल के टुकड़े हज़ार हुये ---... कि यहाँ गिरा --

कोई तुम्हारे सिर पर गिर पड़ा। बाले झुझला कर चीख पड़ा । ।

"बिल्ली खंभे को खरोंचती है, है ना, इब्राहीम?" असरार ने इब्राहीम की ओर देखते हुए पूछा।

मैंने भी इसके बारे में सुना है, पर देखा नहीं है। आप बाले साहब से ही पूछिए, साहब। -- इब्राहिम ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा।

अच्छा तुझको तो -- लेकिन जैसे ही बाले इब्रहीम कि तरफ बढ़ा , एक यात्री जोड़ा उनके बीच आ गया, और इब्राहीम मुड़कर असरार के पीछे चला गया।

उनका जहाज़ अभी पनामा की खाड़ी से निकला ही था कि खान को जहाज़ के कप्तान से दो पार्सल मिले, जो उनके केबिन में पहुँचा दिए गए। खान के अनुसार, उनमें से एक पार्सल बाले का था।

पहले तो खान को लगा कि वह रेमंड का है, क्योंकि जाते समय वह रेमंड से नहीं मिल सका, उसने उसे केवल पत्र द्वारा सूचित किया था। लेकिन जब उसने उसे खोला, तो उसके अंदर एक और बॉक्स था लगभग नौ (9) इंच लंबा और छह (6) इंच चौड़ा, जिस पर लिखा था, इसे अब से पाँच साल बाद खोलना, यह सम्राट का उपहार है। दूसरा, जो बाले के नाम पर था, उस पर लिखा था, इसे पाँच मिनट बाद खोलना। बाले ने उसे तुरंत खोला, लेकिन उसमें केवल एक जोड़ी एक-पैर वाली, फूलों से लिपटी चप्पलें थीं जो बेडरूम में पहनी जाती हैं।

कागज के एक और टुकड़े पर लिखा था,

एस्तेर विलियम्स की चप्पलें हाजिर हैं, अपना सिर मुंडवा लो और आनंद लो।

और बाले ने दोनों हाथों से अपना सिर पकड़ लिया और सोचा कि इस कमबख्त ने उसकी बात कब सुन ली थी

असरार और इब्रहीम दोनों बाले कि हालत पर ठहाके लगा रहे थे।

******** समाप्त ******

☆☆☆ ☆☆☆

sjeet